ट्रोलिंग पर पहली बार कटरीना कैफ ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- हमारी क्षमता पर बुरा असर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 35
न्यूनतम - 22

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 281 RNI NO.43285/85 संस्करण- नगर मुजफ्फरनगर शनिवार 10 अक्टूबर 2026 भाद्रपद शुक्ल 28 विक्रमी संवत पृष्ठ 12 मूल्य 4 रूपया

सीजेआई उवाच, मक्खी मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं

- सीजेपी के प्रदर्शन से पहले सख्ती पर चीफ जस्टिस की टिप्पणी
- सरकार को लगाई फटकार, दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशन बंद की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के शनिवार को होने वाले प्रदर्शन को लेकर ज्यादा सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- आपको कुछ चीजों को रोकना ही होगा। उन्हें रोकने के लिए सिर्फ उतनी ही कार्रवाई करें जितनी जरूरी हो। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करें। इस बात का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। दरअसल सीजेपी के कल होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए आज रात 9 बजे से 57 मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। वहीं नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन आने वाली सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें कल कैंसिल रहेंगी। रेलवे ने इन ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से ही रद्द कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मेट्रो की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। अधिकारियों को मेट्रो और अन्य ट्रेनों की आवाजाही इस तरह नियंत्रित करने पर विचार करना होगा कि आम लोगों को परेशानी न हो। इस फैसले की जानकारी दी जाए और लोगों को परेशानी न हो।

सुनिश्चित करें कि सब कुछ रुक न जाए

इस पर सीजेआई ने सरकार की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा, सावधानी बरतें। बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। आप कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन, यह जिम्मेदारी सिर्फ सरकारी संपति की हिफाजत के बारे में नहीं है। यह लोगों की हिफाजत को लेकर है। यह आपकी सॉवरेन ड्यूटी है। इन स्थानों से हमारी बेटियां, छोटे बच्चे, वरिष्ठ नागरिक, बहुत बुजुर्ग लोग और मरीज गुजरते हैं। उनकी भी हिफाजत जरूरी है। उचित कदम उटाने में किसी भी तरह से कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन, यह सुनिश्चित करें कि सब कुछ रुक न जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने फैसला सुनाया।

भारतवंशी नावी पिल्ले को शांति का नोबेल पुरस्कार

- फिर खाली हाथ रह गए डोनाल्ड ट्रंप, लगा बड़ा झटका

ओस्लो (एजेंसी)। मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अमिट छाप छोड़ने वाली भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी ज्यूरिस्ट नवेनेथम नावी पिल्ले को प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप के हाथ फिर से खाली रह गये हैं और उन्हें इस साल भी नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया है। 88 वर्ष की नावी पिल्ले का जन्म दक्षिण अफ्रीका के डरबन में एक भारतीय तमिल परिवार में हुआ था। उनके दादा तमिलनाडु से दक्षिण अफ्रीका जाकर बसे थे। विपरीत परिस्थितियों और रंगभेद के दौर में पढ़ाई पूरी कर वह दक्षिण अफ्रीका के नेटाल प्रांत में अपनी लॉ प्रैक्टिस शुरू करने वाली पहली गैर-श्वेत महिला बनी थीं।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 18 दिसंबर से होगी वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस

- उद्घाटन सत्र को मोहन भागवत करेंगे संबोधित

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर के हिंदू नेतृत्व, विचारकों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का वैश्विक समागम वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) 2026 इस बार मुंबई में होगा। तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 18 से 20 दिसंबर तक बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संबोधित करेंगे। आयोजकों के अनुसार, सम्मेलन में 60 से अधिक

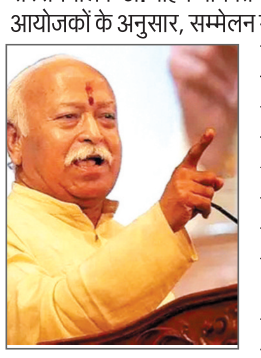

देशों के चार हजार से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें हिंदू नेता, विचारक, उद्यमी, शिक्षाविद, मीडिया प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर एक मंच पर जुटेंगे। तीन दिनों में 45 से अधिक सत्र होंगे और 150 से अधिक वक्ता अपने विचार रखेंगे। सम्मेलन अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अकादमिक जगत, मीडिया और राजनीति जैसे क्षेत्रों में हिंदू समाज की भूमिका को मजबूत करने पर केंद्रित होगा। सम्मेलन में भाषा, समाज और धर्म विषयों पर विशेष सत्र होंगे। सम्मेलन के साथ पहली बार वर्ल्ड हिंदू एक्सपो भी आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य व्यापार-वाणिज्य और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस इससे पहले 2014 में नई दिल्ली, 2018 में शिकागो और 2023 में बैंकाक में आयोजित हो चुका है।

पीएम मोदी के नाम से जाना जाएगा नोएडा एयरपोर्ट

अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण बिना परीक्षा जॉइनिंग मिलेगी

नोएडा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में एक अहम निर्णय लिया गया है। नोएडा जेवर एयरपोर्ट का नाम अब नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम अब नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को कैबिनेट ने

प्रस्ताव पारित कर दिया है। इस एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी क्षमता एक वर्ष में लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। यह एयरपोर्ट 1300 हेक्टेयर से अधिक भूमि में फैला हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में बनने वाला यह दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यह इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ कम करने में मदद करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर विकसित किया गया है, जिसमें मल्टी मॉडल ट्रांजिट केंद्र होगा। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मेट्रो और हाई स्पीड रेलवे के स्टेशन होंगे। इनके अलावा टैक्सी, बस सेवा और निजी वाहन पार्किंग सुविधा रहेगी। दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट के बीच का सफर सिर्फ 21 मिनट का होगा। जेवर एयरपोर्ट को प्रस्तावित दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल से भी जोड़ने की योजना है।

उपचुनावों में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

- बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर में बीजेपी की आंधी
- तमिलनाडु में टीवीके, असम में बीजेपी की बड़ी जीत
- 4 राज्यों की 6 सीटों पर उपचुनाव के रिजल्ट घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प. बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी की 5 विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा के उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को आ गए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटें भाजपा ने जीत ली है। वहीं तमिलनाडु की दो सीटों पर टीवीके ने कब्जा किया। उधर, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर एनडीए ने जीत हासिल की। वहीं, असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। नंदीग्राम सीट पर बीजेपी प्रत्याशी हसीरानी रथ 122753 वोटों से जीत गई हैं। उन्हें कुल 164427 वोट मिले। हसीरानी ने इस सीट पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हसीरानी ने बड़े वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

बीजेपी उम्मीदवार हासीरानी रथ को मिली बड़ी जीत

नंदीग्राम उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। बीजेपी उम्मीदवार हासीरानी रथ को एक लाख 20 हजार से अधिक वोटों से जीत मिली है। उन्होंने अपनी जीत में सीएम सुवेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सुवेंदु अधिकारी को पिछले चुनाव में महज नौ हजार वोटों से जीत मिली थी। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद पहली बार उपचुनाव हुए हैं। इस चुनाव में एक बार फिर से बीजेपी की सुनामी देखने को मिली है। नंदीग्राम उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार हासीरानी रथ को एक लाख 20 हजार से अधिक वोटों से जीत मिली है। यह नंदीग्राम में बीजेपी की सबसे बड़ी जीत है। वहीं, नंदीग्राम उपचुनाव में टीएमसी उम्मीदवार संचिता डे ने पहले ही मैदान छोड़ दिया था। इसके बाद मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच हो गया था। कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को कुल 40 हजार से अधिक वोट मिले हैं।

नाना पाटेकर के निधन मामले में केस दर्ज

मौत के कारणों का पता लगाएगी पुलिस, देर रात हुआ अंतिम संस्कार

मुंबई (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन मामले में मेडिको-लीगल 'अप्राकृतिक मौत' का केस दर्ज किया है। पुलिस मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार

के बयानों की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी के अनुसार, गोवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया है। पीएसआई नितिन नाइक इसकी जांच कर रहे हैं। पणजी में दर्ज केस के मुताबिक, नाना पाटेकर को गुरुवार सुबह गोवा के डोना पाउला स्थित ओशन पार्क से मणिपाल अस्पताल, बांबोलिम लाया गया था।

गुजरात के कच्छ में भीषण सड़क हादसा

सात मजदूरों की हो गई मौत 20 से ज्यादा हो गए घायल

- कच्छ में ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच भीषण टक्कर

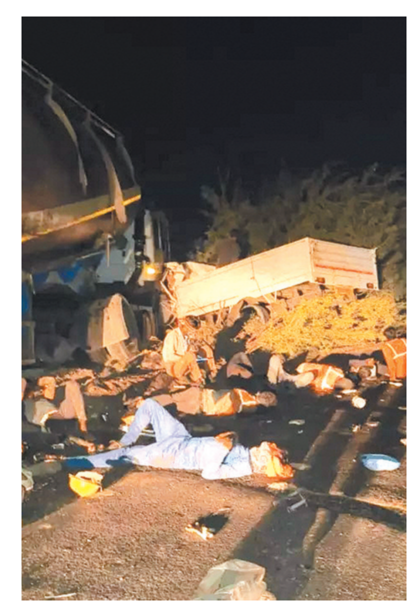

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ स्थित खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) पार्क के अंदर मार्ग पर तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रमिकों को ले जा रही एक बोलेरो और अन्य वाहन बल्कर के बीच आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में 7 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी तीव्र थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें कई श्रमिक फंस गए। गंभीर हादसे की सूचना मिलते ही पश्चिम कच्छ पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और क्रेन की मदद से फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला, जिससे समय रहते कई जिंदगियों को बचाया जा सका।

हादसे की पुलिस जांच शुरू

यह पता चला है कि आरई पार्क इलाके में इस तरह का यह पहला बड़ा हादसा है। फिलहाल, पुलिस ने हादसे की आगे की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले, मंगलवार को भावनगर जिले में दो वाहनों की टक्कर में सात लोगों की मौत हुई। यह हादसा भावनगर-सोमनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ था, जहां किनारे सर्विस रोड पर खड़ी एक ट्रेलर गाड़ी से एसयूवी टकराई। एसयूवी सवार लोग अलंग शिपब्रेकिंग यार्ड में काम पर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, एसयूवी भावनगर से अलंग की ओर जा रही थी, तभी वह सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर के पिछले हिस्से से टकरा गई। ट्रेलर हाईवे की सर्विस रोड पर त्रापाज गांव के पास खड़ा था, तभी उसके पीछे आ रही बोलेरो उससे टकरा गई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पांडे ने बताया कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जेएनयू ने प्रोफेसर बिमोल अकोइजाम को किया बर्खास्त

- कांग्रेस सांसद 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के दोषी पाए गए
- मणिपुर हिंसा के दौरान राजनीति में आए थे, वीसी से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर और इनर मणिपुर से कांग्रेस लोकसभा सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को बर्खास्त कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने उन्हें 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया। बर्खास्तगी तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। यह कार्रवाई यूनिवर्सिटी की इंटरनल कमेटी की जांच के निष्कर्षों के आधार पर की गई। जेएनयू ने बिमोल अकोइजाम के खिलाफ बड़ी सजा की सिफारिश की थी। 2023 में मणिपुर हिंसा के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा।

ट्विशा डेथ केस में सास गिरिबाला की बढ़ीं मुसीबतें

दहेज एक्ट की धाराएं हटीं, लेकिन जमानत पर संशय

- सीबीआई जुटा रही तकनीकि सबूत, याचिका स्वीकार

जबलपुर (एजेंसी)। मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में जेल में निरुद्ध भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं को विलोपित कर पेश की गई संशोधित याचिका स्वीकार कर ली। सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो की ओर से बताया गया कि मामले में जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच एजेंसी मामले की पड़ताल कर रही है और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कानून के अनुसार संबंधित न्यायालय में आगे की कार्रवाई की जाएगी। गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका जिला न्यायालय से खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। पिछली सुनवाई में अदालत को बताया गया था कि दहेज की मांग से जुड़े साक्ष्य नहीं मिलने के कारण कोर्ट ने मामले में दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराएं हटा दी हैं।

दोबारा पोस्टमार्टम के भी दिए गए थे आदेश

मामले में मृतका का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग को लेकर भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। अदालत ने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की टीम से दोबारा पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए थे। बाद में राज्य सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। अब जांच एजेंसी तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जाएगी।

केरल के पूर्व सीएम के खिलाफ एफआईआर का आदेश

- पिनराई विजयन और उनकी बेटी पर भ्रष्टाचार का लगा है आरोप
- जांच के लिए पुलिस ने बनाई थी एसआईटी

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार केस में पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इस केस में पिनराई विजयन और उनकी बेटी टी वीणा पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मामला कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड और वीणा की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच वित्तीय लेन-देन से जुड़ा है। कोर्ट में याचिका देकर इस मामले में एफआईआर की मांग की गई थी, जिसके बाद जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने यह फैसला लिया। दरअसल, इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रही थी और उसने केरल पुलिस के साथ भी इसकी जानकारी साझा की थी। इसके बाद भी राज्य पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय विशेष जांच टीम बनाई थी।

- **ईडी और राज्य सरकार की दलीलें-** हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने एफआईआर दर्ज करने की मांग का समर्थन किया। ईडी के वकील जयशंकर नायर ने कहा कि जांच के दौरान कई ऐसे लेन-देन सामने आए हैं, जिनकी जांच राज्य पुलिस या किसी सक्षम एजेंसी से कराना जरूरी है। राज्य की ओर से एडवोकेट जनरल जाजू बाबू ने याचिका की सुनवाई योग्य होने पर शुरुआती आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने इसे जनहित का मामला बताया है, लेकिन इसे गलत पेश किया गया है।

7 साल पुराना है मामला

मामला विजयन की बेटी टी वीणा की कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का है। वीणा की 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड ने साल 2018-19 में 1.72 करोड़ मंथली पेमेंट के तौर पर दिए, लेकिन इसके बदले एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस ने कोई सर्विस नहीं दी। ईडी का मानना है कि यह लेन-देन संदिग्ध है। एक्सालॉजिक के बीच हुए इस भुगतान को लेकर पहले इनकम टैक्स विभाग ने भी सवाल उठाए थे।

वीजा लेकर अमेरिका में काम करने वाले बंधुआ मजदूर

- वेंस बोले, भारत का जवाब-अमेरिकी अर्थव्यवस्था यही संभाल रहे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को 'बंधुआ मजदूर' बताया है। भारत ने वेंस के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रवासियों की अहम भूमिका रही है। भारत ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका की अर्थव्यवस्था, नई तकनीक, रिसर्च और रोजगार बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होता है। अमेरिका में एच-1बी वीजा पाने वालों में 71 फीसदी भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

अनमोल वचन

हमारे भीतर जो खोट और जन्म-जन्मान्तरों के जो कुसंस्कार जमा हैं, उन्हें समाप्त करने के दो तरीके हैं– उन्हें स्वयं जला दिया जाये, प्रायश्चित करके, अपने पापों से कई गुणा पुण्य और शुभ कर्म करके अथवा फिर परमात्मा के द्वारा जला दिया जाये। जिस प्रकार धातुओं के मैल को मिटाने के लिये अग्नि में डालकर तपाना पड़ता है, ठीक उसी प्रकार पापों का क्षय करने के लिये आत्मा को विशुद्ध बनाने के लिये परमात्मा उसे नरक की भट्टी में डालता है अर्थात विभिन्न निकृष्ट और कष्टदायी योनियों से निकालकर आत्मा को परिमार्जित करता है। इसलिये पापों को स्वयं जला दिया जाये ज्यादा अच्छा है, अन्यथा अन्तिम संगति नरक की भट्टी है ही। जैसे किसी धातु के ऊपर खोट चढ़ा हुआ है, कपड़ा रगड़ने पर भी वह नहीं उतर रहा क्योंकि ऊपर चढ़े मैल की मात्रा बहुत अधिक है तो उसे अग्नि की भट्टी में डाला जायेगा तब मैल साफ होगा। इसी प्रकार हमारे कर्म इतने खोटे हैं कि हमारे प्रायश्चित से साफ नहीं हो पा रहे हैं तो दूसरा मार्ग नरक की भट्टी है न जाने उसमें कितनी लम्बी अवधि व्यतीत करनी पड़ेगी। तब कोई पुण्य कर्म सामने आयेगा कि मानव योनि पुनः प्राप्त हो। इसलिये हे मानव, हर कर्म को विचार कर करे, भूले से भी पाप कर्म न करे, अन्यथा नरक की भट्टी तो है ही, आत्मा को विशुद्ध करने के लिये।

टाउन हॉल में 114वें श्री रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ, गणेश पूजन के साथ नारद मोह की लीला का मंचन

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और रॉयल बुलेटिन के संपादक अनिल रॉयल ने किया पूजन, भगवान श्रीराम को तिलक लगाकर उतारी आरती

मुजफ्फरनगर। शहर के ऐतिहासिक टाउन हॉल मैदान में श्री रामलीला सभा (रजि.) के तत्वावधान में आयोजित 114वें श्री रामलीला महोत्सव का गुरुवार की शाम धार्मिक अनुष्ठानों और विधि-विधान के साथ भव्य शुभारंभ हो गया। महोत्सव के पहले दिन भगवान श्री गणेश का पूजन और नारद मोह की लीला का आकर्षक मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी अभिनय कला से पौराणिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। रामलीला के शुभारंभ के साथ ही पूरा वातावरण भगवान श्रीराम के जयकारों और भक्तिभाव से सराबोर हो गया। महोत्सव का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, रॉयल बुलेटिन के संपादक एवं मीडिया सेंटर के अध्यक्ष अनिल रॉयल तथा वरिष्ठ पत्रकार अरविंद भारद्वाज ने संयुक्त रूप से धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर किया। अतिथियों ने भगवान श्रीराम के स्वरूप को तिलक लगाया और पवित्र रामायण के समक्ष आरती कर रामलीला महोत्सव के

निर्विघ्न एवं सफल आयोजन की कामना की। रामलीला महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व परंपरागत धार्मिक विधि-विधान के अनुसार विशेष अनुष्ठान संपन्न कराए गए। भगवान श्रीराम के स्वरूप द्वारा रामलीला मंडप का कीलन किया गया। इस प्राचीन धार्मिक परंपरा का उद्देश्य आयोजन को निर्विघ्न संपन्न कराने की मंगलकामना करना है। इसके पश्चात भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना के साथ रामलीला के मंचन का विधिवत शुभारंभ हुआ। रामलीला सभा के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें आयोजन की गौरवशाली परंपरा से अवगत कराया। महोत्सव के प्रथम दिन नारद मोह की लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने देवर्षि नारद से जुड़े पौराणिक प्रसंग को प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया। नारद मोह की लीला के माध्यम से अहंकार, मोह और भगवान की माया से जुड़ा आध्यात्मिक संदेश दिया गया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को रामायणकालीन प्रसंगों से जोड़ने का कार्य किया। रामलीला सभा की ओर से मंचन को आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। कलाकारों की वेशभूषा, संवाद अदायगी और धार्मिक प्रसंगों की प्रस्तुति ने आयोजन को प्रभावशाली बनाया। प्रथम दिन की लीला के साथ आगामी दिनों में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों के मंचन का क्रम भी प्रारंभ हो गया। टाउन हॉल में आयोजित होने वाला श्री रामलीला महोत्सव मुजफ्फरनगर की प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में शामिल है। 114वें वर्ष में प्रवेश कर चुका यह आयोजन शहर की ऐतिहासिक धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। श्री रामलीला सभा की ओर से प्रतिवर्ष भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों, त्याग, मयार्दा और धर्म के प्रति समर्पण से जुड़े प्रसंगों का मंचन किया जाता है। इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से परिचित कराने का प्रयास किया जाता है। रामलीला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज को सत्य, कर्तव्य, पारिवारिक संस्कार, सामाजिक समरसता और मर्यादित जीवन का संदेश देने का भी सशक्त माध्यम है। श्री रामलीला सभा के अध्यक्ष शिवचरण गर्ग और मंत्री सतीश गर्ग के नेतृत्व में आयोजित महोत्सव की व्यवस्थाओं में सभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। मुख्य निर्देशक साधुराम गर्ग तथा निर्देशक अजय गर्ग के निर्देशन में कलाकारों ने प्रथम दिन की लीलाओं का मंचन किया। आयोजन में सभा के उपमंत्री अनमोल सिंघल, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, कमलकांत शर्मा, अरविंद शर्मा, नितिन नामदेव, जगन्नाथ रुहेला, सुखदेव मित्तल, नवीन गुप्ता, वैभव मित्तल, पुष्पेंद्र जिंदल, संजय गोयल, अंजुल भूषण, अतुल गर्ग, रजत गोयल, अनुराग शर्मा, शोभित गुप्ता, रजत शर्मा, अंशुल जैन, राघव गुप्ता, सागर कुचल, प्रियंक गर्ग, अनमोल मित्तल और कृष्णा बंसल सहित बड़ी संख्या में सभा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं कलाकार मौजूद रहे।

श्री रामलीला सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीराम के जीवन से संबंधित विभिन्न लीलाओं का मंचन किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन समाज को सत्य, त्याग, आदर्श, कर्तव्यनिष्ठा और मयार्दा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। धार्मिक अनुष्ठानों और रामलीला के मंचन के साथ टाउन हॉल का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का समापन

बुढ़ाना। कस्बे के मेपल्स एकेडमी में तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को शिविर समापन उत्साह, उमंग और सकारात्मक ऊर्जा के साथ किया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने स्काउट व गाइड से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से अनेक महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल सीखे। बच्चों ने तंबू लगाना, पिरामिड बनाना, रस्सी के जोड़ लगाना आदि का प्रशिक्षण लिया। इस दौरान सामूहिक कार्य, जिम्मेदारी का निर्वहन, आत्मविश्वास, समयबद्धता और कठिन परिस्थितियों में सूझ-बूझ के साथ कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की गई। संचालन

लेफ्टिनेंट डॉ. मनोज सिंधी ने किया और शिविर प्रभारी आशीष रुधियाल, मोहित राजपूत मौजूद रहे।

आईआईए मुजफ्फरनगर चैप्टर की जनरल मीटिंग में व्यवसाय विस्तार एवं प्रभावी प्रबंधन पर हुआ मंथन

मुजफ्फरनगर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए), मुजफ्फरनगर चैप्टर की ऑल मेंबर्स जनरल मीटिंग का आयोजन होटल स्वर्ण इन एंड सुइट्स, मुजफ्फरनगर में किया गया। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में वाधवानी फाउंडेशन से पधारीं सलोनी कौल, वीना हेमसागर, नीता प्रसाद एवं तरुणा कुमार तथा सीए अतुल अग्रवाल का आईआईए डिविजनल चेयरमैन पवन कुमार गोयल, पूर्व चेयरमैन मनोज अरोरा, जॉइंट सेक्रेटरी पंकज मित्तल, एफ.सी.मोघा प्रीतुल जैन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। आईआईए चैप्टर चेयरमैन अमित जैन ने व्यवसाय में आधुनिक प्रबंधन तकनीकों और निरंतर सुधार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर योजना, प्रभावी प्रबंधन, टीमवर्क और कार्यों की उचित जिम्मेदारी तय करके उद्योगों को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने उद्यमियों को व्यवसाय विस्तार के लिए नई रणनीतियाँ अपनाने और प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया। सीए अतुल अग्रवाल ने ह्लबिजनेस ओनर से बिजनेस बिल्डर तकः 5 महत्वपूर्ण आँकड़े, जिन्हें हर उद्यमी को जानना चाहिएह्व विषय पर उद्यमियों को संबोधित किया। उन्होंने व्यवसाय से जुड़े प्रमुख वित्तीय आँकड़ों को समझने, उनकी नियमित निगरानी करने तथा उनके आधार पर सही व्यावसायिक निर्णय लेने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इट्स पीपल की फाउंडर एवं सीईओ तथा द रोड टू 100 करोड़ पुस्तक की लेखिका सलोनी कौल ने लघु एवं मध्यम उद्योगों में प्रबंधन की दूसरी पंक्ति तैयार करने और कार्यों के प्रभावी वितरण के विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सक्षम टीम तैयार करने, कर्मचारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपने, कार्यों का उचित बँटवारा करने और व्यवसाय को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने के महत्व को समझाया। इस दौरान वीना हेमसागर, नीता प्रसाद एवं तरुणा कुमार ने राउंड टेबल चर्चा के माध्यम से उद्यमियों से संवाद किया तथा उन्हें व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन आईआईए चैप्टर सचिव राहुल मित्तल ने किया। कार्यक्रम के उपरांत वाधवानी फाउंडेशन से पधारे सभी अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में आईआईए के डिविजनल चेयरमैन पवन कुमार गोयल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दूधली में 100 ट्रैक्टरों के साथ निकली किसान-मजदूर संगठन की यात्रा, पूरण सिंह का एक लाख रुपये और तलवार भेंटकर सम्मान

जनसंवाद समारोह में किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर मंथन; 15 अक्टूबर को जीआईसी मैदान में होने वाली किसान पंचायत में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान मजदूर संगठन ने चरथावल क्षेत्र के दूधली गांव में ट्रैक्टर यात्रा और जनसंवाद समारोह का आयोजन किया। करीब 100 ट्रैक्टरों के काफिले के साथ निकली इस यात्रा में संगठन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रास्ते में पिलखनी गांव पहुंचने पर किसानों ने फूल-मालाएं पहनाकर यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद ट्रैक्टरों का काफिला दूधली गांव के विभिन्न रास्तों से होता हुआ सभा स्थल पर पहुंचा। यहां संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह का ग्रामीणों और संगठन के कार्यकताओं ने स्वागत किया। दूधली गांव में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह को एक लाख रुपये नकद, तलवार और पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किसानों और मजदूरों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसानों के हितों और उनकी समस्याओं को सरकार के सामने मजबूती से रखने के लिए एकजुटता जरूरी है। इसी उद्देश्य से 15 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में प्रस्तावित किसान पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई।

खुद ट्रैक्टर चलाकर सभा स्थल पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय किसान मजदूर संगठन की

ट्रैक्टर यात्रा में करीब 100 ट्रैक्टर शामिल रहे। यात्रा के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह स्वयं ट्रैक्टर चलाकर सभा स्थल तक पहुंचे। उनके ट्रैक्टर चलाकर पहुंचने को लेकर कार्यकताओं और ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के दौरान किसानों ने संगठन के समर्थन में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। पिलखनी गांव में ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत करते हुए फूल-मालाएं पहनाईं। इसके बाद यात्रा दूधली गांव की ओर रवाना हुई। गांव में पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया गया। ग्रामीणों की ओर से उन्हें एक लाख रुपये नकद, तलवार और पगड़ी भेंट की गई।

जनसंवाद में किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर हुई चर्चा

दूधली गांव में आयोजित जनसंवाद समारोह में किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं को सामने लाने और उनके समाधान के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी और मजदूरों से जुड़े विषयों पर संवाद के माध्यम से संगठन की आगे की रणनीति को लेकर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने किसानों से अपनी समस्याओं को लेकर जागरूक रहने और संगठन के साथ मिलकर आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए प्रस्तावित पंचायत महत्वपूर्ण होगी। इसी कारण संगठन के पदाधिकारियों ने गांव-गांव जाकर किसानों और ग्रामीणों से पंचायत में शामिल होने की अपील की।

15 अक्टूबर को जीआईसी मैदान में होगी किसान पंचायत

समारोह में आगामी 15 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में होने वाली किसान पंचायत का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों से पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंचायत के माध्यम से किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों को सरकार के सामने रखा जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से पंचायत की तैयारी में जुटने और दूसरे गांवों के किसानों को भी इसकी जानकारी देने का आह्वान किया। ट्रैक्टर यात्रा को भी किसानों के बीच संपर्क बढ़ाने और आगामी पंचायत के लिए जनसमर्थन जुटाने के प्रयास के रूप में देखा गया।

कई गांवों के ग्रामीणों ने की सहभागिता

दूधली में आयोजित ट्रैक्टर यात्रा और जनसंवाद समारोह में क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रोनी, बिरालसी, पीपलशाह, मंगलपुर, पीपलखेड़ा, बलवाखेड़ी, टांडा और गन्ना माजरा सहित विभिन्न गांवों के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारतीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष लोकेश पुंडीर, युवा जिला अध्यक्ष बिल्लू राणा, बबली शर्मा, संजू राणा, शेरपाल प्रधान और सौरभ पुंडीर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता ठाकुर सतपाल सिंह ने की। कार्यक्रम के समापन पर किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा 15 अक्टूबर को जीआईसी मैदान में प्रस्तावित किसान पंचायत में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

खतौली में पतंग पकड़ने के चक्कर में छत से गिरा मासूम: गंभीर हालत में मेरठ रेफर, मची अफरा-तफरी

भैंसी गांव में संतुलन बिगड़ने से आठ साल के मासूम हुआ हादसे का शिकार

खतौली (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव भैंसी में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां कटी हुई पतंग को पकड़ने की होड़ में आठ वर्षीय मासूम घर की छत से नीचे आ गिरा। ऊंचाई से गिरने के कारण बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आनन-फानन में परिजन बच्चे को लेकर अस्पताल दौड़े। संतुलन बिगड़ने से हुआ दर्दनाक हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल मासूम गांव भैंसी के ही निवासी एक राजमिस्त्री का पुत्र है। बताया जा रहा है कि दोपहर के समय कटी हुई पतंग को हवा में तैरते देख बच्चा उसे पकड़ने के लिए मकान की छत पर चला गया। पतंग को दबोचने के प्रयास में उसका ध्यान मुंडेर और किनारे से हट गया, जिससे अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे सड़क पर आ गिरा। चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों और ग्रामीणों ने उसे लहूलुहान अवस्था में उठाया। प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर परिजन तुरंत बालक को खतौली के घंटाघर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने बच्चे की स्थिति को काफी गंभीर पाया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे तुरंत बेहतर इलाज के लिए मेरठ स्थित हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजन बेहद नाजुक हालत में बच्चे को लेकर मेरठ रवाना हो गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर पतंगबाजी के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर बरती जाने वाली लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कटी पतंग लूटने या पकड़ने के चक्कर में बच्चे अक्सर जोखिम भरे स्थानों, जैसे खुली छतों, मुंडेरहीन दीवारों और सड़कों की ओर बेधड़क दौड़ पड़ते हैं। जरा-सी अनहोनी मासूमों की जान पर भारी पड़ जाती है। प्रशासन और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने अभिभावकों से अपील की है कि वे पतंगबाजी के दौरान बच्चों पर विशेष निगरानी रखें। बच्चों को खुली छतों पर अकेले न जाने दें, छतों पर मजबूत रेलिंग या मुंडेर जरूर बनवाएं और उन्हें कटी पतंग के पीछे भागने से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करें।

खेड़की के जंगल में युवक का शव मिलने से सनसनी

पशुओं के लिए चारा लेने गया था मोनू, पुलिस ने जांच शुरू की, सड़क किनारे खड़ी मिली बाइक

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव खेड़की में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब जंगल में गन्ने के खेत के भीतर शीशम के पेड़ से एक युवक का शव लटका मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी 35 वर्षीय मोनू पुत्र जगदीश के रूप में हुई है। मोनू सुबह पशुओं के लिए चारा लेने जंगल गया था, लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटा। परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की तो जंगल में सड़क किनारे उसकी बाइक खड़ी मिली। आसपास खोजबीन करने पर गन्ने के खेत में उसका शव दिखाई दिया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल

पाया है। जानकारी के अनुसार, गांव खेड़की निवासी मोनू पुत्र जगदीश शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे पशुओं के लिए चारा लेने जंगल गया था। बताया गया कि वह चारा काटकर एक गठरी घर पहुंचाने आया था। इसके बाद वह दोबारा जंगल की ओर चला गया। परिजनों को उम्मीद थी कि चारा लेकर लौटने के बाद मोनू अपने रोजमर्रा के काम में लग जाएगा, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद वह वापस नहीं आया। देर होने पर परिवार के लोगों को चिंता सताने लगी। इसके बाद परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर उसकी तलाश शुरू कर दी। मोनू की तलाश के दौरान ग्रामीण जंगल की ओर पहुंचे। वहां सड़क किनारे उसकी बाइक खड़ी दिखाई दी। बाइक मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्र में उसकी खोजबीन तेज कर दी। इसी दौरान लोग गन्ने के खेत की तरफ पहुंचे, जहां शीशम के पेड़ से मोनू का शव लटका मिला।शव देखते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं, हालांकि युवक की मौत के कारणों को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

कंपनी में मजदूरी करता था मोनू

ग्रामीणों के अनुसार, मोनू एक कंपनी में मजदूरी करता था। परिवार के लिए उसकी मौत की खबर बेहद दुखद रही। सुबह पशुओं के लिए चारा लेने निकले युवक का शव जंगल में मिलने से परिजन सदमे में हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मोनू किन परिस्थितियों में पेड़ तक पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

घटना की सूचना मिलने पर पुरकाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है।

15 दिन बाद जागी इंसाफ की उम्मीद: ई-रिक्शा के नीचे दबकर हुई थी इंतजार की मौत, चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। परिवार की रोजी-रोटी के लिए सुबह-सुबह सब्जी मंडी जा रहे 32 वर्षीय इंतजार की जिंदगी रास्ते में हुए एक हादसे में खत्म हो गई। रतनपुरी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा पलटने से उसकी मौत हो गई थी। हादसे के बाद परिवार गहरे सदमे में रहा और अब करीब 15 दिन बाद मृतक के भाई की तहरीर पर ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। परिजनों ने चालक पर तेज गति और लापरवाही से ई-रिक्शा चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। यह हादसा 25 सितंबर की सुबह करीब पांच बजे मंडावली बाग के पास शराब ठेके के निकट हुआ था। ग्राम रियावली नगला निवासी इंतजार ई-रिक्शा में सब्जी मंडी में बेचने के लिए सामान लेकर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई और इंतजार उसके नीचे दब गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अब इस मामले में पुलिस कार्रवाई शुरू होने के बाद परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद है।

सुबह मंडी जाते समय हुआ था हादसा

मृतक के भाई साबिर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका भाई इंतजार रोजमर्रा के काम के सिलसिले में सब्जी मंडी जा रहा था। घटना के समय ई-रिक्शा इस्तकार पुत्र आस मोहम्मद चला रहा था। आरोप है कि रतनपुरी क्षेत्र में मंडावली बाग के पास शराब ठेके के निकट चालक ने ई-रिक्शा तेज गति और लापरवाही से चलाई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। ई-रिक्शा पलटने के दौरान इंतजार उसके नीचे दब गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह के समय हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। तहरीर के मुताबिक, घटना के समय गांव का मोहम्मद कासिम पीछे से आ रहा था। उसने हादसा होते देखा। दुर्घटना के बाद ई-रिक्शा चालक के मौके से फरार होने का आरोप लगाया गया है।

योगी सरकार की मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण को बड़ी सौगात: मुजफ्फरनगर व मीरजापुर में दो नए शहरों के विकास को 115 करोड़ मंजूर

परियोजनाओं के लिए अधिकतम 164.87 करोड़ रुपये की सीड कैपिटल अनुमन्य, पहली किस्त में 115 करोड़ की राशि मिलेगी

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। प्रदेश में नए शहरों के समग्र, सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में 'मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण एवं मीरजापुर-विन्ध्याचल विकास प्राधिकरण की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए कुल 115 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है।

सीड कैपिटल के रूप में मिली 115 करोड़ की पहली किस्त

मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुसार, दोनों विकास प्राधिकरणों (मीरजापुर-विन्ध्याचल और मुजफ्फरनगर) की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के लिए सीड कैपिटल के रूप में अधिकतम 164.87 करोड़ रुपये की धनराशि अनुमन्य की गई थी। इसमें से वित्तीय स्वीकृति देते हुए पहली किस्त के तौर पर 115 करोड़ रुपये तुरंत अवमुक्त करने का प्रस्ताव पास किया गया है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य भर में नए शहरों के समग्र एवं

समुचित विकास को गति देने के लिए बजट में कुल 3,500 करोड़ रुपये का विशाल प्रावधान किया गया है।

जमीन अधिग्रहण के लिए 50 फीसदी तक सहायता दे रही सरकार

शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित निर्माण पर रोक लगाने और लगातार बढ़ती शहरी आबादी को बेहतर आवासीय व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन ने 6 अप्रैल 2023 को यह योजना लागू की थी। इस नीति के तहत नए शहरों के विस्तार या नई टाउनशिप विकसित करने के लिए आवश्यक भूमि अर्जन पर होने वाले कुल खर्च का 50 प्रतिशत तक हिस्सा राज्य सरकार की ओर से सीड कैपिटल के रूप में दिया जाता है। यह वित्तीय सहायता अधिकतम 20 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध कराई जा सकती है। कैबिनेट के इस फैसले से मुजफ्फरनगर और मीरजापुर-विन्ध्याचल में नई आवासीय योजनाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और व्यावसायिक गतिविधियों को नया विस्तार मिलेगा। स्थानीय प्रशासन अब भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर नागरिकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई टाउनशिप विकसित कर सकेगा।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि०
अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल, मुजफ्फरनगर

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना : 16/EUDC MZN/2026-27
कार्य का नाम : विद्युत नगरीय वितरण खण्ड–तकनीकी, मुजफ्फरनगर अन्तर्गत जमा योजना के सापेक्ष कराये जाने वाले कर्य रनिंग कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर।
ई–निविदा प्रपत्र शुल्क : रू0 3540.00 | धरोहर राशि : रू0 50000.00
ई–निविदा की अंतिम तिथि : 24 अक्टूबर 2026, 12:00 बजे
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाए वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 10 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

शाहपुर में पुलिस टीम पर हमले के मामले में आठ आरोपी गिरफ्तार, वांछित मुजफ्फर अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर!

पलड़ी गांव में शामली और मुजफ्फरनगर पुलिस की संयुक्त टीम से धक्का-मुक्की कर लूट के आरोपी को छुड़ाने का मामला, 11 नामजद समेत 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज है मुकदमा, गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार दबिश

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव पलड़ी में शामली और मुजफ्फरनगर पुलिस की संयुक्त टीम पर हमला कर लूट के मुकदमे में वांछित आरोपी को पुलिस अभिरक्षा से छुड़ाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को अक्टूबर को शाहपुर पुलिस ने मुकदमे में नामजद आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में वांछित मुजफ्फर के भाई और परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, घटना के संबंध में 11 नामजद आरोपियों समेत 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। आरोप है कि 8 अक्टूबर को लूट के मुकदमे में वांछित मुजफ्फर को पकड़कर ले जा रही पुलिस टीम का रास्ता रोककर गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की गई। विरोध करने पर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई और लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ने और हिरासत में लिए गए आरोपी को जबरन छुड़ाकर ले जाने का भी आरोप है। घटना के बाद शाहपुर थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था।

पुलिस अभिरक्षा से आरोपी को छुड़ाने के मामले में आठ गिरफ्तार

शाहपुर पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साकिर पुत्र अलाउद्दीन, इरफान पुत्र अजीज उर्फ जीजू, इस्लाम पुत्र अजीज उर्फ जीजू, इनाम पुत्र अजीज उर्फ जीजू, सलमान पुत्र इस्लाम, आकिब पुत्र इस्लाम, फिरोज पुत्र महमूद और नदीम पुत्र कालू के रूप में हुई है। सभी आरोपी गांव पलड़ी, थाना शाहपुर, जनपद मुजफ्फरनगर के निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की ओर से उन्हें न्यायालय में पेश करने और जेल भेजने की प्रक्रिया सुनिश्चित किए जाने की जानकारी दी गई है। वहीं, इस मामले में नामजद अन्य आरोपियों तथा अज्ञात लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शामली में दर्ज लूट के मुकदमे में वांछित था मुजफ्फर

पुलिस के मुताबिक, शामली जिले के आदर्श मंडी थाने में लूट से संबंधित

मुकदमा संख्या 28/2026 दर्ज है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(1), 140(6), 351(2) और 352 के तहत कार्रवाई की गई है। गांव पलड़ी निवासी मुजफ्फर पुत्र अजीज उर्फ जीजू इस मुकदमे में वांछित चल रहा था।बवांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आदर्श मंडी थाने की पुलिस प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को शामली के आदर्श मंडी थाने में तैनात उपनिरीक्षक दीपचंद कांस्टेबल अमित कुमार और कांस्टेबल जितेंद्र कुमार के साथ शाहपुर थाने की बसीकलां चौकी पहुंचे। शामली पुलिस ने स्थानीय पुलिस को मुजफ्फर के गांव पलड़ी में मौजूद होने की जानकारी देते हुए उसकी गिरफ्तारी के लिए सहयोग मांगा।

इसके बाद शाहपुर पुलिस और आदर्श मंडी पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर आरोपी की तलाश में गांव पलड़ी में दबिश दी गई।

निमार्णाधीन मकान के पास मिला था वांछित आरोपी

पुलिस की तहरीर के अनुसार, संयुक्त टीम गांव पलड़ी पहुंची तो मुजफ्फर अपने निमार्णाधीन मकान के पास मौजूद मिला। पुलिसकर्मियों ने उससे नाम और पते की जानकारी ली। पहचान की पुष्टि होने के बाद शामली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने गिरफ्तारी की जानकारी मौके पर मौजूद उसके भाई इरफान को भी दी। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी को अपने साथ लेकर जाने लगी। पुलिस के मुताबिक, टीम ने मुजफ्फर को गाड़ी में बैठाया और गांव से निकलने की तैयारी की। इसी दौरान आरोपी के परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस टीम के साथ विवाद शुरू हो गया।

गाड़ी रोककर पुलिस टीम से की गई धक्का-मुक्की

तहरीर के मुताबिक, 8 अक्टूबर को शाम करीब 5:40 बजे जब पुलिस टीम आरोपी को गाड़ी में बैठाकर वहां से निकल रही थी, तभी उसके भाई इरफान और परिवार के अन्य सदस्यों सहित कई लोग सामने आ गए। आरोप है कि भीड़ ने पुलिस की गाड़ी को जबरन रुकवा लिया और पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। पुलिस का आरोप है कि विरोध करने पर लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ने और उनके साथ मारपीट किए जाने की बात भी तहरीर में कही गई है। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिस टीम को घेरकर मुजफ्फर को पुलिस अभिरक्षा से छुड़ा लिया और अपने साथ ले गए। घटना के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई। मामले की जानकारी अधिकारियों को दी गई और शाहपुर थाने में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई।

11 नामजद और 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा

शाहपुर थाने में उपनिरीक्षक आनंद कुमार की तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 284/2026 दर्ज किया गया।

रामपुर तिराहे पर सड़क हादसों पर लगाम लगाने की तैयारी, छपार पुलिस ने टोल टीम के साथ चिह्नित किए दुर्घटना संभावित स्थल

थानाध्यक्ष मोहित सहरावत के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा को लेकर पहल, मुजफ्फरनगर-सहारनपुर राजमार्ग पर कराए जाएंगे आवश्यक सुधार; सड़क चिह्न और संकेतक बोर्ड लगाने पर जोर

मुजफ्फरनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छपार पुलिस ने पहल शुरू की है। रामपुर तिराहा स्थित मुजफ्फरनगर-सहारनपुर राजमार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण कराकर पुलिस ने ऐसे स्थलों पर सुरक्षा के आवश्यक उपाय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। छपार थानाध्यक्ष मोहित सहरावत के नेतृत्व में रामपुर तिराहा चौकी पुलिस ने रोहाना टोल टीम के साथ मिलकर दुर्घटना संभावित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया और हादसों की आशंका कम करने के लिए जरूरी सुधारों पर चर्चा की। रामपुर तिराहा चौकी प्रभारी सुभाष चंद्र ने रोहाना टोल टीम को मौके पर बुलाकर मुजफ्फरनगर-सहारनपुर राजमार्ग-59 पर दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण कराया। संयुक्त टीम ने उन स्थानों की स्थिति का जायजा लिया, जहां सड़क दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। निरीक्षण के दौरान सड़क की स्थिति, वाहन चालकों को दिखाई देने वाले संकेतों और यातायात सुरक्षा से जुड़े जरूरी पहलुओं पर विचार-विमर्श

किया गया। पुलिस का उद्देश्य दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ही ऐसे स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना है, जहां सड़क की बनावट, संकेतों की कमी या अन्य कारणों से हादसों का खतरा हो सकता है। निरीक्षण के दौरान दुर्घटना संभावित स्थानों पर आवश्यक सड़क चिह्नांकन कराने, यातायात संबंधी संकेतक बोर्ड लगाने और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस ने टोल टीम को संबंधित स्थानों पर आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया, ताकि वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और संभावित खतरों के बारे में समय रहते जानकारी मिल सके। सड़क पर स्पष्ट चिह्नांकन और उचित संकेतक बोर्ड होने से वाहन चालकों को आगे की स्थिति का अंदाजा लगाने में मदद मिलती है। इससे उन्हें समय रहते गति नियंत्रित करने और सावधानी बरतने का अवसर मिलता है। रामपुर तिराहा क्षेत्र में मुजफ्फरनगर-सहारनपुर राजमार्ग पर यातायात सुरक्षा को लेकर पुलिस और टोल टीम के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में यह पहल की गई है। दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर वहां जरूरी सुधार कराना सड़क सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रामपुर तिराहा चौकी प्रभारी सुभाष चंद ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। चिह्नित स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय होने से वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी और दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिल सकती है। छपार पुलिस की इस पहल से उम्मीद है कि राजमार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थानों को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

मुजफ्फरनगर में अपराधियों पर सख्ती, पीड़ितों को न्याय और पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाना नए कप्तान की प्राथमिकता

एसएसपी सूरज राय बोले- कानून का राज स्थापित करना लक्ष्य, पुलिस पर गोली चलाने वालों को उसी की भाषा में मिलेगा जवाब

मुजफ्फरनगर। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने, अपराधियों पर शिकंजा कसने और आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने की जिम्मेदारी अब नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज राय के कंधों पर है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने साफ संकेत दिया कि अपराध के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में ढिलाई नहीं बरती जाएगी। कानून-व्यवस्था से जुड़ी हर चुनौती का मुकाबला करते हुए कानून का राज स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्वीकार किया कि अपराध को पूरी तरह शून्य करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है, लेकिन अपराधियों को सजा दिलाने और पीड़ितों को न्याय उपलब्ध कराने के लिए हर जरूरी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान एसएसपी सूरज राय ने पुलिस, मीडिया,

किसानों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर कई मायनों में संवेदनशील जिला है। यहां की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस को हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार रखा जाएगा। अपराधियों के खिलाफ सख्ती के साथ पुलिसकर्मियों के आचरण, अनुशासन और सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा। नए कप्तान के शुरूआती संदेश से स्पष्ट है कि वह एक ओर अपराध नियंत्रण के लिए सख्त पुलिसिंग चाहते हैं, तो दूसरी ओर जनता के साथ बेहतर व्यवहार और जवाबदेही को भी अहम मानते हैं। एसएसपी सूरज राय ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम किया जाएगा। अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ऐसी परिस्थितियां तैयार की जाएंगी, जिनमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस के सामने आने वाली चुनौतियों से पीछे हटने के बजाय उनका मुकाबला किया जाएगा। पुलिस पर हमला करने और गोली चलाने वाले अपराधियों के संबंध में उन्होंने कड़ा रुख अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जो बदमाश पुलिस पर गोली चलाने की हिमाकत करेगा, उसे उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। उनके इस बयान को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पुलिस बल का मनोबल ऊंचा रखने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है। मुजफ्फरनगर की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए एसएसपी ने कहा कि जिले में सुरक्षा का वातावरण तैयार करने के लिए सभी वर्गों के साथ समन्वय बनाकर काम किया जाएगा।

किसानों के संगठनों, राजनीतिक दलों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर संवाद से समस्याओं को समझने और उनका समाधान निकालने में मदद मिलती है। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना केवल पुलिस की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए जनता का विश्वास भी जरूरी है। ऐसे में पुलिस और समाज के बीच संवाद मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। संवेदनशील मामलों में समय रहते जानकारी जुटाने, परिस्थितियों का आकलन करने और आवश्यक कदम उठाने की दिशा में पुलिस को तैयार रखने की बात भी उनके संदेश में प्रमुख रही। अपराध को शून्य करना संभव नहीं,

खतौली में अज्ञात वाहन की टक्कर से मां-बेटा गंभीर घायल

भूड़ चौकी के पास कन्हैया पैराडाइज के नजदीक हादसा, पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी

खतौली । खतौली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा भूड़ चौकी के पास कन्हैया पैराडाइज के नजदीक हुआ। टक्कर लगने से बाइक सवार दोनों सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों की मदद करते हुए उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खतौली पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत को देखते हुए आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया। उधर, पुलिस हादसे की जांच करते हुए टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है।

भूड़ चौकी के पास हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को आकाश शर्मा अपनी मां लक्ष्मी के साथ बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान खतौली थाना क्षेत्र में भूड़ चौकी के पास कन्हैया पैराडाइज के नजदीक एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मां-बेटा सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद

घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने दोनों को संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

आकाश शर्मा और उनकी मां लक्ष्मी घायल हादसे में घायल आकाश शर्मा की उम्र 29 वर्ष और उनकी मां लक्ष्मी की उम्र 56 वर्ष बताई गई है। आकाश खतौली के बड़ा बाजार स्थित जैन मंदिर के पास रहने वाले सुरेश के पुत्र और पत्नी हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। आकाश के भाई को भी हादसे के बारे में सूचित किया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद दोनों रेफर

घायल मां-बेटे को सीएचसी खतौली ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। गंभीर चोटें होने के कारण दोनों को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनकी आगे की चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस दुर्घटना के कारणों और घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। वाहन का पता लगने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी से दुष्कर्म में चाची बनी मददगार, महिला और युवक को 10-10 साल की सजा

सात साल पुराने मामले में पॉक्सो न्यायालय का फैसला, दोनों दोषियों पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना, जुमार्ने की पूरी राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में देने के आदेश

मुजफ्फरनगर। नाबालिग किशोरी के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म के सात साल पुराने मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित विशेष पॉक्सो न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश मंजुला भालोटिया ने मामले में दोषी ठहराए गए युवक और किशोरी की पड़ोस में रहने वाली महिला को 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों दोषियों पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की पूरी राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में देने का आदेश दिया गया है। मामले में दोषी ठहराई गई महिला को किशोरी चाची कहकर बुलाती थी। आरोप था कि महिला ने किशोरी के साथ अपराध करने वाले युवक का सहयोग किया था।

25 मई 2019 का है मामला, फुगाना थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा

जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव शर्मा, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनय अरोरा और विक्रांत राठी ने बताया कि मामला 25 मई 2019 का है। उस समय पीड़िता के भाई ने फुगाना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसकी नाबालिग बहन के साथ गांव के ही एक युवक ने अश्लील हरकतें करने के साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में किशोरी की पड़ोस

में रहने वाली महिला की भूमिका भी सामने आई थी। पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी।

युवक की गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में दाखिल हुआ आरोप-पत्र

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया था। जांच पूरी करने के बाद चार अगस्त 2019 को न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल कर दिया गया। इसके बाद मामले की सुनवाई न्यायालय में चली। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर मामले की सुनवाई आगे बढ़ी। करीब सात वर्ष तक चले इस मामले में आखिरकार शुक्रवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए युवक विकास पुत्र जयभगवान निवासी ग्राम हबीबपुर सीकरी थाना फुगाना और उसकी मददगार महिला ललिता पत्नी बिट्टु निवासी ग्राम हबीबपुर सीकरी थाना फुगाना को दोषी करार दिया तथा दोनों को 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

दोनों दोषियों पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना

विशेष पॉक्सो न्यायालय ने सजा सुनाने के साथ ही दोनों दोषियों पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की कुल राशि एक लाख दस हजार रुपये होती है। न्यायालय ने यह पूरी राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में प्रदान करने का आदेश दिया है। इस आदेश का उद्देश्य पीड़िता को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। मामले में अदालत के फैसले के बाद सात वर्ष पुराने प्रकरण का निस्तारण हो गया।

किशोरी ने बयान बदलने का दबाव बनाने का भी लगाया था आरोप

इस मामले में सुनवाई के दौरान पीड़िता ने न्यायालय के समक्ष एक और गंभीर आरोप लगाया था। किशोरी ने अपने बयान में कहा था कि मामले की जांच कर रहे एक दारोगा ने उस पर बयान बदलने का दबाव बनाया था। पीड़िता के अनुसार, उसे धमकी दी गई थी कि यदि उसने बयान नहीं बदले तो उसके परिजनों को झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। किशोरी की ओर से न्यायालय में लगाए गए इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया था।

सात साल बाद आया फैसला

नाबालिग से जुड़े इस मामले में शिकायत दर्ज होने से लेकर न्यायालय का फैसला आने तक करीब सात वर्ष का समय लगा। विशेष पॉक्सो न्यायालय ने युवक और महिला, दोनों को दोषी मानते हुए 10-10 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर अलग-अलग जुमार्ना लगाकर उसकी पूरी राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया है। इस फैसले के साथ मामले में न्यायिक कार्यवाही का महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ।

विश्व शांति के संकल्प के साथ गूंजेगा नई मंडी का श्री बालाजी धाम

11 अक्टूबर से शुरू होगा एकादश कुंडीय श्री शिवशक्ति महायज्ञ

मुजफ्फरनगर। नई मंडी स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर में आस्था, अध्यात्म और सनातन संस्कृति का भव्य संगम देखने को मिलेगा। विश्व शांति की कामना और जनकल्याण के संकल्प के साथ श्री बालाजी धाम मंदिर सेवा समिति (रजि.) द्वारा 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक एकादश कुंडीय श्री शिवशक्ति महायज्ञ-2026 का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को श्री बालाजी धाम मंदिर सेवा समिति रजी द्वारा मंदिर परिसर में मीडिया सेंटर के पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान समिति के संस्थापक चन्द्रकिरण गर्ग ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए श्रद्धालुओं से बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ रविवार, 11 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। मंडी क्षेत्र में निकलने वाली इस यात्रा में 508 महिलाएं कलश धारण कर नगर भ्रमण करेंगी। धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच निकाली जाने वाली कलश यात्रा महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगी। इसके बाद मंदिर परिसर में एकादश कुंडीय श्री शिवशक्ति

महायज्ञ विधि-विधान के साथ प्रारंभ होगा।

नौ दिनों तक होगी यज्ञ की आहुतियां: हरिशंकर तायल

11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन महायज्ञ का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। सुबह 7 बजे से 10 बजे तक तथा दोपहर बाद 3 बजे से शाम 6 बजे तक यज्ञ में आहुतियां दी जाएंगी। समिति ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यज्ञ में सहभागिता और परिक्रमा का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। प्रतिदिन यज्ञ की 108 परिक्रमा करने के पुण्यफल का भी उल्लेख किया गया। इस आयोजन में 51 यजमान सपत्नीक भाग लेकर यज्ञ अनुष्ठान में सहभागिता करेंगे। उन्होंने बताया कि समिति का उद्देश्य धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से विश्व शांति, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना करना है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

पूणार्हुति के बाद विशाल भंडारा

महायज्ञ की पूणार्हुति सोमवार, 19 अक्टूबर को शाम 5 बजे होगी। इसके अगले दिन मंगलवार, 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। समिति ने नगरवासियों, धर्मप्रेमियों और श्रद्धालुओं से महायज्ञ में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

समिति पदाधिकारियों का रहेगा विशेष सहयोगः भीमसैन कंसल

प्रेस वार्ता में बताया गया कि आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य और भक्तजन विशेष सहयोग करेंगे। इनमें संस्थापक चन्द्रकिरण गर्ग गुरुजी, प्रधान हरिशंकर तायल, कोषाध्यक्ष सुनील तायल, मंत्री कुलदीप कुमार सहित राकेश अरोरा, विजय बंसल, भीमसैन कंसल, अश्विनी कुमार, रविन्द्र कुमार, नितिन गोयल, संजीव गर्ग, शिवम तायल, अमरीश सिंघल, जेपी गोयल, संजय मित्तल, नितिन सिंघल, संजीव कुमार, अरुण कुमार, विकास अग्रवाल, अशोक गर्ग, अनिल गोयल, विनोद राठी, रजत गोयल, रविन्द्र जैन, कैलाश गुप्ता, श्रवण गुप्ता, उदित गर्ग और अंकित गर्ग सहित अन्य सदस्य शामिल रहेंगे।

भोपा में अवैध पटाखों के भंडारण का भंडाफोड़, 500 किलो पटाखों के साथ दो गिरफ्तार

गोदाम में रखे मिले 33 कार्टन अवैध पटाखे, विस्फोटक अधिनियम के तहत दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज; त्योहारों से पहले अवैध पटाखों के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज

मोरना । दीपावली के त्योहार से पहले जिले में अवैध पटाखों के भंडारण और कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी अभियान के तहत भोपा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में स्थित एक गोदाम पर कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखों का भंडारण करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कुल 33 कार्टन में रखे करीब 500 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए हैं। इस मामले में भोपा थाने पर विस्फोटक अधिनियम के तहत दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जिले में अवैध पटाखों का भंडारण करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत भोपा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक गोदाम में कार्रवाई की। यहां से पुलिस को 33 कार्टन में रखे पटाखे मिले, जिनका कुल वजन लगभग 500 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पटाखों को अपने कब्जे में ले लिया। बरामद पटाखों के भंडारण से संबंधित आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पटाखों का भंडारण किन परिस्थितियों में किया गया था और इसके लिए आवश्यक अनुमति ली गई

थी या नहीं। भोपा थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान श्रवण शर्मा पुत्र तिलकराम, निवासी बर्तन वाली गली, कस्बा व थाना भोपा, मुजफ्फरनगर तथा देव कौशिक पुत्र सुनील, निवासी ग्राम मोरना, थाना भोपा, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से बरामद पटाखों को जब्त करते हुए उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पटाखों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में भोपा थाने पर दो अलग-अलग अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। इनमें मुकदमा संख्या 263/2026 और 264/2026 शामिल हैं। दोनों मुकदमे विस्फोटक अधिनियम की धारा 5/9बी(1)(बी) के तहत दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री से जुड़े मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह तथा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह के नेतृत्व में की गई।

बहराइच में मजदूरी करता मिला हत्या का सजायाफ्ता हिस्ट्रीशीटर मुर्तलिब, पुरकाजी पुलिस ने दबोचा

मुजफ्फरनगर। करीब पांच माह से लापता चल रहे पुरकाजी के हिस्ट्रीशीटर और हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा पा चुके मुर्तलिब को आखिरकार पुरकाजी पुलिस ने बहराइच जिले के रुपईडीहा से गिरफ्तार कर लिया। नेपाल सीमा के पास छिपकर रह रहा मुर्तलिब वहां एक बैटरी की दुकान पर मजदूरी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, वह बहराइच जेल से रिहा होने के बाद पुलिस की नजरों से बचते हुए नेपाल चला गया था और बाद में रुपईडीहा में किराये का कमरा लेकर रहने लगा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद उस मामले में भी नया मोड़ आ गया है, जिसमें उसके भाई की याचिका पर हाईकोर्ट के आदेश से सीबीआई ने पुरकाजी थाने के अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया था। पुरकाजी थाना क्षेत्र के मोहल्ला जाटान निवासी मुर्तलिब के खिलाफ पुरकाजी समेत अलग-अलग जनपदों के थानों में करीब 30 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। वर्ष 2017 में मंडी कोतवाली पुलिस ने उसे मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बाद में उसे मुजफ्फरनगर जेल से पीलीभीत जेल स्थानांतरित किया गया था। वर्ष 2012 में पुरकाजी निवासी सरफराज की हत्या के मामले में मुर्तलिब को पीलीभीत जेल में रहते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उसे बहराइच जेल भेज दिया गया था। हाईकोर्ट के 17 दिसंबर 2025 के आदेश के बाद चार मई 2026 को जमानत पर उसकी बहराइच जेल से रिहाई हुई थी। मुर्तलिब के जेल से बाहर आने के बाद उसके अचानक लापता होने का मामला काफी चर्चित हुआ था। उसके भाई आलम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर मुर्तलिब का पता लगाने की मांग की थी।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि बहराइच जेल से रिहाई के बाद मुर्तलिब और उसके पिता शराफत को पुरकाजी पुलिस ने हिरासत में लिया था। पिता को सात मई को छोड़ दिया गया, लेकिन मुर्तलिब का इसके बाद कोई पता नहीं चला। मामले ने गंभीर रूप तब लिया, जब हाईकोर्ट के आदेश पर गाजियाबाद स्थित सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने पुरकाजी थाने के अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संपादकीय

रेपो दर बढ़ी, महंगाई की मार के बीच आम लोगों पर बढ़ेगा कर्ज का बोझ

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की ओर से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो दर को 0.25 फीसद बढ़ाकर 5.50 फीसद करने का फैसला बढ़ती महंगाई और रुपए की विनिमय दर में गिरावट से बन रहे दबाव के कारण नीतिगत रुख में बदलाव का संकेत है। इसमें दोराय नहीं कि वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए बड़ी चुनौती होती है। जब महंगाई का दबाव बढ़ता है और कीमतों में लगातार वृद्धि होने लगती है, तब आरबीआइ मौद्रिक नीति के माध्यम से मांग को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। मगर इसका असर कर्ज, निवेश, रोजगार, उपभोग और आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। रेपो दर बढ़ाने का सबसे ज्यादा असर कर्ज के लेन-देन पर पड़ेगा। आवास एवं वाहन समेत अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं और मौजूदा कर्जदारों की मासिक किस्त भी बढ़ सकती है। यानी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को अब दोहरा संकट झेलना पड़ सकता है।आरबीआइ का यह कदम हालांकि व्यापक रूप से अपेक्षित था, लेकिन नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर 'सूझ-बूझ के साथ सख्त' करने का निर्णय कुछ हद तक चौंकाने वाला है। इससे निकट अवधि में रेपो दर में कटौती की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। करीब चार साल में पहली बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई है और आगे भी यह क्रम जारी रह सकता है। रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक आरबीआइ से कर्ज लेते हैं। जब इस दर में इजाफा होता है, तो अमूमन बैंक भी लोगों के लिए ऋण पर ब्याज दर बढ़ा देते हैं।आरबीआइ का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। ऐसे में कर्ज पर ब्याज दर बढ़ने से या तो उन्हें अपनी योजना टालनी पड़ेगी या फिर ज्यादा मासिक किस्त चुकानी पड़ेगी, जिसका असर उनके घरेलू बजट पर भी पड़ेगा।रेपो दर बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित करने का असर मांग में कमी के रूप में सामने आता है। यदि उपभोक्ता महंगे कर्ज के कारण खर्च कम करते हैं और कंपनियां निवेश को टालती हैं, तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग पर दबाव घट सकता है। मांग कम होने से उत्पादकों के लिए कीमतें बढ़ाना कठिन हो जाता है। मगर महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती।खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल या भू-राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बन सकती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है।

एलन मस्क ने घेरा तो मोदी सरकार ने दिया करारा जवाब !

(नीरज कुमार दुबे)

भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना बेबुनियाद है।

भारत में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक की शुरुआत को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एलन मस्क ने भारत में अपनी कंपनी की राह में कुछ प्रभावशाली उद्योगपतियों के रोड़े अटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये कारोबारी भारतीय जनता पर अपना एकाधिकार और नियंत्रण बनाए रखने के लिए स्टारलिंक को भारत में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मस्क ने यहां तक कह दिया कि यह भारत की जनता के खिलाफ अपराध है। लेकिन मस्क के इस बयान के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश की सुरक्षा और दूरसंचार नीति अब किसी अरबपति के सोशल मीडिया बयान से तय होगी?

उधर, भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना पूरी तरह बेबुनियाद और गलत समझ पर आधारित है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत सरकार ने साफ किया है कि स्टारलिंक अकेली कंपनी नहीं है जो मंजूरी की प्रक्रिया में है। सुनील भारती मित्तल समर्थित वनवेब, मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो और एलन मस्क की स्टारलिंक, तीनों कंपनियों के मामले में सुरक्षा संबंधी जांच चल रही है। सरकार के मुताबिक तीनों कंपनियां फिलहाल लगभग एक ही नियामकीय चरण में हैं। तो फिर मस्क से पहला सवाल यही पूछा जाना चाहिए कि अगर भारत सरकार तीनों कंपनियों की सुरक्षा जांच कर रही है, तो केवल स्टारलिंक को रोकने का आरोप भारत पर क्यों लगाया जा रहा है?

इस विवाद का दूसरा और बेहद अहम पहलू इसके समय से जुड़ा है। एलन मस्क का बयान ऐसे समय आया जब भारत दुनिया के सामने अपनी संचार और डिजिटल जगत की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दसवें संस्करण का उद्घाटन किया। दुनिया के सौ से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन में भारत की 5जी तकनीक, डिजिटल संपर्क व्यवस्था, दूरसंचार क्षेत्र की उपलब्धियों और भविष्य की संचार तकनीक को दुनिया के सामने रखा जा रहा है। जब पूरी दुनिया भारत की संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति को देखने के लिए जुटी थी, उसी समय स्टारलिंक को लेकर मस्क का तीखा बयान सामने आया। इसलिए सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह महज एक कारोबारी असहमति थी या फिर इस बयान के समय ने भारत की तकनीकी उपलब्धियों से दुनिया का ध्यान हटाकर स्टारलिंक विवाद की तरफ मोड़ दिया? यह सवाल उठेगा ही कि भारत के सबसे बड़े दूरसंचार आयोजनों में से एक के दौरान ही इस तरह का सार्वजनिक आरोप लगाने की जरूरत आखिर एलन मस्क को क्यों पड़ी?

अब बात उस मुद्दे की, जिस पर भारत सरकार कोई समझौता नहीं करना चाहती है। वह मुद्दा है राष्ट्रीय सुरक्षा। भारत ने स्टारलिंक को देश में आने से पूरी तरह मना नहीं किया है। कंपनी को भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने का आवश्यक लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन लाइसेंस मिलना सेवा शुरू करने की अंतिम अनुमति नहीं है। इसके बाद सुरक्षा मंजूरी, रेडियो तरंगों के आवंटन और अन्य आवश्यक नियमों का पालन करना पड़ता है। यहीं पर मस्क के आरोप की असली परीक्षा होती है।

देखा जाये तो उपग्रह आधारित इंटरनेट सामान्य इंटरनेट सेवा से अलग है। यहां केवल तेज इंटरनेट पहुंचाने का सवाल नहीं है। इसके साथ भारतीय नागरिकों के आंकड़ों की सुरक्षा, आंकड़ों को देश के भीतर रखने, संचार की वैध निगरानी, आपातकालीन परिस्थितियों में सरकारी पहुंच और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा कहां रखा जाएगा, संचार व्यवस्था पर किसका नियंत्रण होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कानून के तहत आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक जानकारी और पहुंच किस प्रकार उपलब्ध होगी?

वहीं स्टारलिंक ने भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए दावा किया है कि उसने भारत में लगभग 20 जमीन आधारित केंद्र तैयार किए हैं और भारतीय उपयोगकर्ताओं के आंकड़ों को देश के भीतर रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था विकसित की है। कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी लॉरेन ड्रेयर ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा कि भारत से सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद कंपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। लेकिन भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, पहले सुरक्षा, उसके बाद सेवा।

साथ ही भारत के निष्पक्ष रवैये का एक बड़ा उदाहरण खुद एलन मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला है। भारत ने टेस्ला को देश में कारोबार करने से नहीं रोका। टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला और भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री शुरू की। अगर भारत सरकार वास्तव में मस्क की कंपनियों के खिलाफ होती, तो टेस्ला को भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति क्यों दी जाती? लेकिन क्या कार बेचने और देश की संचार व्यवस्था का हिस्सा बनने को एक ही तराजू में तौला जा सकता है? बिल्कुल नहीं। कार एक उपभोक्ता वस्तु है, जबकि देश की संचार व्यवस्था सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा, आंकड़ों और रणनीतिक संचार से जुड़ी होती है। इसलिए दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा के अलग-अलग मानक होना स्वाभाविक है।

यही बात मस्क के आरोपों पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। अगर भारत स्टारलिंक के साथ भेदभाव कर रहा है, तो वनवेब और रिलायंस जियो भी सुरक्षा जांच की प्रक्रिया से क्यों गुजर रहे हैं? और अगर भारत किसी एक कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाना चाहता है, तो फिर मस्क की टेस्ला को भारत में कारोबार करने की अनुमति क्यों दी गई? इसमें कोई दो राय नहीं कि एलन मस्क को भारत के फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन किसी संप्रभु देश की नियामकीय प्रक्रिया पर सवाल उठाने के साथ आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण देना भी जरूरी है। केवल सोशल मीडिया पर प्रभावशाली उद्योगपतियों वाला आरोप लगा देना इस बात का प्रमाण नहीं बन जाता कि भारत की व्यवस्था पक्षपातपूर्ण है।

भारत को विदेशी निवेश चाहिए, नई तकनीक चाहिए और दुनिया की बड़ी कंपनियों का स्वागत भी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि किसी विदेशी कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखा जाए। भारत किसी अरबपति की निजी संपत्ति नहीं है और न ही किसी कारोबारी की सोशल मीडिया टिप्पणी भारत की नीतियां तय कर सकती है। भारत अपने फैसले अपनी संप्रभुता, अपने कानून, अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करेगा। यही किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र का अधिकार है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है।

एलन मस्क को यह भी समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंता को केवल आशंका मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के दूसरे देशों में भी स्टार लिंक को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं। ऑस्ट्रेलिया के सरकारी सुरक्षा अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निजी उपग्रह इंटरनेट कंपनियों पर किसी देश का नियंत्रण सीमित हो सकता है। ऐसे में इन कंपनियों पर जरूरत के मुताबिक निगरानी और नियंत्रण न होने से देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा हो सकता है। यूक्रेन में तो स्टार लिंक की भूमिका सीधे युद्ध और सुरक्षा से जुड़ चुकी है। अमेरिकी सरकारी जांच में पाया गया कि स्टार लिंक दोहरे उपयोग वाली तकनीक है, जिसका इस्तेमाल नागरिक संचार के साथ-साथ युद्धक्षेत्र में ड्रोन संचालन, तोपों के निशाने और सैन्य संचार के लिए भी हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में स्टार लिंक उपकरण ऐसे क्षेत्रों में पहुंच गए थे जहां उनके दुरुपयोग या चोरी का जोखिम था। यही नहीं, 2026 में यूक्रेन ने रूसी ड्रोन के लिए स्टार लिंक के अवैध इस्तेमाल को रोकने के उद्देश्य से केवल अधिकृत उपकरणों को सेवा देने की व्यवस्था लागू की। म्यांमार में भी स्टारलिंक पर गंभीर आरोप लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय जांचों में सामने आया कि मानव तस्करी और साइबर ठगी के लिए चलाए जा रहे कुख्यात ठिकानों में स्टार लिंक का इस्तेमाल हो रहा था; एक कार्रवाई में ऐसे ही एक परिसर से 30 स्टार लिंक उपकरण जब्त किए गए थे।

यहां तक कि अमेरिकी सांसदों ने भी दक्षिण-पूर्व एशिया के इन ठगी केंद्रों में स्टार लिंक के इस्तेमाल को लेकर कंपनी से जवाब मांगा है। वैसे इन घटनाओं का अर्थ यह नहीं है कि स्टार लिंक स्वयं इन अपराधों में शामिल है, लेकिन ये घटनाएं यह जरूर दिखाती हैं कि इतनी शक्तिशाली और सीमापार काम करने वाली उपग्रह इंटरनेट व्यवस्था के इस्तेमाल पर किसी देश की सरकारें नियंत्रण, निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर इतनी सतर्क क्यों हैं? ऐसे में भारत अगर अपने यहां स्टार लिंक को पूरी सुरक्षा जांच और स्पष्ट शर्तों के बाद ही अनुमति देना चाहता है, तो इसमें गलत क्या है?

सच्ची खुशी क्या है? मन की शांति और खुश रहने के सरल उपाय

(शिवम् भारद्वाज)

खुशी एक बाहरी पुरस्कार नहीं, बल्कि भीतर उत्पन्न होने वाली अनुभूति है। हम अक्सर खुश होने को किसी विशेष उपलब्धि, चाह, वस्तु या परिस्थिति से जोड़ देते हैं। मगर वास्तविक अनुभव यह बताता है कि वे सारी चीजें अस्थायी संतोष देती हैं। उनके साथ अपेक्षाएं और चिंताएं भी जुड़ी होती हैं। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो वह सुख शीघ्र ही खो जाता है। सच्ची खुशी वह होती है, जिसे हम किसी बाहरी कारण के बिना भी महसूस कर सकें। वह हमारे भीतर की गहराई में मौन होती है। इसे महसूस करना एक कला है, जिसका अभ्यास जीवन के छोटे-छोटे क्षणों में संतोष और पूर्णता लाता है।

खुशी का अनुभव पाने का पहला कदम है सचेत रहना। हम अपने अधिकांश समय में या तो अतीत के विचारों में उलझे रहते हैं या भविष्य की चिंता में खोए रहते हैं। इसी भ्रम में वर्तमान का अनुभव खो जाता है। सचेत ध्यान हमें वर्तमान से जोड़ता है। जब हम सचेत होते हैं, तो छोटी-छोटी बातों, सुबह की हवा, चाय की चुस्की, किसी के चेहरे पर मुस्कान में भी खुशी मिलती है।

यह उस जागरूकता का परिणाम है, जो हमें बताती है कि सुख और शांति पहले से उपलब्ध हैं। जरूरत है, तो केवल देखने और स्वीकारने की। मनोविज्ञान और आधुनिक शोध दोनों बताते हैं कि नियमित रूप से आभार व्यक्त करने वाले लोग अधिक प्रसन्न और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। आभार केवल सकारात्मक सोच नहीं है। यह यथार्थ की प्रशंसा करने का तरीका है, जिससे मन अधिक केंद्रित और खुश रहता है।

मानव होने का अर्थ ही सामाजिक जुड़ाव है। प्रेम, अपनापन और दोस्ती की गर्माहट दिल को तृप्त करती है। पर स्नेहपूर्ण संबंधों में खुशी तब स्थायी बनती है, जब वे पारदर्शी, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण हों। सक्रिय रूप से सुनना, बिना निर्णय के ध्यान देना और छोटे कृत्यों से प्रेम जाहिर करना, मदद करना या समय देना रिश्तों को गहरा और स्थायी बनाता है। अकेलापन और सामाजिक असमर्थता आज के युग की बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए किसी समुदाय या परिवार के साथ वास्तविक जुड़ाव पैदा करना खुशी के अनुभव को मजबूत करता है।

लक्ष्य और अर्थ का अस्तित्व भी खुशी को गहरा करता है। केवल सुख-सुविधा की खोज अक्सर खालीपन छोड़ जाती है, लेकिन एक अर्थपूर्ण उद्देश्य है किसी काम से जुड़ना, जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हो। यह उद्देश्य बड़ा भी हो सकता है और छोटा भी। किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी कला को सीखना, बच्चों को पढ़ाना या अपने क्षेत्र में सामाजिक कार्य करना- ये सब जीवन में अर्थ और संतुष्टि भरते हैं। जब व्यक्ति अपने कार्य में परिपूर्णता और कर्म का अनुभव करता है, तब खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहती।

खुशी को महसूस करने का एक और सरल, लेकिन गहरा तरीका है अपने विचारों की निगरानी करना। नकारात्मक धारणा और आत्म-आलोचना अक्सर खुशी के स्रोतों को छीन लेती हैं। स्वयं के प्रति दयालु बनना चाहिए, जैसे हम किसी मित्र के साथ व्यवहार करते हैं, वैसे ही अपने साथ व्यवहार करने की जरूरत है। जब मन में नकारात्मक विचार आएं, तो उन्हें पहचानना तथा सच्चे और संतुलित विचारों से बदलने का अभ्यास करना चाहिए।

कला, संगीत और प्रकृति में डूब जाना भी खुशी को सीधे खोले रखता है। संगीत के सुर, कविता की भाषा, किसी चित्र के रंग या पेड़ों की छांव- ये तीनों मन को तात्कालिक आनंद और आराम देते हैं। इन अनुभवों में प्रवेश करने के लिए बड़ी तैयारी की जरूरत नहीं। कभी-कभी पांच मिनट का गीत सुनना या खिड़की खोलकर बाहर की हवा में सांस लेना ठीक उतना ही असरदार होता है, जितना कोई लंबा प्रवास।

प्रकृति के साथ संबंध विशेषकर हमारे भीतर के सामंजस्य को जगाता है और एक शांत आनंद देता है, जो घड़ी के टिक-टिक से परे होता है। वस्तुओं और उपलब्धियों का मोह कम करना भी खुशी की कुंजी है। जब हम अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच स्पष्ट अंतर कर लेते हैं, तभी असली संतोष संभव होता है। सरलता का जीवन अपनाने का अर्थ है समझदारी से चयन करना और उन चीजों को महत्त्व देना, जो सच्चा आनंद देती हैं।

समय के साथ अनुकूलन का विचार भी समझना जरूरी है। मनुष्य की प्रवृत्ति है नए अनुभवों के साथ शीघ्र ही अभ्यस्त हो जाना। नया घर, नई कार और उन्नति शुरुआत में खुशी देते हैं, पर समय के साथ उनकी तीव्रता घट जाती है।

बोस्निया की मतदान प्रक्रिया में ऐसा क्या है, जो भारत के लिए बन सकता है मिसाल?

बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्ब अलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है। दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्ब-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी।

(पुष्परंजन)

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं।

हाल ही में बोस्निया-हर्जेगोविना में जिस तरह से मतपत्रों के जरिए चुनाव हुआ, क्या वह भारत के लिए आदर्श बन सकता है? बोस्निया ने इस बार के चुनाव में मतदान के लिए डिजिटल स्कैनर और बायोमेट्रिक मतपत्रों का इस्तेमाल किया। बाल्कन प्रायद्वीप पर अवस्थित इस देश को 'बोस्निया और हर्जेगोविना' भी कहते हैं। यूरोपीय संघ की शर्त है कि जो भी इसका सदस्य बनने का आकांक्षी है, वह चुनावों में पहले मतपत्र या बैलेट पेपर के जरिए मतदान कराए।

बोस्निया में आम चुनाव के लिए तेरह अगस्त की सुबह मतदान शुरू हुआ। इस देश में कई अलग-अलग जातीय समूहों के लोग रहते हैं और ज्यादातर नागरिक रोजमर्रा की समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं, जबकि कुछ मुख्यधारा के नेता युद्ध के समय के तनाव को फिर से हवा दे रहे हैं। इन तनावों ने 1992-95 के भयानक संघर्ष के बाद से ही देश को विभाजित कर रखा है।

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं। ये दो हिस्से हैं- मुस्लिम-बहुसंख्यक 'फेडरेशन आफ बोस्निया एंड हर्जेगोविना' और 'रिपब्लिका सर्पस्का', जहां जातीय सर्बों का दबदबा है।

बोस्निया में शासन करने वाले संस्थानों का एक जटिल ढांचा है। इसे वर्ष 1995 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए शांति समझौते के तहत बनाया गया था। इसका मकसद मुस्लिम बोस्नियाक, ऑर्थोडॉक्स सर्ब और कैथोलिक क्रोट समुदायों के बीच जातीय मतभेदों को संभालना था, जिनकी वजह से युद्ध हुआ था।

बोस्निया इस समय वैश्विक ताकतों के बीच प्रभाव बढ़ाने का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। चुनाव के नतीजे इस क्षेत्र में अमेरिका और रूस के भू-राजनीतिक प्रभाव को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकते हैं। चुनाव लड़ रही बोस्निया की ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां देश के सर्ब-नियंत्रित रिपब्लिका सर्पस्का और बोस्नियाक-क्रोएट फेडरेशन आफ बोस्निया-हर्जेगोविना में जातीय आधार पर बनी हैं। ये दोनों हिस्से केंद्रीय प्रेसिडेंसी और संसद के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

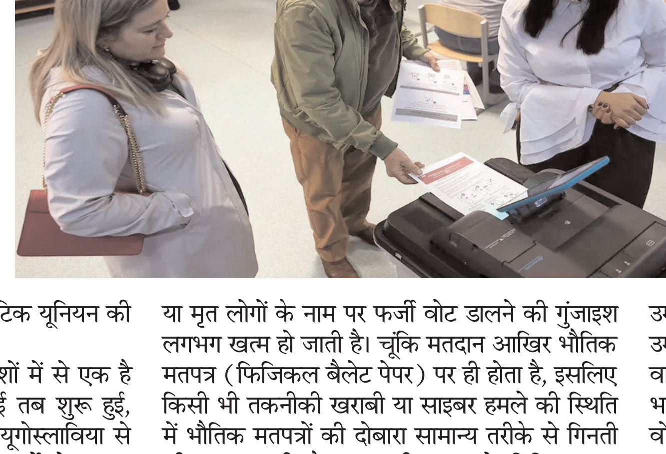

बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्ब अलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है।

दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्ब-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी। जातीय सर्बों ने अपना अलग राज्य बनाने और सर्बिया में शामिल होने के लिए हथियार उठा लिए थे। इस संघर्ष में एक लाख से ज्यादा लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए थे। बहरहाल, बोस्निया और हर्जेगोविना के केंद्रीय चुनाव आयोग के अनुसार, आधिकारिक और अंतिम चुनाव परिणाम 20 नवंबर, 2026 तक जारी कर दिए जाएंगे।

बहरहाल, इस समय विमर्श का विषय यह है कि जिस इलेक्ट्रॉनिक पहचान के साथ बोस्निया में मतपत्र के जरिए मतदान हुआ है, वह कितना सुरक्षित है? हालांकि, यह चुनावी धांधली रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक बेहद मजबूत कदम साबित हुआ है। बायोमेट्रिक पहचान से एक व्यक्ति द्वारा दूसरे के नाम पर या मृत लोगों के नाम पर फर्जी वोट डालने की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाती है। चूंकि मतदान आखिर भौतिक मतपत्र (फिजिकल बैलेट पेपर) पर ही होता है, इसलिए किसी भी तकनीकी खराबी या साइबर हमले की स्थिति में भौतिक मतपत्रों की दोबारा सामान्य तरीके से गिनती की जा सकती है। यह पूरी तरह से डिजिटल या ऑनलाइन मतदान के मुकाबले कहीं अधिक सुरक्षित है।

इस संबंध में बोस्निया और हर्जेगोविना के केंद्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष जोवन कालाबा का बयान उल्लेखनीय है कि बायोमेट्रिक्स से छद्म मतदान की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाती है, जबकि स्कैनर मानवीय दखल और जानबूझकर गिनती में होने वाली गलतियों को रोकते हैं, जिससे मतदान केंद्र बंद होने के तुरंत बाद शुरुआती नतीजे मिल जाते हैं।

जाहिर है, अनियमितताओं की न्यूनतम गुंजाइश किसी चुनाव की शुचिता और विश्वसनीयता को कायम रखने के लिए जरूरी है। पोड लुपोम बोस्निया और हर्जेगोविना स्थित एक प्रमुख स्वतंत्र नागरिक गठबंधन है। पोड लुपोम के शोध से पता चलता है कि बोस्निया और हर्जेगोविना के लगभग चालीस फीसद नागरिकों को अपने वोट को लेकर किसी न किसी तरह के दबाव का सामना करना पड़ा है। नई प्रक्रिया में मतदाता की पहचान को मतदान केंद्र का अधिकारी 'बारकोड रीडर' से स्कैन करता है। फिंगरप्रिंट स्कैनर यानी अंगुलियों के निशान से वोटर की पहचान की पुष्टि मतदाता सूची के रिकॉर्ड से होती है। इस प्रणाली में पहचान की पुष्टि होने के बाद ही मतदाता को मतपत्र मिलते हैं। मतपत्र का डिजाइन भी बदला गया है। मतदाता को अपनी पसंद की पार्टी या उम्मीदवार के बगल में बने गोले को पूरी तरह से भरना होगा, न कि 'एक्स' का निशान लगाना होगा। एक खास बात यह भी है कि मतपत्र पर उम्मीदवारों के नाम नहीं थे। इसके बजाय पार्टियों और उम्मीदवारों के नंबर लिखे थे। नाम एक अलग जानकारी वाले पत्र पर दर्ज थे। अब सवाल है कि अगर कभी भारत की चुनाव प्रक्रिया में मतपत्र की वापसी हुई, तो वोट देने वाली आम जनता के लिए ऐसी प्रक्रिया कितनी सुगम होगी! भारत में आम चुनावों में कागजी मतपत्र का आखिरी प्रयोग वर्ष 1999 में किया गया था। इसके बाद 2004 के चौदहवें लोकसभा चुनाव से देश की सभी 543 संसदीय सीटों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को अनिवार्य रूप से लागू करने के साथ मतपत्र से मतदान की प्रणाली को समाप्त कर दिया गया था।

थानाभवन के मेला गुघाल में रागिनी में उमड़ा जनसैलाब, देर रात तक झूमते रहे दर्शक; भीड़ संभालने में पुलिस को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

मुस्कान एंड पार्टी की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, हजारों की भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे पुलिसकर्मी

थानाभवन। थानाभवन के ऐतिहासिक गुघाल मेले में आयोजित रागिनी कार्यक्रम में हजारों दर्शकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मुस्कान एंड पार्टी की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि देर रात तक दर्शक कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे।

रागिनी कार्यक्रम का संचालन अमित कुमार ने किया। मुस्कान एंड पार्टी के अन्य महिला कलाकारों आर्शी ,मुस्कान इत्यादि कलाकारों ने हीर रांझा एवं पुराने किस्से को लेकर एक से बढ़ कर एक सुनाई। रागिनी की धुनों पर लोग नाचते-झूमते नजर आए। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ जैसे-जैसे रात गहराती गई, कार्यक्रम को देखने के लिए लोगों की भीड़ बढ़ती चली गई। भारी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए चुनौती बना रहा। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था संभालने में पुलिसकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, वहीं नगर पंचायत के कर्मचारी और जिम्मेदार भी देर रात तक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने में जुटे रहे। नगर पंचायत की ओर से गुघाल मेले में वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत इस बार भी रागिनी कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। मेले में रागिनी को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में मुस्कान एंड पार्टी ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। कलाकारों की प्रस्तुति शुरू होते ही दर्शकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। देखते ही देखते कार्यक्रम स्थल पर हजारों लोग पहुंच गए। महिला, पुरुष और युवाओं सहित अलग-अलग आयु वर्ग के दर्शक रागिनी का आनंद लेते नजर आए। प्रस्तुतियों के दौरान तालियों की गूंज और दर्शकों का उत्साह देर रात तक बना रहा। रागिनी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से पुलिसकर्मियों को व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सतर्क रहना पड़ा। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ का दबाव बढ़ने के साथ लोगों की आवाजाही को व्यवस्थित रखना भी चुनौतीपूर्ण रहा। पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभालने और भीड़ को नियंत्रित रखने में जुटे रहे। हजारों लोगों की मौजूदगी के बीच किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए व्यवस्था पर नजर बनाए रखना जरूरी रहा। भारी भीड़ के बीच पुलिसकर्मियों की सक्रियता बनी रही और उन्हें व्यवस्था संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मेले में उमड़ी भीड़ को देखते हुए नगर पंचायत के कर्मचारी और जिम्मेदार भी देर रात तक व्यवस्थाएं संभालने में लगे रहे। आयोजन के दौरान लोगों की सुविधा और कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने पर जोर रहा।

रागिनी कार्यक्रम में दर्शकों की भारी मौजूदगी के चलते आयोजन स्थल पर देर रात तक रौनक बनी रही। नगर पंचायत की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जहां कलाकारों ने दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं बड़ी भीड़ के बीच व्यवस्थाएं बनाए रखना भी महत्वपूर्ण रहा। थानाभवन का गुघाल मेला अपनी धार्मिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान के लिए जाना जाता है। मेले में विभिन्न आयोजनों के बीच रागिनी कार्यक्रम भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुस्कान एंड पार्टी की प्रस्तुतियों को देखने के लिए पहुंचे दर्शक देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया और कई दर्शक रागिनी की धुनों पर झूमते नजर आए।

शामली व सहारनपुर समेत 6 जिलों में नई जेल बनाने की कवायद तेजः भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू, सुरक्षा, तकनीक और क्षमता विस्तार पर रहेगा फोकस

पिछले साढ़े नौ साल में 17 हजार करोड़ से बदली यूपी की जेलों की तस्वीरः जेल विभाग के बजट में 215 फीसदी बढ़ोतरी

मुजफ्फरनगर/लखनऊ। प्रदेश की जेलों को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और बेहतर बुनियादी सुविधाओं से लैस करने की दिशा में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों के कार्यकाल में सरकार ने जेलों के कायाकल्प, इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और नई तकनीकों के समावेश पर 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की है। सरकार के इन निरंतर प्रयासों से एक तरफ जहां बंदियों की क्षमता विस्तार की समस्याओं का समाधान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह हाईटेक बनाया जा रहा है। वहीं शामली, सहारनपुर, चंदौसी, संभल, अमरोहा और बलिया में नई जेल के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसके लिए सरकार ने बजट भी जारी कर दिया है। डीजी कारागार एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने विभाग की उपलब्धियों और बजट विस्तार का ब्योरा साझा करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में जहां जेल विभाग का कुल बजट मात्र 913.07 करोड़ रुपये था, वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 2,877.58 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान जेल विभाग के बजट में 215 प्रतिशत की भारी-भरकम वृद्धि दर्ज की गई है, जो कारागारों के विकास और सुरक्षा आधुनिकीकरण को दी जा रही प्राथमिकताओं को दशार्ती है। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रथम चरण (वर्ष 2017-18 से 2021-22) के दौरान जेल विभाग को 5,494.41 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। वहीं द्वितीय चरण (वर्ष 2022-23 से 2026-27) में यह बजट आवंटन दोगुने से भी अधिक होकर 11,913.53 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यूपी में प्रस्तावित छह जिलों में नई जेलों के निर्माण और आधुनिकीकरण से न केवल बंदियों की ओवर क्राउडिंग समाप्त होगी, बल्कि एआई (एआई) आधारित सीसीटीवी सर्विलांस, बॉडी वॉर्न कैमरे और आधुनिक बैरक प्रबंधन के जरिए प्रदेश की कारागार व्यवस्था को देश में एक रोल मॉडल के रूप में स्थापित किया जा रहा है। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित नई जेलों के निर्माण हेतु भूमि खरीद की प्रक्रिया को भी तेजी से आगे बढ़ाया गया है। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इसमें भूमि अधिग्रहण के लिए शामली में ₹96.20 करोड़, सहारनपुर में ₹50.87 करोड़, चंदौली में ₹34.27 करोड़, अमरोहा में ₹32.28 करोड़, संभल में ₹24.56 करोड़ तथा बलिया में ₹24.12 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। जेलों में बंदियों की अत्यधिक संख्या और क्षमता की समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश के कई जिलों में अत्याधुनिक जिला कारागारों का निर्माण कराया जा रहा है। इन जिलों में नई जिला जेलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिनमें बंदियों की अत्यधिक संख्या और क्षमता की समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश के छह जिलों में अत्याधुनिक जिला कारागारों की स्थापना की जा रही है,

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में स्वर्गीय गोपीचंद गोयल की पुन्यतिथि के उपलक्ष में "अंतर विद्यालय प्रतियोगिता का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को गोपीचंद स्मृति शीतकालीन विद्यालय प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन, स्वागत संबोधन तथा संस्थापक एवं गणमान्य अतिथियों के सम्मान के साथ समारोह आगे बढ़ा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा, उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अंजली आनंद तथा प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम,विद्यालय गीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुति देकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों की टीमें क्रिकेट मुकाबलों में भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में 12 विद्यालयों की टीमों को दो समूहों—ग्रुप ए एवं ग्रुप बी— में विभाजित किया गया । प्रतियोगिता का प्रथम मुकाबला सूर्यदेव पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर और वेदांता पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर के बीच खेला गया। आयोजकों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन सात मैच खेले गए, जबकि दूसरे दिन पाँच मैच खेले जाएंगे। विभिन्न चरणों के मुकाबलों के बाद फाइनल मैच आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

महंत कन्हैया गिरि महाराज की 84 दिवसीय खड़ी तपस्या का हुआ समापन, हवन-पूजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन

मुजफ्फरनगर। सिद्धपीठ प्राचीन श्री शिव मंदिर शेरनगर में महंत स्वतंत्र गिरि महाराज के शिष्य महंत कन्हैया गिरि महाराज की 84 दिवसीय खड़ी तपस्या का विधिवत समापन हो गया। तपस्या की पूर्णता के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में हवन-पूजन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर दिव्य ध्यान योग आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज ने शेरनगर पहुंचकर महंत कन्हैया गिरि महाराज से भेंट की और उन्हें सम्मानित करते हुए उनकी कठिन साधना की सराहना की।

इस अवसर पर स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज ने महंत कन्हैया गिरि महाराज को 84 दिनों तक निरंतर खड़ी तपस्या के अटूट संकल्प को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इतनी लंबी अवधि तक कठिन तपस्या करना अद्भुत धैर्य, दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मसंयम और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि ईश्वर महंत कन्हैया गिरि महाराज को असीम शक्ति प्रदान करें और उनकी यह कठिन साधना उनके जीवन में आध्यात्मिक चेतना, आत्मिक शांति तथा जनकल्याण की भावना को और अधिक प्रबल बनाए।

स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज ने कहा कि भारतीय संत परंपरा में तपस्या और साधना का विशेष महत्व है। संत-महात्माओं की कठिन साधना समाज को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने, आत्मसंयम अपनाने और ईश्वर के प्रति श्रद्धा बनाए रखने की प्रेरणा देती है। महंत कन्हैया गिरि महाराज ने जिस दृढ़ता और निष्ठा के साथ अपनी 84 दिवसीय खड़ी तपस्या को पूर्ण किया है, वह साधना के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है।

इससे पूर्व सिद्धपीठ प्राचीन श्री शिव मंदिर शेरनगर पहुंचने पर महंत कन्हैया गिरि महाराज एवं अन्य साधु-संतों ने स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज तथा उनके साथ आए गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया। मंदिर परिसर में संतों की उपस्थिति से आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने तपस्या के समापन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

महंत कन्हैया गिरि महाराज ने बताया कि उनकी 84 दिवसीय खड़ी तपस्या का समापन होने के उपरांत धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रात्रि नौ बजे से हरियाणा की भजन मंडली द्वारा भव्य जागरण कराया गया। इसके बाद प्रातः आठ बजे से हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें विधि-विधान के साथ आहुतियां अर्पित की गईं। प्रातःकालीन धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात पूर्वाह्न 11 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर एवं आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के भाई विवेक बालियान, दिव्य ध्यान योग आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज, शंकर सिंह भोला भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान महंत कन्हैया गिरि महाराज की कठिन तपस्या के सफल समापन को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-जागरण, हवन-यज्ञ और भंडारे के माध्यम से श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया तथा संतों का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर महंत सोमदास महाराज, आकाश गिरि महाराज, नीलम शर्मा, गोपाल शर्मा, नितिन कुमार, मोनू शर्मा, सेठपाल उपाध्याय सेठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु मुख्य रूप से मौजूद रहे।

पटेलनगर रामलीला का भव्य शुभारम्भ

मुजफ्फरनगर। श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति, पटेलनगर, नई मण्डी में 51वें श्री रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। जिसका शुभारंभ समाजसेवी सत्यप्रकाश रेशू, मीनाक्षी स्वरूप, गौरव स्वरूप और कपिल देव अग्रवाल ने उपस्थित जनमानस के साथ मिलकर किया। इस अवसर पर विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं सनातन ध्वनि को बल देते हुए बहुत ही भावपूर्ण शुभारंभ कराया।

जैसे की क्षेत्र की प्रसिद्ध रामलीलाओं मे से एक, पटेलनगर रामलीला का भव्य शुभारंभ विधि-विधान से पूजन के बाद गणपति आरती, शिव-पार्वती संवाद, नारद मोह एवं भस्मासुर वध की लीलाओं से हुआ। आकर्षक संगीत, आधुनिक लाइटों और भव्य आतिशबाजी के बीच बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी दर्शकों ने इन लीलाओं का भरपूर आनंद लिया। धर्मपरायन लोगों ने रामलीला के मुख्य अतिथि श्रीमती एवं श्री सत्यप्रकाश रेशू की बात को ध्यान से सुनते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा ली। नगरपालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप ने रामलीलाओं मे पालिका के भरपूर सहयोग की बात कही। प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने रामलीलाओं को भारत की सभ्यता एवं सुसभ्यता बताया।

मीडिया से बात करते हुए पटेलनगर रामलीला के मुख्य व्यवस्थापक अनिल ऐरन ने बताया कि भगवान श्रीराम सहित कुछ पात्रों को रामलीला के नियमों और अनुष्ठानों का पालन करना होता है। उन्होंने जानकारी दी कि रामलीला परिसर में दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए कडे. सुरक्षा प्रबंध, खोया-पाया केन्द्र, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और सुव्यवस्थित पार्किंग की पूर्ण व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही मनोरंजन और खान-पान के लिए चाट-पकौड़ी के स्टॉल, खेल-खिलौनों की दुकानें और विभिन्न प्रकार के झूले भी लगाए गए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने किसी भी प्रकार की स्थिति से गुजरने के लिए हर प्रकार से कमर कस रखी है।

रामलीला में भगवान शिव का रोल- सोनू सिंह, माता पार्वती जी का रोल- अभिषेक कश्यप, भगवान विष्णु एवं भगवान राम का रोल - पंकज शर्मा, माता सीता जी का रोल - कृष्णा, लक्ष्मण का रोल - यश गर्ग, हनुमान जी का रोल - अंशुल गुप्ता, भरत का रोल - शिवांश, शत्रुघन का रोल - स्पर्श गर्ग, रावण का रोल - नारायण ऐरन एवं हास्य कलाकार का रोल - अनिल ऐरन एवं विपुल मोहन कर रहे हैं। पटेलनगर रामायण गायन का काम लगभग 26 वर्षों से आचार्य रामपाल सिंह राठी द्वारा किया जा रहा है। पटेलनगर रामलीला में कुल 72 लोगों की टीम अगस्त माह से रामलीला की तैयारी एवं अभ्यास कर रही है।

ऐतिहासिक पलः मुजफ्फरनगर में नई मंडी श्रीरामलीला महोत्सव के शताब्दी वर्ष का भव्य आगाज, पहले दिन 'नारद मोह' का जीवंत मंचन

मुजफ्फरनगर। श्री राम लीला कमेटी नई मंडी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 100वें ऐतिहासिक श्री रामलीला महोत्सव का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य शुभारंभ हो गया है। इस गौरवमयी शताब्दी वर्ष के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक स्वर्गीय सोमांश प्रकाश के पुत्र और सुप्रसिद्ध समाजसेवी निरंकार स्वरूप ने मयार्दाओं के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा, "मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को सर्वोपरि मानते हुए हम सभी को अपना जीवन जीने की जरूरत है, क्योंकि आज मयार्दाओं के अभाव में हो रहा सामाजिक बिखराव सबसे चिंतनीय विषय है।"

मथुरा के कलाकारों की विशिष्ट शैली बनी आकर्षण का केंद्र

शताब्दी वर्ष के इस विशेष महोत्सव को और अधिक भव्य बनाने के लिए इस बार मथुरा से आए प्रतिष्ठित कलाकारों की मंडली को आमंत्रित किया गया है। ये कलाकार अपनी विशिष्ट और पारंपरिक शैली में प्रभु श्रीराम की अलौकिक लीलाओं का मंचन कर रहे हैं। महोत्सव के प्रथम दिन कलाकारों द्वारा 'नारद मोह' प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण और सजीव मंचन किया गया, जिसे देखकर पंडाल में मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और पूरा परिसर 'जय श्रीराम' के जयकारों से गुंजायमान हो गया। धूमधाम से मनाया जा रहा शताब्दी वर्षः संजय मित्तल श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के अध्यक्ष संजय मित्तल ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रामलीला मंचन का यह शताब्दी वर्ष (100वाँ वर्ष) बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कमेटी का मुख्य उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि भगवान राम के पावन जीवन मूल्यों और उच्च आदर्शों को जन-जन की चेतना तक पहुँचाना है।

समिति के पदाधिकारियों ने किया अतिथियों का स्वागत

इस ऐतिहासिक शुभारंभ के अवसर पर श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, राजीव अग्रवाल, अभिषेक कुच्छल, राजेश गोयल, ब्रज गोपाल छारिया, विवेक गर्ग, भारत भूषण और अतुल जैन आदि पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथियों तथा दूर-दराज से आए आगुंतकों का माल्यार्पण व पटका पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। महोत्सव को लेकर पूरे नई मंडी क्षेत्र में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

रंग संसार

ट्रोलिंग पर पहली बार कटरीना कैफ ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- हमारी क्षमता पर बुरा असर

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कटरीना कैफ मां बनने के बाद जब पब्लिकली स्पॉट हुईं तो लोगों ने उनके मोटापे पर तंज कसा। यहां तक कि नीता और मुकेश अंबानी की गणेश चतुर्थी पूजा में भी उनकी अपीयरेंस को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। तब कई सेलिब्रिटीज ने कटरीना कैफ की आलोचना करने वालों को लताड़ लगाई थी। यहां तक कि सलमान खान ने भी उन्हें सपोर्ट कर ट्रोल्स को खरी-खोटी सुनाई थी। अब कटरीना कैफ ने सोशल मीडिया पर मिलने वाली आलोचनाओं की वजह से पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की है।सोशल मीडिया ट्रोल्स पर बोलीं एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने खुले तौर पर हालिया ट्रोलिंग के बारे में बात नहीं की है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह कैसे सोशल मीडिया ट्रोल्स से डील करती हैं। लंदन के एक इवेंट में एक्ट्रेस ने कहा, "मुझे लगता है कि हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर चल रही बातें हमारी अपनी अहमियत पर असर न डालें। अगर हम हर किसी की पसंद के हिसाब से चलने की कोशिश करने लगें, तो इससे खुद के लिए फैसले लेने की हमारी क्षमता पर बुरा असर पड़ता है।"दूसरों के नजरिए से नहीं चलतीं कटरीना कटरीना कैफ ने आगे कहा, "अगर मैं भी हर बार आलोचना या कमेंट्स के आधार पर अपने काम तय करती, तो शायद डर के मारे आगे ही नहीं बढ़ पाती और अपनी जिंदगी में कुछ नहीं कर पाती। कभी-कभी दुनिया आपकी तारीफ करती है और जश्न मनाती है तो कभी-कभी आपको खुद ही अपना सबसे बड़ा चीयरलीडर बनना पड़ता है।" कटरीना कैफ ने पिछले साल नवंबर में एक बेबी ब्वॉय को जन्म दिया था जिसका नाम उन्होंने विहान कौशल रखा है। एक्ट्रेस भले ही मां बनने के बाद बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन वह इवेंट्स या पार्टी में कभी-कभी स्पॉट होती हैं।

राज काज

ट्रंप से किसान भी त्रस्त! 67% से अधिक उछाले खाद-डीजल के दाम, अब क्या सता रही चिंता

नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से अब वहां के किसान भी परेशान हो गए हैं। अमेरिका में खेती की लागत तेजी से बढ़ी है जिससे किसान आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। डीजल और खाद की कीमतों में उछाल ने किसानों की कमाई पर असर डाला है। खेती की बढ़ती लागत के बीच उनके मन में सरकार की नीतियों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। अमेरिकी समाचार एजेंसी अत्रद्ध की रिपोर्ट के मुताबिक, ओहायो के सोयाबीन किसान डेविड शैक्ट के लिए इस साल फसल की कटाई महंगी पड़ रही है। अमेरिका में किसानों के लिए खेती की लागत बढ़ने की एक बड़ी वजह डीजल की महंगाई है। इस महीने सोयाबीन, मक्का और दूसरी फसलों की कटाई शुरू होने के साथ कंबाइन हार्वेस्टर और दूसरे कृषि उपकरणों को चलाने के लिए बड़ी मात्रा में डीजल की जरूरत पड़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी के बाद से डीजल की कीमतों में 67 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।इसके अलावा, अगली फसल की बुवाई के लिए जरूरी कुछ खाद की कीमतें भी दोगुनी हो गई हैं। इससे किसानों के सामने अगली फसल की तैयारी और मौजूदा फसल की कटाई का खर्च जुटाने की चुनौती खड़ी हो गई है।किसानों की मुश्किलें ऐसे समय बढ़ी हैं, जब ग्लोबल एनर्जी और खाद व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी संघर्ष ने ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ाया है। इसका असर ईंधन और उर्वरकों की कीमतों पर भी पड़ रहा है। एक ओर जहां खेती की लागत बढ़ी है तो वहीं दूसरी ओर किसानों को अपनी उपज से उतनी अधिक कमाई भी नहीं हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल कृषि जिंसों की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी डीजल और खाद की कीमतों में आई तेजी से काफी कम है। किसानों का कहना है कि बढ़ती लागत के बावजूद किसान फसल को खेत में नहीं छोड़ सकते। उन्हें किसी भी तरह कटाई पूरी करनी होगी। ऐसे में किसानों के पास बढ़े हुए खर्च को सहन करने के अलावा सीमित विकल्प हैं।

दैनिक राशिफल शनिवार 10 अक्टूबर 2026

मेष – बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय.व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल.मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान.सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान.सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह.सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल.मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान.सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने. के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। ड्ढ़षचतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

कर्क – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे।

सिंह– परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान.सम्मान बढ़ेगा। आय.व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी।

कन्या – अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्ढ़षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे।

तुला – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम.भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – दिन.भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे।

धनु – घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी।

मकर – प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें।

मीन – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने. के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी।

दैनिक पंचांग

10 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.27 बजे से
वृश्चिक	08.42 ब.से
धनु	10.58 बजे से
मकर	13.03 बजे से
कुंभ	14.50 बजे से
मीन	16.23 बजे से
मेष	17.53 बजे से
वृष	19.33 बजे से
मिथुन	21.31 बजे से
कर्क	23.45 बजे से
सिंह	02.01 बजे से
कन्या	04.13 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 284 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 21.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 22.33 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 21.06 बजे को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 09.22 बजे तदनन्तर बव 21.32 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872859 **जूलियन दिन** 2461324.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 29 **विशेष** नवरात्रि प्रारम्भ, घटस्थापना, महाराजा अग्रसेन व नानाजी देशमुख जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खतौली में नवरात्र पर मीट की दुकानें बंद कराने की मांग: विश्व हिंदू महासंघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जनभावनाओं और स्वच्छता का हवाला देकर प्रशासन से सख्त कदम उठाने की अपील

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नवरात्रों के पावन पर्व को देखते हुए क्षेत्र में धार्मिक आस्था और स्वच्छता का माहौल बनाए रखने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कदम उठाने की मांग तेज हो गई है। विश्व हिंदू महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को तहसील मुख्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी (एस-डीएम) ललित कुमार मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नवरात्र अवधि के दौरान खतौली क्षेत्र में संचालित हो रही अंडे एवं मीट की दुकानों को पूर्णतः बंद रखने और संबंधित दुकानदारों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग उठाई गई।

श्रद्धालुओं की भावनाएं और धार्मिक अनुष्ठान प्राथमिकता

ज्ञापन सौंपने के दौरान विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि नवरात्र हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और प्रमुख पर्व है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं, व्रत रखते हैं और जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। महासंघ के जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल राजपूत ने ज्ञापन का हवाला देते हुए बताया कि नवरात्र के दौरान बाजारों और धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। ऐसे में खुले में मीट और अंडे की बिक्री से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है। प्रशासन को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए ताकि पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति और पवित्रता का माहौल बना रहे।

स्वच्छता और कानून-व्यवस्था पर विशेष जोर

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर भी कई अहम बिंदु एसडीएम के समक्ष रखे। महासंघ ने विशेष रूप से मांग की कि धार्मिक स्थलों, मंदिरों के रास्तों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही, पर्व के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखा जाए ताकि आम जनता व श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े और सभी धार्मिक गतिविधियां शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

प्रशासनिक स्तर पर उचित निर्णय की उम्मीद

जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल राजपूत ने उम्मीद जताई कि तहसील प्रशासन जनभावनाओं की संवेदनशीलता को समझेगा और सकारात्मक रुख अपनाते हुए नियमानुसार आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा। इस दौरान एसडीएम ललित कुमार मिश्रा को ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के तहसील अध्यक्ष अजय कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष हिमांशु राजपूत, नगर अध्यक्ष आशीष राजपूत, नगर महामंत्री नवीन कुमार के अलावा कार्यकर्ता रवि कुमार, वंश, अतुल, मयंक, बिट्टू और विक्रांत सोम सहित कई अन्य सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में खाद्य सुरक्षा विभाग की डेरी प्रतिष्ठानों पर बड़ी छापामारी: 20 किलो घी सीज और 7 सैंपल लैब भेजे

नवरात्रि पर्व पर शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन सख्त; बहेड़ी और रोहाना कलां में चला चेकिंग अभियान

मुजफ्फरनगर। आगामी पावन पर्व नवरात्रि के दृष्टिगत आम जनमानस को शुद्ध, गुणवत्तापरक और सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। लखनऊ आयुक्त महोदया के निर्देशों एवं जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर के सख्त आदेशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में मिलावटखोरी के विरुद्ध एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान तहसील सदर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में स्थित डेरी प्रतिष्ठानों पर अचानक छापेमारी की गई, जिससे हड़कंप मच गया। सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय श्रीमती अर्चना धीरान एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री अक्षय प्रधान के कुशल नेतृत्व में गठित अधिकारियों की विशेष टीम ने तहसील सदर के गांव बहेड़ी स्थित मुर्सलीन के डेरी प्रतिष्ठान पर औचक कार्रवाई की। टीम ने मौके पर गहन जांच-पड़ताल करते हुए घी एवं मक्खन का एक-एक विधिक नमूना (सैंपल) सील किया। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संदिग्ध गुणवत्ता के आधार पर मौके से 20 किलोग्राम घी को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया। रोहाना कलां में डेरी से दूध, खोया, पनीर और दही के नमूने संगृहीत इस कार्रवाई के अगले चरण में खाद्य सुरक्षा टीम ग्राम रोहाना कलां स्थित शेरखान की डेरी पर पहुंची। यहां टीम ने मिलावट की आशंका के आधार पर विविध खाद्य पदार्थों के कुल 5 विधिक नमूने संग्रहित किए। इनमें मिश्रित दूध, खोया, पनीर, घी एवं दही का एक-एक सैंपल शामिल है। विभाग की इस त्वरित और कड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य डेरी संचालकों और मिलावटखोरों में अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान ने बताया कि संग्रहित किए गए सभी 7 नमूनों को निर्धारित विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए सील कर जांच हेतु राजकीय प्रयोगशाला (फूड टेस्टिंग लैब) भेज दिया गया है।

प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठान स्वामियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (फस्साई) के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस पूरी कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप सिंह, डॉ. विशाल चौधरी, डॉ. अश्विनी कुमार, सुनील कुमार, श्रीमती पूनम कुमारी एवं श्रीमती नेहा चौधरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के इस सीजन में आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ यह अभियान अनवरत जारी रहेगा।

भोपा में तहसील स्तरीय एथलेटिक्स का समापन: जनता इंटर कॉलेज बना ऑल ओवर चैंपियन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

तीन दिवसीय खेलकूद स्पर्धा में ग्रामीण खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

भोपा (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित जनता इंटर कॉलेज भोपा में आयोजित तीन दिवसीय तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ भव्य समापन हो गया। खेलकूद के विभिन्न मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान जनता इंटर कॉलेज भोपा ने ऑल ओवर चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। समापन अवसर पर आयोजित समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का बैंज लगाकर एवं माल्यार्पण कर भावभिना स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रबंधक व अध्यक्ष धर्मपाल सिंह राठी ने की। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और प्रतियोगिताओं में बढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। 'खेलो इंडिया' से राष्ट्रीय फलक पर ग्रामीण प्रतिभाएं

समारोह के मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय कुश्ती कोच व पूर्व जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष विख्यात पर्यावरणविद् जितेंद्र सिंह पहलवान ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'खेलो इंडिया' अभियान के माध्यम से ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फलक पर देश व समाज का नाम रोशन कर रही हैं। हाल ही में एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा पदकों की झड़ी लगाना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में एथलीटों ने अपने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया:

अंडर-17 भाला फेंक: स्वामी ओमानंद इंटर कॉलेज बेहड़ा सादात के शिवम ने प्रथम, किसान इंटर कॉलेज ककरौली के आदित्य विजय राज ने द्वितीय तथा जनता इंटर कॉलेज भोपा के चिराग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 भाला फेंक में किसान इंटर कॉलेज ककरौली के सौरभ ने प्रथम और इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी के अरुण कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल किया। अंडर-19 (1500 मीटर दौड़) में एसडी इंटर कॉलेज मीरापुर के हिमांशु कुमार ने प्रथम, डीएवी इंटर कॉलेज जानसठ के सागर ने द्वितीय और जनता इंटर कॉलेज भोपा के विपुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-17 (1500 मीटर दौड़) में सर्वोदय इंटर कॉलेज घटायन के सुधांशु प्रथम, जनता इंटर कॉलेज भोपा के आदित्य द्वितीय और जॉनी कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

समापन समारोह के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लघु नाटिका, समूह गान, एकल गीत और समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। "भारत का रहने वाला हूं", "मेरा रंग दे बसंती चोला" और "हम उस देश के वासी हैं" जैसे देशभक्ति के तरानों से पूरा विद्यालय परिसर गूंज उठा। इससे पूर्व एनसीसी कैडेट्स ने सीनियर अंडर ऑफिसर विधि राठी व जूनियर अंडर ऑफिसर श्याम कौशिक की अगुवाई में अनुशासित मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। कैप्टन रमन सिंह के नेतृत्व में कैडेट्स ने गगनभेदी देशभक्ति के नारे लगाए।

समारोह के अंत में प्रधानाचार्य संजय कुमार एवं अतिथियों ने सभी वर्गों के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन चीफ प्रॉक्टर संजीव राठी व अश्विनी कुमार शीतल ने संयुक्त रूप से किया।

इन शिक्षकों का रहा सहयोग

इस अवसर पर जनता हाई ग्राम समिति सचिव देवराज राठी, डॉ. वीरेंद्र सिंह, विनय कुमार, विजय कुमार, डॉ. महेश पांडेय, अभिषेक चौधरी, स्काउटर सुनीत कुमार, वरिष्ठ लिपिक विनोद कुमार, गाइडर सुचित्रा, त्रिलोकीनाथ पाठक, दिवाकर देव पांडेय, दिलीप कुमार, महनाज खान, सुचित्रा, महेश कुमार, कु. रीमा, कृष्ण जायसवाल, दीनदयाल, दीपक कुमार, प्रमिल, मुकेश सैनी, देवेश, आशीष चौधरी, चांदबीर, संतविजय, अनूप रावत, भीष्म कुमार, यशपाल अरोरा और राणा प्रताप सरोज सहित अनेक शिक्षक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति की बैठक में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई और जनसमस्याओं के समाधान पर जोर

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कराने, पीड़ितों की समस्याओं का समाधान कराने तथा सरकारी विभागों में व्याप्त अनियमितताओं को उजागर करने पर जोर दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनहित से जुड़े मामलों को गंभीरता से उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से संवाद कर समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता सहारनपुर के जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा तथा संयोजन पदाधिकारी सर्वेश शर्मा ने किया। बैठक में प्रदेश प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष सहारनपुर, मंडल अध्यक्ष मेरठ और अन्य पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक का संचालन संयुक्त रूप से मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष फहीम मलिक तथा उत्तर प्रदेश के संयुक्त सचिव एवं उत्तराखंड के प्रदेश प्रभारी नरेंद्र कुमार उपाध्याय ने किया। बैठक में सहारनपुर और मेरठ मंडल के प्रदेश एवं मंडलीय पदाधिकारियों के साथ बिजनौर जनपद के जिलाध्यक्ष इमरान खान, जिला महासचिव भीम सिंह उपाध्याय तथा उनकी टीम के सदस्य भी पहुंचे। इसके अतिरिक्त मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष के प्रयासों से अमरोहा जनपद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान जनपद बिजनौर में पीड़ितों की समस्याओं के समाधान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। फहीम मलिक ने संबंधित मामलों को अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया। भीम सिंह उपाध्याय ने भी जनसमस्याओं के समाधान के लिए संगठन की सक्रिय भूमिका और पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। प्रदेश प्रभारी मनोज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2008 में स्थापित यह संगठन आज निरंतर सक्रियता के साथ आगे बढ़ रहा है। संगठन का उद्देश्य पीड़ितों की समस्याओं को उठाना और अधिकारियों के माध्यम से उनका समाधान कराना है। उन्होंने कहा कि संगठन के पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली उनकी जनसेवा और समस्याओं के निस्तारण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

संयुक्त सचिव नरेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से निडर होकर वार्ता करनी चाहिए। यदि कोई पीड़ित विभागीय अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत रखता है और उसका समाधान नहीं किया जाता, तो संबंधित मामले को संगठन के पदाधिकारियों के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने शिकायतों के साथ आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि समिति को तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की मांग करनी चाहिए, ताकि संबंधित मामलों में प्रभावी एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके।

खतौली में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई: श्रम विभाग और पुलिस की संयुक्त छापेमारी, प्रतिष्ठानों को दी सख्त चेतावनी

बाल श्रम मुक्त अभियान के तहत दुकानों पर चला छापेमारी का अभियान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश शासन के 'बाल श्रम मुक्त प्रदेश' अभियान के तहत शुक्रवार को खतौली क्षेत्र में श्रम विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने बाल श्रम के विरुद्ध व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशों पर हुई इस कार्रवाई से बाल श्रम कराने वाले दुकानदारों और प्रतिष्ठान स्वामियों में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक (अपराध) इंदु सिद्धार्थ एवं सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। छापेमारी दल में श्रम प्रवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला, थाना एएचटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) प्रभारी सत्येंद्र नागर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' (ग्रामीण समाज विकास केंद्र) संस्था की संयुक्त टीम शामिल रही। टीम ने खतौली क्षेत्र के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और ढाबों पर अचानक पहुंचकर सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला ने कई प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण टिप्पणी दर्ज करते हुए नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों से मजदूरी कराने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह ने क्षेत्र के सभी सेवा योजकों और दुकानदारों को सख्त चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को काम पर रखना गैरकानूनी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बालक का सर्वप्रथम अधिकार शिक्षा प्राप्त करना है।

समाज और व्यापार जगत को यह समझना होगा कि बच्चों के हाथों में काम करने के लिए औजार देने के बजाय उन्हें पढ़ाई के लिए किताबें दिलाई जाएं।" अभियान में शामिल 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' संस्था के प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी संस्था बाल अधिकारों के संरक्षण और उनके बेहतर भविष्य के लिए शासन-प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ी है। छापेमारी की इस पूरी प्रक्रिया में उप-निरीक्षक जगत सिंह, महिला कांस्टेबल रूबी गौतम, कांस्टेबल जयप्रकाश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से गौरव मलिक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का असर रेल पटरियों तक, मुजफ्फरनगर से दिल्ली-देहरादून जाने वाली 11 ट्रेनें रद्द

सहारनपुर-दिल्ली रेलखंड पर यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, जनशताब्दी एक्सप्रेस भी 10 अक्टूबर को नहीं चलेगी; नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और दैनिक यात्रियों की यात्रा योजनाएं प्रभावित

मुजफ्फरनगर/नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रेल आवागमन पर पड़ने की जानकारी सामने आई है। उत्तर रेलवे ने सुरक्षा और परिचालन व्यवस्था के मद्देनजर सहारनपुर-दिल्ली रेलखंड पर चलने वाली कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। इसका सीधा असर मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के यात्रियों पर पड़ने की आशंका है। दिल्ली और देहरादून के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस भी 10 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। इसके अलावा सहारनपुर-दिल्ली, दिल्ली-हरिद्वार और दिल्ली-कालका मार्ग की कई यात्री रेलगाड़ियों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। ट्रेनों के निरस्त होने से उन यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जो रोजाना नौकरी, पढ़ाई, कारोबार और अन्य जरूरी कामों के लिए दिल्ली तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के बीच यात्रा करते हैं। खासकर सुबह और शाम के समय रेलगाड़ियों पर निर्भर रहने वाले यात्रियों को वैकल्पिक साधनों से सफर करना पड़ सकता है। रेलवे ने यात्रियों को स्टेशन के लिए निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी है। दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए रेल परिचालन में किए गए बदलाव का असर राष्ट्रीय राजधानी से जुड़े पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों पर पड़ रहा है। सहारनपुर से दिल्ली के बीच रेल संपर्क मेरठ और मुजफ्फरनगर जैसे शहरों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मार्ग पर चलने वाली यात्री रेलगाड़ियों के निरस्त होने से दैनिक यात्रियों को अपने सफर की योजना बदलनी पड़ सकती है।

रेल मार्ग पर सामान्य दिनों में नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी, व्यापारी और अन्य यात्री बड़ी संख्या में आवाजाही करते हैं। ऐसे में एक साथ कई रेलगाड़ियों के निरस्त होने से यात्रियों को दूसरी ट्रेन, बस या निजी साधनों का सहारा लेना पड़ सकता है। इससे यात्रा में अतिरिक्त समय और खर्च भी बढ़ सकता है। दिल्ली मंडल के रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, सहारनपुर-दिल्ली डीएमयू को 9 और 10 अक्टूबर, दोनों दिन निरस्त किया गया है। इस रेलगाड़ी से सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। डीएमयू सेवा दैनिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसके निरस्त रहने से उन यात्रियों को विशेष रूप से परेशानी हो सकती है, जो रोजाना कामकाज या पढ़ाई के सिलसिले में इन शहरों के बीच आते-जाते हैं। यात्रियों को दूसरी उपलब्ध रेलगाड़ियों के समय और उनमें उपलब्ध स्थान की जानकारी लेकर ही यात्रा की योजना बनाने की जरूरत होगी। मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन अधीक्षक पवन चौधरी के अनुसार, दिल्ली और देहरादून के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस भी 10 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। इस ट्रेन के निरस्त होने से दिल्ली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और देहरादून के बीच सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

शक्ति क्लब की रामलीला में हुआ रावण जन्म, वेदवती संवाद और देवताओं को बंदी बनाने का सुंदर मंचन

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव 2026 में आज रावण जन्म, रावण-वेदवती संवाद तथा रावण द्वारा इंद्र सहित अन्य देवताओं को बंदी बनाकर कैद में डालने के प्रसंगों का बेहद सुंदर, प्रभावशाली और आकर्षक मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय, संवाद अदायगी और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला के इन प्रसंगों के माध्यम से रावण के अहंकार, शक्ति के दुरुपयोग और उसके बढ़ते अत्याचारों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लोकेश, रवि धनगर एडवोकेट, नकलीराम, विनोद फौजी और आनंद पाल द्वारा भगवान श्री गणेश की वंदना तथा रामायण जी की वंदना के साथ किया गया। विधिवत वंदना के उपरांत रामलीला का मंचन आरंभ हुआ। मंच पर कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए धार्मिक प्रसंगों को सजीव रूप प्रदान किया। आज की लीला में रावण की भूमिका में प्रणव शर्मा, वेदवती की भूमिका में उज्ज्वल शर्मा, कुंभकर्ण की भूमिका में हर्षित गोयल, मेघनाथ की भूमिका में मानव शर्मा तथा भगवान शंकर की भूमिका में ओमपाल कश्यप ने शानदार अभिनय किया। सभी कलाकारों ने अपने पात्रों के अनुरूप अभिनय कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। रामलीला का निर्देशन नवनीत वर्मा और अमरेश पांडे ने किया, जबकि मुख्य निर्देशक विजेंद्र गुरु के मार्गदर्शन में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों को प्रभावशाली बनाया। मंचन के दौरान संवाद, पात्रों की भाव-भंगिमाओं और प्रसंगों की प्रस्तुति ने रामलीला के वातावरण को भक्तिमय और रोमांचक बना दिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने तथा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में शक्ति क्लब के अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह एडवोकेट, संयोजक नीरज शर्मा और मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक का विशेष योगदान रहा। इनके साथ सतेंद्र पंवार, अमरीश त्यागी, अज्जू शर्मा, रविकांत सभासद, अखिलेश पाल, नितिन अरोरा, नितिन विजेंद्र पाल, अक्षय पाल, जॉनी पाल, राकेश पांचाल, हर्षित सिंघल, शुभम सैन सहित अन्य सदस्यों ने भी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में पूर्ण सहयोग किया। शक्ति क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से श्री रामलीला महोत्सव 2026 में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भव्य रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। रामलीला के माध्यम से दर्शकों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और पौराणिक प्रसंगों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।

सामूहिक दुष्कर्म कांड में दो आरोपितों को जमानत, सवा माह बाद जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर मुठभेड़ के बाद पकड़े गए थे फिरोज और उस्मान, किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक अन्य आरोपित डा. अबरार ने वापस ली अग्रिम जमानत अर्जी

मुजफ्फरनगर। नगर कोतवाली क्षेत्र में किशोरी के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के चर्चित मामले में दो आरोपितों को न्यायालय से जमानत मिल गई है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को एक सितंबर को पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर रेलवे अंडरपास के निकट मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद से दोनों जिला कारागार में बंद थे। शुक्रवार को न्यायालय में सुनवाई के बाद आरोपित फिरोज और उस्मान की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली गई। उधर, इसी प्रकरण में नामजद डा. अबरार ने अपनी अग्रिम जमानत अर्जी वापस ले ली है।

18 अगस्त को किशोरी के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले से जुड़ा है। आरोप है कि 18 अगस्त को किशोरी का अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपितों की तलाश में कार्रवाई तेज की थी। जांच के दौरान कई लोगों के नाम सामने आए, जिनके विरुद्ध पुलिस ने अलग-अलग चरणों में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, एक सितंबर को पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर रेलवे अंडरपास के निकट कार्रवाई करते हुए फिरोज और उसके साथी उस्मान निवासी मोहल्ला खालापार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान फिरोज के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। दोनों आरोपितों पर 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस की कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। तभी से दोनों जिला कारागार में निरुद्ध थे। अब करीब सवा माह बाद न्यायालय ने दोनों की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है।

फिरोज पर दुष्कर्म और उस्मान पर घटनास्थल के पास मौजूद रहने का आरोप

इस मामले में फिरोज पर किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया था। वहीं, उस्मान के संबंध में आरोप था कि वह वारदात स्थल के पास मौजूद था। दोनों आरोपितों ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से न्यायालय में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी। शुक्रवार को सुनवाई के बाद न्यायालय ने उनकी अर्जियां स्वीकार कर लीं।

हालांकि, जमानत मिलने का अर्थ आरोपों से दोषमुक्त होना नहीं है। मामले में आरोपों का अंतिम निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगा। सामूहिक दुष्कर्म के इसी मामले में डा. अबरार की अग्रिम जमानत अर्जी भी चर्चा में रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, डा. अबरार ने शुक्रवार को अपनी अग्रिम जमानत अर्जी वापस ले ली। इस तरह एक ओर दो आरोपितों को नियमित जमानत मिली, वहीं दूसरे आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका वापस लिए जाने की जानकारी सामने आई है।

मामले में सात आरोपितों पर हुई थी कार्रवाई

पुलिस ने इस प्रकरण में कुल सात आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की थी। इनमें मुख्य आरोपित नाजिम निवासी मिमलाना रोड, गुडलक पैलेस के पास, सम्राट इंटर कॉलेज के मालिक बताए गए इरशाद अली सम्राट, उनके भतीजे डा. आदिल सम्राट, विद्यालय के चौकीदार नदीम तथा डा. आदिल के क्लीनिक से बैनर सहित सामान निकालने के आरोपित कामरान निवासी मिमलाना के नाम भी शामिल बताए गए हैं।

इस मामले में आरोपित इरशाद अली को पहले ही जमानत मिल चुकी है। अब फिरोज और उस्मान को जमानत मिलने के बाद प्रकरण में आरोपितों की कानूनी स्थिति को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

फिलहाल, किशोरी के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म से जुड़े इस मामले में न्यायालय की सुनवाई और आगे की कानूनी कार्रवाई महत्वपूर्ण रहेगी। जमानत पर रिहाई का निर्णय मुकदमे में अंतिम दोषसिद्धि से अलग है।

मोबाइल और इंटरनेट के दौर में एम.जी. पब्लिक स्कूल के नन्हे विद्यार्थियों ने चिट्ठियों से जोड़ा भावनाओं का रिश्ता

मुख्य डाकघर पहुंचे कक्षा एक के बच्चे, मम्मी-पापा के नाम लिखे पत्र डाक पेटी में डाले; डाकिया भैया से जानी चिट्ठियों के घर तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया

मुजफ्फरनगर। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों के तेजी से बढ़ते चलन के बीच हाथ से लिखी चिट्ठियों की आत्मीयता से नई पीढ़ी को परिचित कराने के लिए एम.जी. पब्लिक स्कूल की ओर से एक अनूठी पहल की गई। विद्यालय के कक्षा एक के नन्हे विद्यार्थियों को पटेलनगर, नई मंडी स्थित मुख्य डाकघर का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान बच्चों ने भारतीय डाक व्यवस्था को करीब से देखा और अपने मम्मी-पापा के नाम लिखे पत्र डाक पेटी में डालकर पत्राचार की पारंपरिक प्रक्रिया को समझा। नन्हे विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव बेहद रोमांचक और यादगार रहा। अपने हाथों से लिखी चिट्ठियां डाक पेटी में डालते समय बच्चों के चेहरों पर खुशी, उत्साह और उत्सुकता साफ दिखाई दी।

किताबों से निकलकर बच्चों ने वास्तविक जीवन में सीखी डाक व्यवस्था

एम.जी. पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने बताया कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इस शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कक्षा एक के विद्यार्थियों ने मुख्य डाकघर पहुंचकर भारतीय डाक विभाग की कार्यप्रणाली को समझा और जाना कि चिट्ठियां किस तरह एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाई जाती हैं। मुख्य डाकघर पहुंचने पर वरिष्ठ पोस्टमास्टर ने विद्यार्थियों और उनके साथ आए शिक्षक-शिक्षिकाओं का स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को भारतीय डाक के इतिहास, इसकी परंपरागत कार्यप्रणाली और वर्तमान समय में डाक विभाग की ओर से संचालित विभिन्न सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों

को यह भी बताया गया कि समय के साथ डाक विभाग ने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए अपनी सेवाओं में किस प्रकार बदलाव किए हैं। इस शैक्षिक भ्रमण का सबसे खास और भावनात्मक पल तब आया, जब नन्हे विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता के नाम लिखे पत्र डाक पेटी में डाले। बच्चों के लिए यह अनुभव नया था, क्योंकि अब तक वे मोबाइल फोन और डिजिटल संदेशों के माध्यम से संवाद करने के तरीके से अधिक परिचित थे। अपने हाथों से लिखी चिट्ठी को डाक के जरिए घर भेजने की प्रक्रिया ने उनमें खास उत्साह पैदा किया। बच्चों ने जाना कि पत्र पर पता लिखने से लेकर उसे डाक पेटी में डालने, डाकघर में उसकी छंटाई और संबंधित पते तक पहुंचाने की प्रक्रिया किस तरह पूरी होती है। इस गतिविधि ने उन्हें पत्राचार की परंपरा से जोड़ने के साथ ही लिखने, अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने और दूसरों तक संदेश पहुंचाने का व्यावहारिक अनुभव भी दिया। मुख्य डाकघर में बच्चों की मुलाकात डाकिया से भी कराई गई।

डाकिया ने उन्हें बताया कि डाकघर से चिट्ठियां किस प्रकार संबंधित क्षेत्रों में भेजी जाती हैं और किस तरह डाककर्मी उन्हें लोगों के घरों तक पहुंचाते हैं। विद्यार्थियों ने डाक व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को उत्सुकता से देखा और अपने मन में उठ रहे सवालों के माध्यम से प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया। डाक विभाग के कर्मचारियों ने बच्चों को सहज तरीके से जानकारी दी, जिससे उनके लिए सीखने का यह अनुभव रोचक बन गया। विद्यालय की ओर से इस भ्रमण के माध्यम से बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि आधुनिक तकनीक के दौर में भी पारंपरिक डाक व्यवस्था का अपना महत्व है।

मीरापुर के अंशुल भड़ाना बने युवा रालोद के जिला उपाध्यक्ष

मीरापुर। युवा राष्ट्रीय लोकदल, मुजफ्फरनगर की जिला कमेटी की घोषणा की गई है। इसमें मीरापुर निवासी अंशुल भड़ाना को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा क्षेत्र अध्यक्ष आशीष चैधरी की सहमति से जिला कमेटी की घोषणा की गई।

पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि अंशुल भड़ाना पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चैधरी चरण सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अजीत सिंह के

सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष अंशुल भड़ाना ने कहा कि वह पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने का संकल्प भी व्यक्त किया। उनकी नियुक्ति से समर्थकों में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

सेंट जेवियर्स के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक प्रतिभा से बढ़ाया स्कूल का गौरव

मीरापुर। सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर आयोजित सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स इंटर-स्कूल साइंस एग्जीबिशन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। मुजफ्फरनगर स्थित माउंट लिटरा जी स्कूल परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के वर्किंग मॉडल्स की निर्णायकों ने सराहना की। विज्ञान शिक्षिका मिस अलीशा के मार्गदर्शन में कक्षा 10 की छात्रा अवनि खत्री और परिणीति चैधरी ने ह्यअर्थ एंड एनवायरनमेंट साइंसह्न श्रेणी में आपदा प्रबंधन पर आधारित वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं, कक्षा 11

विज्ञान वर्ग की छात्रा सादिया राजपूत और अवनिका पायला ने कार्बन डाइऑक्साइड एब्जॉर्बर का मॉडल प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मि. सजी वर्गीस ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मौसम की चुनौतियों के बावजूद विद्यार्थियों ने मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है।

वरिष्ठ समन्वयक मुदस्सिम राजपूत ने भी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है।

पीएम सूर्य घर योजना में मुजफ्फरनगर ने पकड़ी रफ्तार, 17 हजार घरों की छतों पर लगे सौर संयंत्र

जनपद में अब तक 25,703 आवेदन, 14,500 लाभार्थियों को मिला अनुदान; सितंबर में सोलर संयंत्र लगवाने वाले 16 परिवारों को 32 इंची एलईडी टीवी देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाकर बिजली खर्च कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर शुक्रवार को बंधन बैंक्वेट हॉल में गोष्ठी आयोजित की गई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता वीके गुप्ता ने की। गोष्ठी में योजना की प्रगति, लाभार्थियों को मिलने वाले सरकारी अनुदान, सौर ऊर्जा उत्पादन और अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने के उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान सितंबर 2026 में तान्या इंटरप्राइजेज के माध्यम से अपने घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने वाले 16 लाभार्थियों को 32 इंची एलईडी टीवी उपहार स्वरूप दिए गए। अन्य लाभार्थियों को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुजफ्फरनगर में 17 हजार से अधिक

घरों पर स्थापित हुए सौर संयंत्र

गोष्ठी में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, मुजफ्फरनगर जनपद में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक 25,703 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 25,462 मामलों में वेंडर का चयन किया जा चुका है, जबकि 17,067 लाभार्थियों के घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराए जा चुके हैं। अब तक 14,500 लाभार्थियों के खातों में सरकारी अनुदान पहुंच चुका है। जनपद में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से अब तक लगभग 50 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन होने की जानकारी दी गई। अधिकारियों के अनुसार, योजना को आगे बढ़ाने के लिए जिले में 189 वेंडर कार्य कर रहे हैं। इनके माध्यम से लोगों को योजना की जानकारी देने और अधिक से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

16 लाभार्थियों को मिले एलईडी टीवी, अन्य को प्रशंसा पत्र

कार्यक्रम में योजना के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। तान्या इंटरप्राइजेज के माध्यम से सितंबर 2026 में अपने घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाने वाले 16 लाभार्थियों को मुख्य अभियंता वीके गुप्ता ने 32 इंची एलईडी टीवी उपहार स्वरूप वितरित किए। इसके साथ ही अन्य लाभार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सौर ऊर्जा को अपनाने वाले परिवारों को प्रोत्साहित करना और दूसरे लोगों को भी इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना रहा। अधिकारियों ने कहा कि घरों पर सौर संयंत्र लगाने से बिजली खर्च में कमी लाने के साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।

दो और तीन किलोवाट के संयंत्र पर इतना मिलता है अनुदान

गोष्ठी में योजना के अंतर्गत मिलने वाली आर्थिक सहायता की जानकारी भी दी गई। प्रस्तुत विवरण के अनुसार, दो किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाने पर 90 हजार रुपये और तीन किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगवाने पर एक लाख आठ हजार रुपये तक का अनुदान दिया जाता है।

योजना में दो किलोवाट क्षमता के संयंत्र की अनुमानित कीमत करीब एक लाख 35 हजार रुपये और तीन किलोवाट क्षमता के संयंत्र की कीमत करीब एक लाख 85 हजार रुपये बताई गई। वास्तविक लागत संयंत्र और स्थापना से जुड़ी परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकती है। अनुदान मिलने से लाभार्थियों पर पड़ने वाला शुरूआती आर्थिक बोझ कम होता है और वे अपने घरों में सौर ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं।

अधिकारियों की ओर से बताया गया कि जनपद में अब तक करीब 160 करोड़ रुपये का अनुदान लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित हो चुका है। योजना के माध्यम से लोगों को बिजली खर्च में राहत देने और घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

रामलीला भवन में गूंजे भगवान श्रीराम के जयकारे, जन्म लीला ने मोहा मन

मीरापुर। श्रीराम लीला समिति रजिस्टर्ड मीरापुर के तत्वावधान में रामलीला भवन में रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को रामलीला भवन में कलाकारों द्वारा भगवान श्रीराम के जन्म और माता सीता के जन्म की मनमोहक लीलाओं का मंचन किया गया। लीला के दौरान भगवान श्रीराम और माता सीता के जन्म से जुड़े प्रसंगों को देखकर दर्शक भावविभोर हो गए।

श्रीराम लीला समिति के अध्यक्ष दीपक गोयल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन सरधना के दुर्गा मंडल के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। कलाकारों द्वारा विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का सुंदर ढंग से मंचन किया जा रहा है,

जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष दीपक गोयल सहित मोहित माहेश्वरी, अनिरुद्ध गोयल, सचिन ठाकुर, इंद्र सिंह कश्यप, रविंद्र चैधरी, देवेंद्र, सुभाष चैधरी, सुभाष कंबोज, मिंटू चैधरी, पंकज गंगपुरी, अंकित पाल, पार्थ गोयल, वरदान गोयल, राहुल शर्मा, मनोज मिश्रा और पंकज खत्री सहित समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

मीरापुर में कैफे, रेस्टोरेंट और टी-स्टॉलों पर पुलिस का छापा, केबिनों की जांच से मचा हड़कंप

युवाओं में बढ़ती नशाखोरी और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चला अभियान

मीरापुर। मीरापुर कस्बे में कैफे, रेस्टोरेंट और चाय की दुकानों पर संचालित गतिविधियों की निगरानी के लिए पुलिस ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया। थाना प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस की अचानक हुई इस कार्रवाई से संचालकों में हलचल मच गई। टीम ने कैफे के अंदर बने केबिनों की जांच की और संचालकों को नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में बढ़ती नशाखोरी, अश्लील गतिविधियों और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाना तथा सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना बताया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस ने प्रतिष्ठानों में आने वाले ग्राहकों, उनकी पहचान और सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित इंतजामों की जानकारी ली।

केबिनों की जांच कर संचालकों को दी सख्त हिदायत

थाना प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कैफे और अन्य

प्रतिष्ठानों में पहुंचकर वहां बने केबिनों का निरीक्षण किया। पुलिस ने संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रतिष्ठानों में किसी भी तरह की आपत्तिजनक या गैरकानूनी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कारोबार की आड़ में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अचानक पुलिस टीम के पहुंचने से बाजार क्षेत्र में काफी हलचल देखने को मिली। पुलिस ने संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों में पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने और ग्राहकों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस ने कैफे संचालकों को निर्देशित किया कि नाबालिगों के प्रवेश को लेकर लागू नियमों का पालन किया जाए और जहां आवश्यक हो, वहां अभिभावक की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। ग्राहकों की पहचान के लिए पहचान पत्र देखने तथा आगंतुकों का विवरण रजिस्टर में दर्ज करने की व्यवस्था रखने को भी कहा गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर उसकी अनदेखी नहीं की जाए। संचालकों को अपने यहां आने वाले लोगों और परिसर में होने वाली गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने की हिदायत दी गई। सीसीटीवी कैमरे चालू रखने और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश

पुलिस ने सभी संबंधित प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरों को चालू रखने और उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने पर जोर दिया। संचालकों से कहा गया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान हुक्का, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से संबंधित गतिविधियों पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने कहा कि नियमों के विपरीत गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। थाना प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने संचालकों को चेतावनी दी कि पुलिस के निर्देशों और लागू नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उल्लंघन की प्रकृति के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रतिष्ठान को सील करने या लाइसेंस संबंधी कार्रवाई के लिए भी संबंधित कानूनों और सक्षम प्राधिकारी की प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर कस्बे के लोगों और अभिभावकों ने संतोष जताया। उनका कहना है कि युवाओं को नशे और गलत गतिविधियों से दूर रखने के लिए ऐसे निरीक्षण जरूरी हैं।

सपा कार्यालय पर मनाई गई बहुजन नायक कांशीराम की पुण्यतिथि

कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि, बहुजन समाज के अधिकारों, समानता और राजनीतिक भागीदारी के लिए किए गए संघर्ष को किया याद

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, समानता, बहुजन समाज के अधिकारों और वंचित वर्गों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कांशीराम द्वारा किए गए संघर्ष को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें राजनीतिक भागीदारी दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसील मंसूरी, जिला महासचिव सोमपाल कोरी, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र पंवार, जिला उपाध्यक्ष सुरेश प्रजापति, महिला सभा जिलाध्यक्ष पूजा अंबेडकर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी ने कांशीराम के जीवन संघर्ष और उनके विचारों को याद करते हुए सामाजिक समानता की दिशा में उनके योगदान को नमन किया।

जिया चौधरी ने कहा–कांशीराम का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत

सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने मान्यवर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के दबे-कुचले, शोषित और वंचित वर्गों को जागरूक करने तथा उन्हें अधिकार और सम्मान दिलाने के संघर्ष में लगा दिया। उनका जीवन सामाजिक समानता और राजनीतिक भागीदारी की दिशा में किए गए ऐतिहासिक प्रयासों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसा वातावरण तैयार करना जरूरी है, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान मिले और किसी के साथ जाति अथवा सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो। सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए महापुरुषों के विचारों को याद करने के साथ उन्हें अपने व्यवहार और कार्यों में अपनाना भी आवश्यक है। जिया चौधरी ने कहा कि मान्यवर कांशीराम के विचार आज भी समाज के वंचित वर्गों को जागरूक होने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। उनके संघर्ष और विचारों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

बहुजन समाज को जागरूक और संगठित करने में निभाई अहम भूमिका

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने बहुजन समाज को संगठित करने और सामाजिक व राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम किया। उन्होंने समाज के उन वर्गों को अपनी आवाज बुलंद करने की प्रेरणा दी, जिन्हें लंबे समय तक पर्याप्त प्रतिनिधित्व और अवसरों से वंचित रहना पड़ा।वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम ने सामाजिक बदलाव के लिए संगठन की ताकत और राजनीतिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों ने देश की राजनीति में बहुजन समाज के प्रतिनिधित्व और अधिकारों से जुड़े सवालों को प्रमुखता प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी बात रखने और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर मिले। सामाजिक भेदभाव समाप्त करने, समान अवसर उपलब्ध कराने और कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपित समीर को अदालत से झटका, जमानत अर्जी खारिज

छपार थाना क्षेत्र के मामले में पॉक्सो न्यायालय ने अपराध की गंभीरता को माना अहम आधार, तीन युवकों पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोप

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपित समीर को अदालत से राहत नहीं मिल सकी। अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मनोज कुमार सिद्ध ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत कथानक पर विचार करने के बाद अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपित समीर इस मामले में न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामले में शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि चार सितंबर 2026 की रात करीब 12 बजे उसकी लगभग 15 वर्षीय बेटी घर पर नहीं मिली। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। घर में रखे मोबाइल फोन की जांच करने पर एक नंबर मिला, जो समीर पुत्र जनाब का बताया गया। नंबर के संबंध में जानकारी करने पर किशोरी के समीर के घर होने की बात सामने आई। शिकायत के अनुसार, परिजन किशोरी को वापस लेकर आए और उससे पूछताछ की। आरोप है कि किशोरी ने बताया कि समीर का फोन आने पर वह उसके पास गई थी। वहां दो अन्य युवक भी मौजूद थे, जिनकी पहचान अव्वलीन पुत्र सलीम और सलमान पुत्र लताफत के रूप में बताई गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि समीर किशोरी को अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से कार्रवाई और किशोरी का चिकित्सकीय परीक्षण कराने की मांग की। अदालत के आदेश में दर्ज अभियोजन कथानक के मुताबिक, किशोरी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 183 के तहत दर्ज बयान में आरोप लगाया कि चार सितंबर की रात जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर जाने के दौरान समीर, अव्वलीन और सलमान ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। किशोरी के बयान के अनुसार, घटना के समय रात होने के कारण आसपास कोई मौजूद नहीं था। उसने आरोप लगाया कि उसने विरोध किया और खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने। बयान में बेहोश होने और बाद में किसी तरह घर पहुंचकर अपने पिता को घटना की जानकारी देने की बात भी दर्ज है। अदालत ने अपने आदेश में अभियोजन पक्ष के इन आरोपों और किशोरी के बयान का उल्लेख किया। हालांकि, मामले में आरोपों की अंतिम सत्यता का निर्धारण विचारण के दौरान साक्ष्यों के आधार पर किया जाना है। जमानत याचिका में समीर की ओर से खुद को निर्दोष बताते हुए झूठा फंसाए जाने का दावा किया गया। बचाव पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी, घटना का प्रत्यक्षदर्शी नहीं होने और किशोरी की आयु को लेकर सवाल उठाए। याचिका में यह भी कहा गया कि आरोपित किशोरी को नहीं जानता और घटना वाले दिन वह उसके घर नहीं आई थी। बचाव पक्ष की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि शिकायतकर्ता ने समीर के पिता से अप्रैल 2026 में एक लाख रुपये उधार लिए थे, जिन्हें जून में लौटाया जाना था। याचिका के मुताबिक, रकम वापस करने के दबाव के चलते शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर किशोरी और पुलिस के साथ मिलकर आरोपित को झूठे मामले में फंसाया।

आपकी बात कुटबी वाले ने नहीं उठाई, आपकी बात हमने विधानसभा में उठाई है : पंकज मालिक

बघरा में रात्रि संवाद के बहाने विधायक पंकज मलिक ने भाजपा सरकार को घेरा, ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर दिया समाधान का भरोसा

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने और क्षेत्र के मुद्दों को समझने के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने बघरा गांव में रात्रि संवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। पूर्व प्रधान आसिफ प्रधान के आवास पर आयोजित सभा में विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली को लेकर भी ग्रामीणों ने अपनी बात रखी। इस दौरान विधायक ने भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति का उद्देश्य जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं का समाधान करना, विकास को गति देना और समाज में भाईचारा कायम रखना होना चाहिए। बघरा में आयोजित रात्रि संवाद कार्यक्रम में विधायक पंकज मलिक ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और क्षेत्र की जरूरतों को समझने का प्रयास किया। पूर्व प्रधान आसिफ प्रधान के आवास पर आयोजित सभा में ग्रामीणों को अपनी बात रखने का अवसर मिला। इस दौरान लोगों ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए और पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली को लेकर भी अपनी शिकायतें एवं विचार विधायक के सामने रखे।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए विधायक ने उन्हें आश्वस्त किया कि जनता की परेशानियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। किसी भी क्षेत्र

के विकास के लिए जरूरी है कि वहां रहने वाले लोगों की जरूरतों और समस्याओं को समझा जाए तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच पहुंचकर संवाद करना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है, क्योंकि लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधि के सामने रखने का अवसर मिलना चाहिए। रात्रि संवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्याओं के साथ पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली को लेकर भी अपनी बात रखी। ग्रामीणों ने विधायक के सामने अपने मुद्दे रखे, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में सामने आए मुद्दों को लेकर विधायक ने समाधान के लिए प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

हालांकि, सामने आई जानकारी में ग्रामीणों की ओर से उठाई गई प्रत्येक समस्या का अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया है, लेकिन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों की बात सुनना और उनकी परेशानियों को समझना रहा। विधायक ने भरोसा दिलाया कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। सभा को संबोधित करते हुए सपा विधायक पंकज मलिक ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति में जाति और धर्म के मुद्दों को जरूरत से ज्यादा महत्व देने के बजाय जनता की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आम लोगों की अपेक्षा होती है कि उनके क्षेत्र में विकास हो, जनसमस्याओं का समाधान हो और प्रशासनिक व्यवस्था लोगों की जरूरतों के अनुरूप काम करे। विधायक ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ना और उनके हितों के लिए काम करना होना

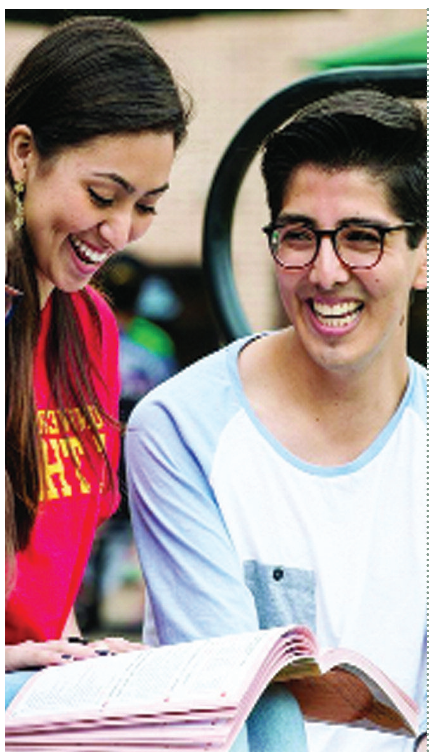

इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरूर जानें

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस का कोर्स करते है लेकिन इसमें प्लेसमेंट बहुत कम देखने को मिलती है। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरूर जान लें।

इंजीनियरिंग का सपना देखने वाले छात्रों को यह बात जरुर पता होना चाहिए। वैसे तो देश के कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो लाखों का प्लेसमेट पैकेज देते हैं। आज के समय में सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर सांइस ब्रांच में सबसे ज्यादा छात्र एडमिशन लेते हैं लेकिन इस ब्रांच में प्लेसमेंट बहुत ही कम मिलते हैं। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट में पीछे हुआ

आजकल सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस के ब्रांच से इंजीनियरिंग कर तो रहे हैं लेकिन कई कॉलेज के प्लेसमेंट रिकॉर्ड में पाया गया है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट काफी पीछे रह गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के प्लेसमेंट रिकॉर्ड के बारे में बताएं तो यहां बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्लेसमेंट बहुत कम हुआ है। NIT रायपुर में बीटेक कंप्यूटर साइंस में कुल 83.65 फीसदी छात्रों को नौकरी मिली है।

BTech IT में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

गौरतलब है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस से ज्यादा बीटेक आईटी के छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में जॉब ऑफर ज्यादा मिल रहे हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी BTech IT के 84.47 फीसदी छात्रों का सेलेक्शन कैंपस प्लेसमेंट राउंड में हुआ है।

सूचना क्रांति का जिस क्षेत्र ने सर्वाधिक लाभ उठाया है, उनमें से एक है वेब डिजाइनिंग की फील्ड! डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू, यानी वर्ल्ड वाइड वेब नामक क्रांति ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। एक वेबसाइट दुनिया में क्या बदलाव ला सकती है इसे बखूबी दिखलाया है गूगल ने, इसे बखूबी दिखलाया है अमेजन ने, इसे बखूबी दिखलाया है फेसबुक जैसी वेबसाइट ने।

आज भी कम नहीं हुआ है वेब डिजाइनर का महत्व

आप चाहे विकिपीडिया का नाम लें, चाहे फ्लिपकार्ट कहें, चाहे न्यूज की दूसरी वेबसाइट का उद्धरण दें, इसने नए युग में नई क्रांति को जन्म दिया है। छोटा बिजनेस हो, बड़ा बिजनेस हो, किसी आम या खास इंडस्ट्री से संबंधित कंटेंट की वेबसाइट हो, सामान की डिलीवरी हो या फिर कोई और काम, लोगों की जिंदगी में एक वेबसाइट ने आमूलचूल परिवर्तन लाया है। वस्तुतः यह कहने में हमें संकोच नहीं होना चाहिए कि शिक्षा तक की ट्रेडिशनल पद्धति को वेबसाइटों ने ना केवल बदला है, बल्कि इसकी बुनियाद को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है। अब जरा सोचिए! अगर इसका प्रभाव इतना व्यापक है तो इस फील्ड में कार्य करने वाले लोग भला महत्वपूर्ण क्यों नहीं होंगे सच बात तो यह है कि वेब डिजाइनर पिछले कई दशकों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और आज भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। वेब डिजाइनिंग में आप सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट से लेकर, स्टैटिक ऑपरेशन एवं डायनेमिक बिहेवियर वाली वेबसाइट बनाते हैं और उसकी सहायता से अपने कस्टमर को लाभ भी पहुंचाते हैं। वेब डिजाइनिंग के कई भाग हैं।

डिजाइनिंग पार्ट

किसी वेबसाइट का ले आउट कैसा रहना चाहिए, इसका यूजर इंटरफेस किस डिजाइन से बेहतर होगा, इसे डिसाइड करने के लिए आप इसकी स्केचिंग करते हो। साथ में किसी सॉफ्टवेयर में इसका प्रोटोटाइप भी बनाते हो। कई लोग इसे तकनीकी लैंग्वेज में पीएसडी बनाना भी बोलते हैं। यहां डिजाइन फाइनल होती है और उसके बाद ही अगले स्टेप की तरफ कोई बढ़ता है। अगर आप इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो एडोबी का फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर में आपको सिद्धहस्त होना चाहिए। इसे आप एक लेवल पर ग्राफिक डिजाइनर भी बोल सकते हैं और आप जितनी बेहतरीन डिजाइन बनाएंगे, वेबसाइट उतनी ही शानदार तरीके से तैयार होगी। इस फील्ड में उपरोक्त सॉफ्टवेयर की महारत रखने वाले लोग न केवल वेबसाइट का लेआउट बनाते हैं, बल्कि लोगो से लेकर तमाम इमेज वर्क भी इनके हाथ में होता है।

एचटीएमएल, सीएसएस की जानकारी

इसे फ्रंट एंड कोडिंग भी बोल सकते हैं। मतलब सामने वेबसाइट जो दिखती है, उसकी कोडिंग। ब्राउजर में जब आप कोई भी यूआरएल डालते हैं, तो जो फ्रंट एंड नजर आता है वह एचटीएमएल पर चलता है। एचटीएमएल मतलब हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज। इसके कई वर्जन आ चुके हैं और हाल-फिलहाल एचटीएमएल- 5 पर कार्य हो रहा है। इसी प्रकार एचटीएमएल को खूबसूरत बनाने का काम करती है स्टाइलशीट जिसको सीएसएस (कैस्केडिंग स्टाइल शीट) बोलते हैं। यह दोनों कोडिंग लैंग्वेज ही होती हैं और इन्हें आप एक तरह से स्क्रिप्टिंग भी बोल सकते हैं। वेबसाइट डिजाइन करने में जावास्क्रिप्ट भी यूज होती है, जो खासकर इवेंट के लिए प्रयोग की जाती है। जैसे माउस क्लिक करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, माउस रोलओवर करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, स्क्रोलिंग पर क्या एक्शन होना चाहिए, यह कार्य जावास्क्रिप्ट करती है। इसकी जानकारी आपको एचटीएमएल, सीएसएस, जावास्क्रिप्ट में मिलती है। सामान्य तौर पर इसे आसान कोडिंग लैंग्वेज कहा जाता है और आप इसमें भी महारत हासिल कर सकते हैं।

कोडिंग जोन

यह ऐसा क्षेत्र है जो असली प्रोग्रामिंग की दुनिया में बदलाव लाता है। एक सामान्य वेबसाइट और गूगल में क्या अंतर है यह डिफाइन करता है कि इसमें कोडिंग किस स्तर की हुई है एक सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट और फेसबुक में क्या अंतर है, एक सामान्य वेबसाइट और अमेजन में क्या अंतर है, यह कोडिंग डिसाइड करती है। कहने का तात्पर्य यह है कि मनुष्य ऊपर से जैसा भी दिखता हो, किंतु उसके मस्तिष्क में कितनी नसें हैं, ब्लड सर्कुलेशन किस प्रकार होता है यह आप प्रोग्रामिंग समझ सकते हैं।

कोडिंग लैंग्वेज किसी भी वेबसाइट को नियंत्रित करती है। वह वेबसाइट चाहते गूगल जैसा कोई सर्च इंजन हो, फेसबुक जैसा कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो या फिर फ्लिप्कार्ट जैसी कोई शॉपिंग वेबसाइट हो, कोडिंग ही यह तमाम चीजें तय करती है। इसमें पीएचपी से लेकर जावा और एएसपी से लेकर पाइथन और सी प्लस प्लस जैसी हेवी लैंग्वेज होती हैं, जिसके ऊपर कोई भी फंक्शन कार्य करता है। इसमें अगर आप महारत हासिल करते हैं, तो वेबसाइट में बड़ी-बड़ी फंक्शनैलिटी ऐड कर सकते हैं, नयी खोज कर सकते हैं। कॅरियर की बात करें तो, गूगल-फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में इंजीनियर के पद पर आप मोटी सैलरी भी उठा सकते हैं या फिर अपना कोई स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

वेब कंसलटेंसी

अगर आप ऊपर में से तीन चीजों में से कुछ नहीं करते हैं तो भी आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप तमाम सीएमएस में से किसी एक सीएमएस में महारत हासिल करके लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं। बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जो ड्रैग एंड ड्रॉप पर चलती हैं, किंतु लोगों को उसकी जानकारी नहीं होती है। जैसे वर्डप्रेस, ब्लॉगर, टंबलर इत्यादि। तो किस प्रकार से कोई वेबसाइट बनती है, कार्य करती है, आपको इसकी जानकारी देनी होती है, जो सामान्यतः उसके ट्यूटोरियल में दिया भी होता है। इसे आप यूट्यूब से भी स्टेप बाय स्टेप सीख सकते हैं और अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ऊपर की चीजें ऐसी हैं जो आप फुल टाइम कर सकते हैं और अच्छी खासी अर्निंग कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको डोमेन, होस्टिंग की भी जानकारी रखनी होती है, क्योंकि अगर आप यह कार्य करते हैं तो फिर एक संपूर्ण पैकेज के तौर पर अपने कॅरियर में चार चांद लगा सकते हैं।

बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है एआई

अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुरुआती दौर में नौकरी छीनने की आशंका को देखते हुए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था। लेकिन वर्तमान समय में वास्तविकता एकदम अलग है। क्योंकि एआई न सिर्फ युवाओं को नई नौकरी दिलाने में मदद करता है, बल्कि कौशल निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। छात्रों की पढ़ाई से लेकर शिक्षक और पेशेवरों को पेशेवर तौर-तरीके सिखाने में एआई मदद करता है। ऐसे में अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल

कुछ कंपनियां ऐसी हैं, जहां पर खाली पदों को भरने के लिए कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इसको हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है। ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए आपके लिए नेटवर्किंग काफी मददगार होती हैं। इसके अलावा लिंक्डइन के एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ने एवं अपने कौशल को उजागर करने में भी सहायता मिलती है। लिंक्डइन के अलावा एंगेज और टैप्लियो ऐसे ऐआई टूल हैं, तो आपकी नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

रिज्यूमे और कवर लेटर

आपको बता दें कि आकर्षक रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने में भी एआई मदद करता है। जिससे आपके कौशल नियोक्ता के सामने बेहतर और बेहद अच्छे तरीके से उजागर हो पाएंगे। रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा ही टूल है, जो कौशल व शैक्षणिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देता है और आपके रिज्यूमे को प्रभावी बनाता है। हायरिंग कंपनी के नाम और पद के लिए जारी किए गए विज्ञापन के आधार पर विशेष रूप से बनाया गया जॉब एप्लीकेशन भी तैयार करता है। इसके अलावा यह एप्लीकेशन व्याकरण की गलतियों को भी सुधारने में सहायक है।

इंटरव्यू के लिए भी करेगा तैयार

इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इसके लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से इस पर निर्भर होना भी ठीक नहीं है। चैटजीपीटी केवल संभावित सुझावों के लिए अच्छा ऑप्शन है। आप कंपनी और पद का नाम डालकर इंटरव्यू में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों की लिस्ट और उस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, इसके बारे में जान सकते हैं।

आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर को बेहतर बना सकते हैं। प्रमोशन के लिए एआई सिर्फ नौकरी दिलाने में ही मदद नहीं कर रहा बल्कि इसकी मदद से आप पेशेवर प्रमोशन पाने तक का सफर भी तय कर सकते हैं। चैटजीपीटी और जेमिनी आदि के जरिए आप बॉस से अपने प्रमोशन संबंधी बात करने तरीके के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

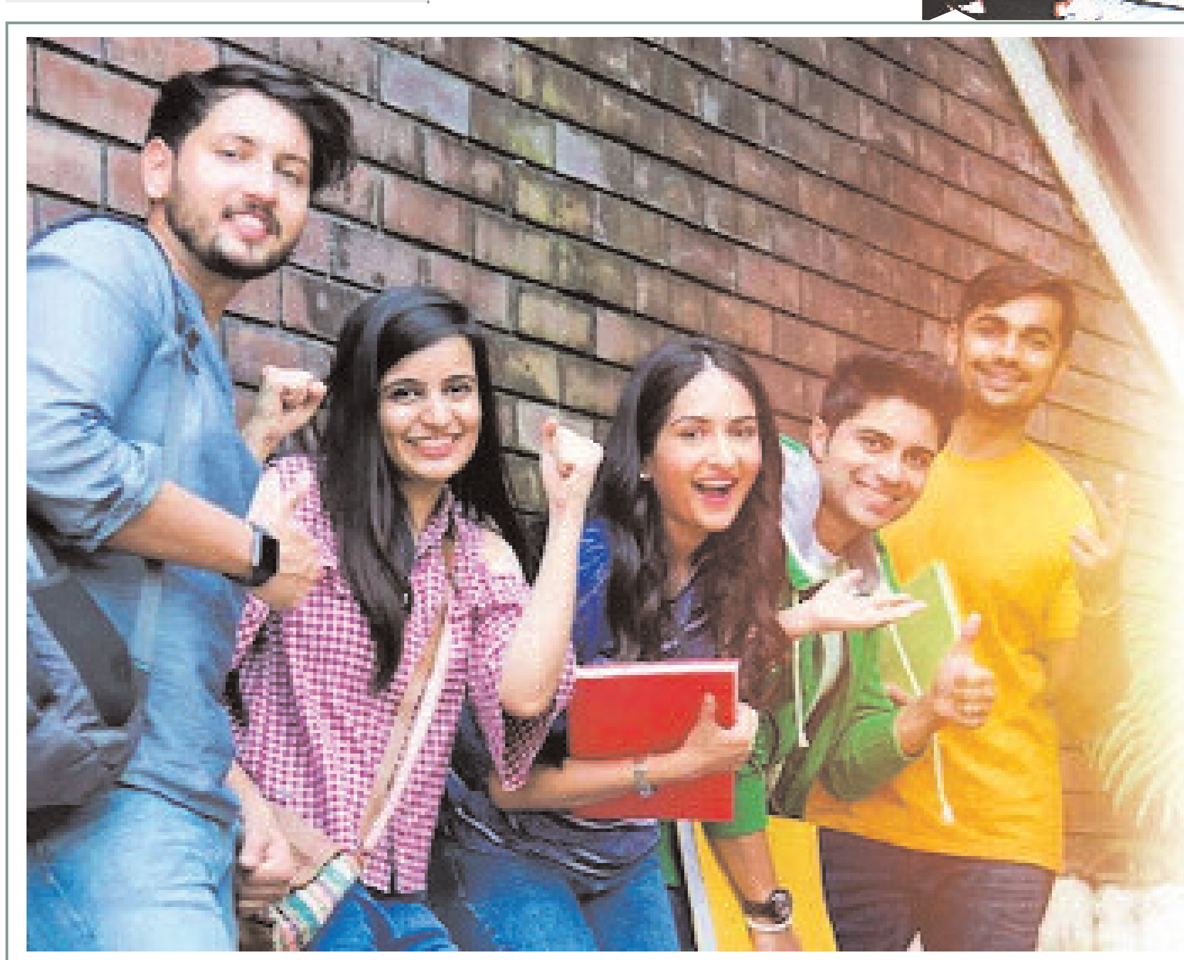

विदेश में करना चाहते हैं जॉब, तो इंजीनियरिंग की इस ब्रांच का कोर्स कर लें

अगर आप भी अपना करियर इंजीनियरिंग में बनाना चाहते हैं तो पहले जान लें सबसे बेस्ट इंजीनियरिंग ब्रांच के बारे में। इंजीनियरिंग की इस ब्रांच में कोर्स करते हैं तो आपको विदेश में जानें का सुनहरा मौका मिलेगा। मिलती हैं लाखों में सैलरी। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

आजकल ज्यादातर लोगों की पसंद इंजीनियर बनना होता है। अगर आप भी करियर में इंजीनियरिंग बनने का सपना देख रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। विदेश की टॉप कंपनियों में काम करने के लिए हर किसी का एक ड्रीम होता है। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

विदेश में मिलती है जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट में मल्टी नेशनल कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। विदेश में जॉब करने की इच्छा आप रखते हैं तो इंजीनियरिंग ब्रांच में आप भी देख लें।

Btech ECE

विदेश में जॉब करने की चाहत रखने वाले लोग बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड जॉब मार्केट में काफी ज्यादा है।

BTECH Computer Science

Btech CSE कोर्स करने से विदेशी कंपानियां जॉब ऑफर करती है। बीटेक CSE के छात्रों को Google, Infosys और microsoft जैसी कंपनियों में लाखों के पैकेज वाले जॉब ऑफर मिलता है।

BTECH Chemical Engineering

विदेश में इंजीनियरिंग की इस ब्रांच की काफी डिमांड है। कैमिकल इंजीनियर्स को विदेशी कंपानियों में आसानी से लाखों के पैकेज पर जॉब ऑफर होता है। आप भी इस ब्रांच में कोर्स कर सकते हैं।

Btech Data Science

बीटेक डेटा साइंस एक बेहतरीन इंजीनियरिंग ब्रांच में से एक है। आपको बता दें कि देश के टॉप IITs, NITs और IIITs में यह कोर्स कराया जाता है।

ईग्नाइट प्रतिभा, नवाचार और रचनात्मकता के भव्य संगम में 35 से अधिक स्कूलों के लगभग 700 विद्यार्थियों ने लिया प्रतिभाग

नोएडा। ईशान एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर-विद्यालयी प्रतियोगिता ईग्नाइट-2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन उत्साह, उमंग और रचनात्मकता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में गौतम बुद्ध नगर जनपद के 35 से अधिक स्कूलों के लगभग 700 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा, बौद्धिक क्षमता, नवाचार, व्यावसायिक सोच और रचनात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों एवं विद्यालयों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया।

ईग्नाइट 2026 के अंतर्गत विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल सात प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में क्विज प्रतियोगिता, ब्रांड ओ वॉर ऐड मैड शो, न्यूरो हैक, वर्ड वॉरियर्स डिबेट बैटल, पोस्टर मेकिंग, प्रोडिजी क्वेस्ट बिजनेस प्लान तथा स्लाइड स्टॉर्म पीपीटी प्रतियोगिता शामिल रहीं। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा एवं कौशल का परिचय दिया।

जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट स्कूल, ग्रेटर नोएडा को मिला बेस्ट स्कूल ट्रॉफी का सम्मान: सात प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यालय क्विज प्रतियोगिता में जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में उत्कर्ष एवं आदित्य ने अपनी ज्ञान क्षमता और त्वरित निर्णय कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ब्रांड ओ वॉर - ऐड मैड शो में कौशल्या वर्ल्ड स्कूल ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में वंश पीलवान, श्रद्धा वार्ष्णेय, जाह्नवी सिसोदिया एवं साक्षी चौधरी ने अपनी रचनात्मकता और प्रस्तुति कौशल से शानदार प्रदर्शन किया। न्यूरो हैक में जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समृद्ध पांडेय एवं ऋषि कौल ने अपनी

तकनीकी समझ, तार्किक क्षमता और नवाचार का परिचय दिया। वर्ड वॉरियर्स डिबेट बैटल सैनफोर्ड वर्ल्ड स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में अंशिका चौधरी एवं स्वारित वशिष्ठ ने अपने प्रभावशाली तर्कों और संवाद कौशल से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता संस्कार पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी कलात्मक प्रतिभा एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का परिचय दिया। प्रोडिजी क्वेस्ट बिजनेस प्लान में रामइस इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने व्यावसायिक सोच, नवाचार और नए विचारों को प्रस्तुत करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। स्लाइड स्टॉर्म पीपीटी प्रतियोगिता

जीआर ग्लोबल एकेडमी ने प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रस्तुति, विषय की समझ और डिजिटल कौशल का प्रदर्शन किया।

सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं समग्र उपलब्धियों के आधार पर जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट स्कूल, ग्रेटर नोएडा को 'बेस्ट स्कूल ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ईशान एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. डी. के. गर्ग ने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, निरंतर मेहनत करने, अनुशासन अपनाने तथा अपनी प्रतिभा और क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ-साथ ऐसी प्रतियोगिताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करती हैं। इसी क्रम में संस्थान के सीईओ डॉ. तुषार आर्य एवं डॉ अमन आर्य ने भी विद्यार्थियों के साथ अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने, नए विचारों को अपनाने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और जीवन में प्रगति के नए अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर बेस्ट स्कूल ट्रॉफी के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों एवं भाग लेने वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, मेडल, पुरस्कार और टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों को मंच पर आमंत्रित कर प्लांटर भेंट किए गए और उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, नए विचारों को साझा करने, आपसी संवाद स्थापित करने तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से आगे बढ़ने का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, नवाचार, तार्किक चिंतन और रचनात्मकता को बढ़ावा देना रहा।ईशान एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों और सहभागी विद्यालयों के लिए प्रेरणादायक एवं यादगार अनुभव साबित हुआ। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सही अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलने पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

नोएडा और ग्रेनो में निर्माण के नियम बदले, ऊंची इमारतों का रास्ता साफ; 60 दिन में पास होगा नक्शा

नोएडा। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल भवन विनियम-2026 को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। प्राधिकरण यह तय करेंगे कि 60 फीसदी से ज्यादा विकसित हो चुके सेक्टरों में ये विनियम प्रभावी होंगे या नहीं। इन विनियमों के तहत 45 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के किनारों पर फ्लोर एरिया रेशियो (एफ़एआर) की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। इसका अर्थ है कि अब इमारतें और ऊंची बन सकेंगी। बहुमंजिला इमारतों के लिए हर पांच वर्ष में स्ट्रक्चरल ऑडिट कराना अनिवार्य होगा। 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखंडों और 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक भवनों के लिए भवन मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया सरल की गई है।

नक्शा स्वीकृति के नए नियम: लाइसेंसधारी तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तैयार मानचित्रों के आधार पर कुछ श्रेणियों में स्वतः स्वीकृति की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। इसका लाभ 500 वर्ग मीटर तक के आवासीय और 200 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक भवनों को मिलेगा।

हाउस अरेस्ट हुए प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन

नोएडा। पुलिस ने शुक्रवार को तानाशाही रवैया अपनाते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और एआईसीसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर को उनके निवास बिशनपुरा और महानगर के पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन को उनके आवास सेक्टर 8 पर हाउस अरेस्ट किया। प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि

सरकार द्वारा लगातार लोकतन्त्र की हत्या करने का प्रयास किया जा रहा है और हम लोगों को गैर कानूनी तरीके से घर में नजरबंद किया जा रहा है, लेकिन हमारे इरादे कमजोर नहीं पड़ेंगे और हम अपने नेता राहुल गांधी जी के साथ इस वोट चोरी के खिलाफ लगातार संघर्ष करते रहेंगे। पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने का अधिकार हर किसी को है, तानाशाही सरकारें ज्यादा दिन नहीं चलती है।

वेंडर्स के प्रदर्शन के बाद पुराने शाहदरा साप्ताहिक मंगल बाजार को लगाने की मिली सशर्त अनुमति

नोएडा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आज पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन के महामंत्री व सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा, सीटू जिला महासचिव रामस्वारथ, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव रामसागर, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान, कोषाध्यक्ष गुड़िया देवी के नेतृत्व में सैकड़ों वेंडर्स ने थाना सेक्टर-142, नोएडा पर जोरदार प्रदर्शन कर थानाध्यक्ष महोदय को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम शाहदरा, श्मशान घाट चौराहे पर पिछले 20-22 वर्षों से प्रत्येक मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में 400 से अधिक पथ विक्रेता रोजगार करते हैं, जिससे हजारों स्थानीय निवासियों को सस्ता सामान मिलता है और 400 गरीब परिवारों की रोजी-रोटी चलती है।

दिनांक 16 सितंबर 2026 को चौकी प्रभारी सेक्टर-144 द्वारा फोन चोरी का हवाला देकर इस बाजार को जबरन बंद करा दिया गया था। यूनियन ने कई बार पुलिस से सकारात्मक वार्ता की, पर गांव के 2-3 व्यक्तियों द्वारा, जो बाजार से अवैध उगाही करना

चाहते हैं, की झूठी शिकायत के दबाव में बाजार को एक सुनसान, अव्यवहारिक स्थान पर शिफ्ट करने का दबाव बनाया जा रहा था, जहां रोजगार चलना संभव नहीं है।

ज्ञापन में यूनियन ने प्रमुख तर्क रखे:

1. यह कार्रवाई पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण) अधिनियम 2014 की धारा 3(3) का सीधा उल्लंघन है, जिसमें सर्वेक्षण पूर्ण होने तक यथास्थिति (Status Quo) बनाए रखने का आदेश है। जनपद में अभी तक सर्वे नहीं हुआ है। 2. यह उ.प्र. सरकार नियमावली 2017 व माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों की अवहेलना है। 3. पुलिस का तर्क हास्यास्पद है - पुलिस का काम चोरी रोकना है, रोजगार बंद करना नहीं।

यूनियन द्वारा दिए गए आश्वासन:

(क) सभी दुकानें सीधी लाइन में लगेंगी

(ख) सर्विस रोड पर यातायात बाधित नहीं होगा

(ग) कोई संदिग्ध दिखने पर तुरंत थाने को सूचना दी जाएगी

(घ) बाजार के व्यवस्थित संचालन हेतु 7 सदस्यीय कमेटी - अरविंद पाल (अध्यक्ष - 9668302377), सुधीर, अजीत, उदयवीर, वाहिद, दुर्गेश, श्रवण - पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेगी।

आज थानाध्यक्ष महोदय के साथ सभी मुद्दों पर सकारात्मक वार्ता हुई और कुछ शर्तों के साथ बाजार को अपने पूर्व निर्धारित स्थान (श्मशान घाट चौराहा) पर सुचारू रूप से लगाने की स्वीकृति पुलिस द्वारा दे दी गई। जिससे पिछले कई सप्ताह से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया।

वेंडर्स नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि बाजार लगने पर सहमति बन जाने के बाद यूनियन ने सोमवार 12 अक्टूबर 2026 को पुलिस आयुक्त कार्यालय पर प्रस्तावित प्रदर्शन को स्थगित कर दिया है।

यूनियन ने पुलिस प्रशासन का आभार जताया और मांग की है कि भविष्य में पथ विक्रेताओं का उत्पीड़न बंद किया जाए तथा अवैध उगाही की नीयत रखने वाले 2-3 व्यक्तियों की झूठी शिकायतों पर कार्रवाई न की जाए।

नोएडा में पार्टी का बदलेगा अंदाज, बिना शराब के नियोन लाइट्स के बीच होगी 'कॉफी रेव'

नोएडा। 8 अक्टूबर नोएडा में युवाओं के मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल के तौर-तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब पार्टी और नाइटलाइफ का मतलब केवल शराब, डांस और तेज संगीत तक सीमित नहीं रह गया है। युवाओं को मनोरंजन के साथ खेल, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से नोएडा की डिजिटल सिटी कम्युनिटी नोएडाग्राम ने एक नई ऑफलाइन कम्युनिटी 'OUTTCLUB' की शुरुआत की है।इस पहल के तहत पहला कार्यक्रम 'GLOWOUTT' शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक नोएडा के सेक्टर-141 स्थित पिकल फ्लो सोशल में आयोजित किया जाएगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, शारीरिक

गतिविधियों और सामाजिक गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जाएगा। नियोन और यूवी लाइट्स के बीच लाभदायक अनुभव

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम स्थल के इनडोर एरिना को विशेष नियोन और अल्ट्रावायलेट (यूवी) लाइट्स की सहायता से आकर्षक 'ग्लो इन द डार्क' स्पेस में मॉडिफाई किया जाएगा। यहां प्रतिभागियों को एक ही शाम में कई अलग-अलग गतिविधियों का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम की शुरुआत डांस मूवमेंट थेरेपी से होगी, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को शारीरिक गतिविधियों और मानसिक सहजता से जुड़ने का अनुभव मुहैया होगा। इसके बाद मितव्यवाई नियोन पेंटिंग का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिभागियों को फ्लोरोसेंट रंगों से अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त यूवी और नियोन लाइट्स से जगमगाते विशेष कोर्ट पर 'ग्लो पिकलबॉल' खेलने का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम का अंतिम एक घंटा विशेष 'कॉफी रेव' के नाम रहेगा, जिसमें दिल्ली के डीजे एनी टाइम लाइव संगीत प्रस्तुत करेंगे। कॉफी, संगीत, नियोन और लेजर लाइट्स का संयोजन पारंपरिक शराब-सख्त गतिविधियों से अलग मनोरंजन का अनुभव प्रदान करेगा।

शराब के बिना भी यादगार हो सकती है नाइटलाइफ़ : आशीष भार्गव

OUTTCLUB एवं नोएडाग्राम के संस्थापक आशीष भार्गव ने बताया कि नोएडा में युवाओं के लिए मनोरंजन की नई संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'नोएडा में शानदार नाइट आउट के लिए शराब की आवश्यकता नहीं है। आज के युवा कॉफी के साथ संगीत का आनंद लेना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं, कुछ नई रचना चाहते हैं और नए लोगों से वास्तविक रूप से जुड़ना चाहते हैं। OUTTCLUB इसी तरह सोच को एक सामुदायिक मंच प्रदान करने की पहल है। GLOWOUTT के माध्यम से हम थेरेपी, कला, खेल और संगीत को एक ही शाम में एक साथ ला रहे हैं। 'युवाओं को सामाजिक गतिविधि का मिलेगा नया मंच आयोजकों का कहना है कि OUTTCLUB का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है, बल्कि युवाओं को डिजिटल दुनिया से बाहर निकालकर वास्तविक सामाजिक संबंध बनाने के अवसर उपलब्ध कराना भी है। इस पहल के माध्यम से खेल, संगीत, रचनात्मक गतिविधियों और साझा अनुभवों को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण डांस मूवमेंट थेरेपी, नियोन पेंटिंग, ग्लो पिक्लबॉल और लाइव डीजे के साथ कॉफी रेव होंगे।

नोएडा पहुंचे भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी अनंत ओझा ने की संगठनात्मक विषयों पर चर्चा

नोएडा। आज उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी श्री अनंत ओझा जी ने नोएडा के जिलाध्यक्ष श्री महेश चौहान जी के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की। जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान एवं जिला महामंत्री नोएडा अमित त्यागी ने सहप्रभारी जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों के बीच संगठनात्मक विषयों, पार्टी की आगामी गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों को लेकर सार्थक चर्चा हुई और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इसके पश्चात श्री अनंत ओझा जी उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री कलराज मिश्र जी के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने श्रीमती सत्यवती मिश्र जी के निधन पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

स्वागत में जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, अशोक मिश्रा, अरुण चौहान, उपस्थित रहे।

हाईराइज सोसायटी में 12वीं मंजिल से कूदकर युवक ने दी जान

नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित ऐस डिविनो सोसायटी में शुक्रवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई।

घटना में 36 वर्षीय एक युवक ने 12वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर गांव निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे डायल 112 पर सूचना प्राप्त हुई कि ऐस डिविनो सोसायटी के एक टावर की 12वीं मंजिल से एक युवक नीचे गिर गया है। अचानक तेज आवाज सुनकर सोसायटी के सुरक्षा गार्ड और आसपास के निवासी मौके पर पहुंचे, तो युवक लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

तनाव कम करने फूफा के घर आए थे अनिल: जांच में सामने आया है कि मृतक अनिल कुमार पेशे से टेक कर्मी थे और ग्रेटर नोएडा के टेक जोन स्थित एक कंपनी में कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ नोएडा में ही रह रहे थे। स्वजनों ने बताया कि अनिल पिछले काफी समय से अत्यधिक मानसिक तनाव (डिप्रेशन) से गुजर रहे थे। उनका तनाव और डिप्रेशन कम हो सके, इसके लिए उनके फूफा ने उन्हें अपने पास रहने के लिए बुला लिया था।

अनिल महज 3 दिन पहले ही ऐस डिविनो सोसायटी में रह रहे अपने फूफा के घर आए थे। परिवार को उम्मीद थी कि माहौल बदलने से उनकी मानसिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन शुक्रवार तड़के उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

कारणों की जांच में जुटी पुलिस: घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना बिसरख प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है या नहीं, और मानसिक तनाव के पीछे पारिवारिक या काम से जुड़ा कोई दबाव था, इन सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है।

ग्राम सर्फाबाद में लगी पीडीए की जन चौपाल

नोएडा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर सेक्टर 73 स्थित ग्राम सर्फाबाद में पीडीए जन चौपाल का आयोजन किया गया। प्रदेश सचिव महेंद्र यादव के संयोजन में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव ने की एवं संचालन पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने किया। कार्यक्रम में पधारे सभी वरिष्ठ नेताओं का पगड़ी बांधकर , फूल माला डालकर एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 पर व्यापक मंथन हुआ। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी ने कहा कि वर्तमान सरकार संविधान विरोधी है इस सरकार को हटाकर और सपा सरकार बनाकर ही उत्तरप्रदेश में कानून का राज स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने आने वाले स्नातक एमएलसी चुनाव में एकजुट होकर प्रमेंद्र भाटी को जिताने का आवाहन किया। इस अवसर पर

नोएडा महानगर के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा सरकार में अखिलेश यादव के नेतृत्व में नोएडा सहित पूरे उत्तरप्रदेश में ऐतिहासिक कार्य किए गए। वर्तमान सरकार सिर्फ हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत की खाई बढ़ाकर सत्ता पर काबिज होना चाहती है लेकिन जनता ने अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का मन बना लिया है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र यादव ने कहा कि अखिलेश यादव सभी जातियों को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। हम सभी का सौभाग्य है कि देश को ऐसा दूरदृष्टि वाला नेता मिला है जो सभी सभी धर्मों का सम्मान करता है और जिसका एक ही उद्देश्य है कि विकास का प्रवाह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर सुभाष भाटी ने कहा कि विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है और हम सभी को अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अभी से कमर कस लेनी चाहिए। अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एवं बीर सिंह यादव सहित तमाम वरिष्ठ नेताओं ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मनोज चौहान, भरत प्रधान, बब्बल भाटी , सत्ते यादव, जयकरण चौधरी , सुभाष भाटी, मनोज गोयल , मोहम्मद तस्लीम , विनोद यादव , हीरालाल यादव , रामनिवास यादव , प्रिंस यादव, गुड्डू चौधरी, लखन यादव , सुरेंद्र गौतम , गौरव सिंघल , महिपाल बाल्मीकि , मुकेश प्रधान , संजय त्यागी , वीरपाल अवाना , धर्मवीर बाल्मीकि , राजेश जाटव , मित्रपाल कश्यप , सूरज राणा , मुनव्वर सैफी, दीनू खान , टीटू यादव , अंकुर पहलवान , विवेक यादव , पुष्पेंद्र यादव , विनोद चौधरी , सिब्बत पहलवान , सुंदर पहलवान , अरुण यादव , धर्मवीर पहलवान , धनपाल यादव , सहित भारी संख्या में सपा नेता एवं पीडीए समाज के लोग मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

सनातन धर्म रामलीला को हुए 41 वर्ष, इस बार दिल्ली एवं मुंबई के टीवी व फिल्मी कलाकार करेंगे मंचन

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले 41 वर्षो से निरंतर नोएडा शहर में प्राधिकरण एवं प्रशासन की सहयोग से रामलीला मंचन एवं विजय दशमी महोत्सव का आयोजन रामलीला ग्राउंड, नोएडा स्टेडियम सैक्टर 21ए नोएडा में करते आ रहे है।

रामलीला का मंचन इस वर्ष दिनांक 11 अक्टूबर से 21.अक्टूबर तक आयोजन किया जायेगा। जिसमें शहर के सभी गणमान्य नागरिक आयोजन में बढ चढकर हिस्सा लेते है इसलिये आयोजन को सफलता प्रदान होती है। इस वर्ष 41 वर्ष के प्रयास करते हुए दिल्ली एवं मुबई के प्रसिद्ध टीवी व फिल्मी कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन किया जायेगा। जिसमें दशहरा 20.10.2026 को रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा और अगले दिन दिनांक 21.10.2026 को भरत मिलाप के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डांडिया के साथ इस वर्ष लीला का विश्राम होगा। रामलीला मंचन का शुभ आरंभ दिनांक 11.10.2026 को सायं 07 बजे गणेश पूजन के साथ प्रारंभ होगा। जिसमें संस्था के मुख्य संरक्षक डा. महेश शर्मा जी गौतमबुद्धनगर सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार, पष्चिमी क्षेत्रीय उ.प्र. अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, पंकज सिंह विधायक नोएडा, श्रीमती विमला बाथम, पूर्व अध्यक्ष महिला अयोग उ.प्र., कैप्टन विकास गुप्ता, अध्यक्ष उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, मुकेश शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष, पीयूष द्विवेदी, स्वागत अध्यक्ष, मधुसूदन दादू, कार्यक्रम संयोजक, डा. वी.एस. चैहान, सीएमडी प्रकाश हॉस्पिटल, पी.के. अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। रामलीला का मंचन हरी शक्ति कला ट्रस्त के निर्देशक पंकज शर्मा, अमित शर्मा, कमल गीरिश, हरीश शर्मा एवं मुकेश शर्मा द्वारा संचालित किया जायेगा।

भव्य राम बारात बैड बाजे, रथ, ढोल नगाड़े एवं सुंदर झांकियों के साथ दिनांक 15.10.2026 को श्री सनातन धर्म मंदिर सैक्टर 19, नोएडा से दोपहर 03:00 बजे प्रारंभ होकर नोएडा के विभिन्न सैक्टर होते हुए रामलीला मैदान, सैक्टर 21ए रात्रि 08:00 बजे भगवान श्रीराम की बारत पहुंचेगी। मंच की सुंदरता एवं भव्यता पूर्व से भी इस बार और अच्छी से दर्शायी गई जिसमें, श्री केदारनाथ धाम, श्री बद्रानाथ धाम एवं जगनाथ पुरी धाम की थीम पर बनाया गया है तथा 3 डी एफेक्ट दिया गया है एवं एलईडी की इस्तेमाल भी किया गया है। जिसमें सुंदर एवं प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भव्य एवं अलोकिक मंचन किया जायेगा। मंच एवं पूरे ग्राउंड पर बहुत ही सुंदर लाईट की व्यवस्था एवं आने वाले सभी भक्तों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के द्वारा बुराई का अंत अच्छाई के विजयदशमी का पर्व दिनांक 20.10.2026 को विजय दशमी जिसमें रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा। इस बार के पुतलें जो बहुत ही दहन के समय बहुत ही आकर्षित करेंगे इनका साईज रावण 80 फीट, कुंभकरण 75 फीट, मेघनाथ 65 फीट है। रंग विरंगे अंदाज में पगडी पहने बिजली की लाईट से जगमगाते हुए तथा सुंदर आतिषबाजी के साथ दहन किया जायेगा।

प्रशासन द्वारा सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली गयी है। मंच की सजावट जो इस बार बहुत ही सुंदर बनायी गई है जिसमें डबल मंच पर रामलीला का मंचन होगा जो एक बहुत ही महल के रूप में दिखाया गया है जिसमें जंगल पहाड़ एवं किला का कार्य पूर्ण किया जा रहा है सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षाकर्मी, स्वयं सेवक, संस्था के सदस्य/ पदाधिकारी सभी व्यवस्थाओं को देखेंगें। पूरे आयोजन के दौरान खाने-पीने का फूड स्टाल, झूला, सर्कस, फायर क्रैकर शो का भी आयोजन किया जायेगा। रामलीला मंचन देखने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग स्टेडियम में आते हैं और विजय दशमी (दशहरा) के दिन वीआईपी अतिथियों, अधिकारी, प्रमुख व्यक्ति सहित समारोह में लाखों की संख्या में नागरिक शामिल होंगे। प्रेसवार्ता के दौरान संस्था के चेयरमैन डा. टी. एन. गोविल, अध्यक्ष टी. एन. चैरसिया, महासचिव संजय बाली, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग,अतुल मित्तल, रमेश कुमार, एस.के.एस. राणा, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, पंकज जिंदल, मित्रा शर्मा, विपिन मलन, जनक भाटिया, तरूण राज, नवीन सोनी, जे.सी माहेष्वरी, समीर अग्रवाल, वीरेन्द्र मेहता, नरेन्द्र चोपड़ा, मनीष अग्रवाल, पवनदीप सिंह, वपिन बंसल, अनिल गुप्ता, विनय शर्मा, डॉक्टर एस पी जैन,सौरभ गोविल, महेन्द्र कटारिया, राजीव अजमानी, संजय गोयल, विकास जैन, अखिलेष बधोरिया, जितेन्द्र सिंह, महेष चैहान, प्रमोद शर्मा, अषोक मिश्रा, अर्चना राय, केशव गंगल, अतुल वर्मा, तरुण राज, संजय जैन,अमित पोरवाल,मनोज पोरवाल,जतिन, रोहित श्रीवास्तव, पवनदीप सिंह, सुन्दर सिंह राणा, एन. के अग्रवाल, पुनीत शुक्ला, प्रमोद रंगा, अमित अग्रवाल,नरेश बंसल,चन्द्रपाल सिंह, श्रेया चतुर्वेदी, विनोद शर्मा, सुनील कुमार, देवेन्द्र गंगल, कुलदीप गुप्ता, मुकेष गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा,छाया राय,विशाल कश्यप, आदि काफी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

जेवर एयरपोर्ट का नाम होगा नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम अब नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नाम बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

एयरपोर्ट का नाम बदलने के फैसले पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूरी कैबिनेट का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसका लोकार्पण भी उन्हीं के हाथों हुआ। विधायक ने कहा कि एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के फैसले के लिए वह सरकार के आभारी हैं।

एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत: इस एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी क्षमता एक वर्ष में लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। यह एयरपोर्ट 1300 हेक्टेयर से अधिक भूमि में फैला हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर में बनने वाला यह दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यह इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ कम करने में मदद करेगा।

पार्किंग की सुविधा रहेगी: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर विकसित किया गया है, जिसमें मल्टी मॉडल ट्रांजिट केंद्र होगा। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मेट्रो और हाई स्पीड रेलवे के स्टेशन होंगे। इनके अलावा टैक्सी, बस सेवा और निजी वाहन पार्किंग सुविधा रहेगी।

दिल्ली से 21 मिनट की दूरी: दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट के बीच का सफर सिर्फ 21 मिनट का होगा। जेवर एयरपोर्ट को प्रस्तावित दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल से भी जोड़ने की योजना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट होगा, जहां उत्सर्जन शुद्ध रूप से शून्य होगा।

अवैध मिट्टी खनन की शिकायत को लेकर डीसीपी से मिले ग्रामीण

नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामपुर खादर में यमुना नदी से अवैध रूप से खनन को लेकर मकनपुर बांगर एवं आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने शुक्रवार को डीसीपी से मुलाकात की। ग्रामीणों ने इस संबंध में लिखित शिकायत सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, रामपुर खादर में पिछले कई दिनों से बड़े पैमाने पर कथित अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा है। इस कार्य में कई जेसीबी मशीनों और दर्जनों डंपरों का इस्तेमाल होने से गांव के रास्ते क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के दौरान एक विद्युत खंभा भी टूट गया था, जिसके कारण ग्रामीणों को लगभग दो दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों ने यह भी शिकायत की कि खनन में लगे कई डंपरों पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई हैं। ये वाहन देर शाम से सुबह तक तेज गति से सड़कों पर दौड़ते हैं, जिससे ग्रामीणों, विशेषकर सड़क पर आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने मामले में संबंधित पुलिस चौकी की कथित भूमिका और मिलीभगत के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि क्षेत्र में कथित अवैध खनन पर रोक लगाने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की है। डीसीपी ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भंगेल एमसीएच विंग से तीन दिन का नवजात चोरी, बाइक सवार युवक के साथ फरार हुई महिला

नोएडा। सेक्टर-110 भंगेल स्तिथ मैटरनिटी चाइल्ड हॉस्पिटल से शुक्रवार सुबह एक महिला तीन दिन के नवजात को चुरा कर ले गई। घटना के समय भंगेल निवासी सपना अपने पति गौतम के साथ डॉक्टर के पास गए थे। उस समय नवजात शिशु गौतम की सास रक्षादेवी के पास था। रक्षा देवी भी स्वास्थ्य केंद्र से छुट्टी होने पर अपना सामान पैक कर रही थी। तभी अनजान महिला नवजात को चुराकर भाग गई।

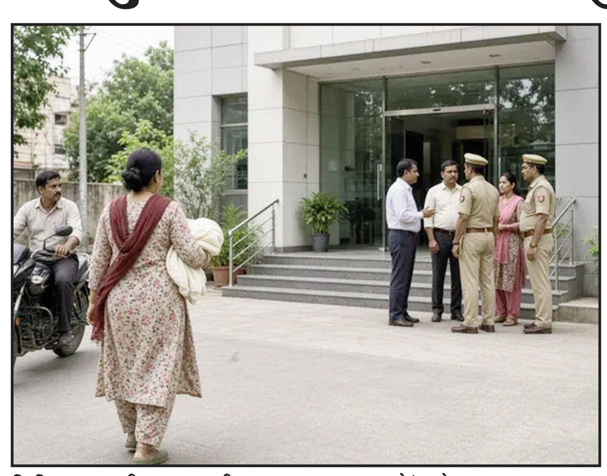

काफी देर तक नवजात नहीं मिला तो रक्षादेवी और अन्य स्वजन ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही अधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के होश उड़ गए। केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी समय अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचें। उन्होंने महिला और नवजात को स्वास्थ्य केंद्र के आसपास तलाश किया लेकिन, उसका कुछ पता नहीं चला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज चेक की, जिसमें पता चला कि महिला एक युवक के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गई।सीएमओ डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी का कहना है कि सूचना मिलने पर केंद्र में तुरंत जांच कराने पर पता चला कि आरोपित महिला दो दिन से नवजात के स्वजनों से बातचीत कर रही थी। योजनाबद्ध तरीके से सपना की स्वास्थ्य केंद्र में छुट्टी होने से पहले आरोपित महिला नवजात को लेकर भाग गई। सामने आया है कि बैग पैक करने से पहले स्वजन ने ही महिला को नवजात संभालने कर लिए दिया था। फिलहाल पुलिस को घटना की सूचना दे दी है।

अच्छेजा में गुर्जर महासभा की 27 अक्टूबर की रैली सफल बनाने का संकल्प

ग्रेटर नोएडा। अच्छेजा में केसर सिंह नागर द्वारा अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता चौधरी वेदपाल मुखिया ने की तथा संचालन चमन नागर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे।

समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी सहित के.पी. सिंह कसाना, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, सुनील भाटी, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, शशांक भाटी, मनवीर नागर एवं अरुण भाटी सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे।वक्ताओं ने शिक्षा, संस्कार, व्यवसाय एवं राजनीति में समाज की भागीदारी और प्रगति पर विचार-विमर्श किया। साथ ही, 27 अक्टूबर को पटेल जयंती के अवसर पर दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का आह्वान किया। उपस्थित जनसमूह ने रैली को समाज की प्रतिष्ठा से जुड़ा आयोजन मानते हुए इसे सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जयसिंह प्रधान, होतेराम भगतजी, महावीर सिंह, ओमकार नागर, सरजीत नागर, राजवीर नागर, सुखबीर नागर, टीकम नागर, सतपाल प्रधान, हरेंद्र प्रधान, जसवीर नागर, देवेंद्र नागर, संजय नागर, राधे गुर्जर, जगमोहन नागर, अनिल नागर, कविन्दर गुर्जर, रविंद्र नागर, अधिवक्ता गजराज, सतीश प्रधान, वीरेंद्र प्रधान, जगत खारी, ज्ञान प्रधान, गजेंद्र रेक्सवाल एवं सतीश नागर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शारदा अस्पताल के पास जाम और धूल उड़ने से लोग परेशान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-तीन स्थित शारदा अस्पताल के पास सर्विस मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर हो गई है। पास में ही सीएनजी पंप होने की वजह से यहां अक्सर लंबा जाम लग जाता है। इससे वायु प्रदूषण के साथ कई बार मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस भी फंस जाती है। इस समस्या के समाधान के लिए अस्पताल प्रबंधन ने गेट के सामने मुख्य सड़क पर गोलचक्कर या यूटर्न बनाने की मांग की है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के साथ पुलिस और प्रशासन को भी पत्र लिखा है। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के साथ तीमारदारों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कई बार जाम में एंबुलेंस फंस जाती है। यह इमरजेंसी मरीजों के लिए काफी खतरनाक है। शिकायत है कि सर्विस मार्ग के किनारे लोगों ने बड़ी संख्या में ठेली पटरी भी लगा रखी है।

इससे भी जाम की समस्या पैदा हो जाती है। अस्पताल प्रबंधन की मांग है कि मरीजों की परेशानी को देखते हुए अस्पताल गेट को मुख्य सड़क से सीधे जोड़ने के लिए नासा पार्किंग और शारदा गोलचक्कर के बीच की सड़क पर यूटर्न या गोलचक्कर बनाया जाएगा। शारदा समूह इस पर आने वाला खर्च भी उठाने को तैयार है। यहां पर कुछ लोग गलत दिशा में भी वाहन चलाते हैं। इससे भी जाम लग जाता है।इस बारे में प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम का कहना है कि ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए सर्वेक्षण कराया जा रहा है कि क्या बेहतर हो सकता है। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही काम किया जाएगा।

गगनचुंबी इमारतों के बीच आत्मीयता की तलाश : दिव्य कृष्णात्रेय

नोएडा। आसमान से होड़ लेती भव्य इमारतें, भोर की ओस से नहाए हरे-भरे पार्क और दूर तक फैली चौड़ी-सुसज्जित सड़कें—यह हमारे नोएडा की वह दिव्य और अलौकिक तस्वीर है, जिसे देखकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। इस शहर को तराशने में, इसे आधुनिक भारत के मानचित्र पर एक अमूल्य रत्न की तरह चमकाने में हमारे शासन-प्रशासन, और दिन-रात निष्ठापूर्वक समर्पित अधिकारियों का अथक परिश्रम हर मोड़ पर अपनी छाप छोड़ता है। यह नोएडा केवल कंक्रीट, कांच और डामर से बना शहर नहीं है, बल्कि यह हम सभी नागरिकों के साझा सपनों, उमंगों और भावनाओं की वह पावन बगिया है, जिसे हम सबने मिलकर अपने अपनत्व से सींचा है।

लेकिन जब ढलती शाम को इस सुनहरे शहर में रोशनियां जलती हैं, तो इसकी भव्यता के पीछे हर उस इंसान के दिल की धड़कन सुनाई देती है जो नोएडा को अपनी पहचान और अपना घर मानता है। सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय का अंतर्मन से मानना है कि नोएडा की असली आत्मा केवल गगनचुंबी अट्टालिकाओं में नहीं, बल्कि यहाँ के हर निवासी और रक्षक के चेहरे पर तैरती निश्चिंत मुस्कान में बसती है। समय के साथ हमारा नोएडा निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विकास के इस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़े होकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय अपने दिल के तार जोड़ते हुए कहते हैं कि तरक्की की यह शीतल छांव शहर के हर उस हाथ तक पहुंचनी चाहिए जो इसे निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देता है।

शहर की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के लिए 24 घंटे धूप, छांव और रात के अंधेरे में मुस्तैदी से खड़े रहने वाले हमारे नोएडा पुलिस के जांबाज जवान, अधिकारीगण एवं अन्य विभागों के निष्ठावान सरकारी कर्मचारी इस शहर का सुरक्षा-कवच हैं। आज उन्हें उपयुक्त और गरिमापूर्ण आवासों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। दिव्य कृष्णात्रेय शासन और प्राधिकरण से अत्यंत भावुक अपील करते हैं कि इन समर्पित जनसेवकों के लिए एक विशाल, आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त आवासीय प्रांगण का निर्माण किया जाए, जहाँ उनकी और उनके परिवारों की ज़रूरतों के हिसाब से सुंदर सरकारी भवन

उपलब्ध हों। जब शहर के रक्षक निश्चिंत और सुरक्षित माहौल में अपनों के साथ रहेंगे, तो उनकी सेवा की ऊर्जा और समर्पण कई गुना बढ़ जाएगा।

इसी के साथ, शहर का मध्यम वर्ग—जो नौकरीपेशा होकर दिन-रात मेहनत से इस नोएडा की अर्थव्यवस्था का पहिया घुमाता है—वर्षों से इस उम्मीद में जीता है कि कभी इस अपने शहर में उसके सिर पर भी अपनी एक छोटी सी छत होगी। किराए के भारी-भरकम बोझ से जूझते परिवारों के लिए सुलभ और किफ़ायती आवास तथा प्लॉट की योजनाएं सामने आना बेहद ज़रूरी हैं। जब कोई आम परिवार किराए के मकान से निकलकर अपने खुद के घर की चौखट पर अपनी नामपट्टिका लगाता है, तो उसके दिल से निकला मौन आशीर्वाद पूरे शहर को समृद्धि और खुशहाली से भर देता है। दिव्य कृष्णात्रेय प्राधिकरण के संवेदनशील नीति-निर्माताओं से सस्नेह प्रार्थना करते हैं कि मध्यम वर्ग की इस मासूम उम्मीद को साकार करने हेतु किफ़ायती आवासीय योजनाएं पुनः प्राथमिकता से लाई जाएं।

ठीक इसी प्रकार, देश के भिन्न-भिन्न कोनों से आकर यहाँ अपना पसीना बहाने वाले हमारे छोटे दुकानदार, चाय-पान विक्रेता और रेहड़ी-पटरी वाले भाई किसी पर बोझ नहीं बनना चाहते; वे केवल अपनी निष्कपट मेहनत से सम्मानपूर्वक दो वक्त की रोटी कमाना चाहते हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय आत्मीयता से यह विचार रखते हैं कि यदि प्रत्येक सेक्टर और व्यावसायिक क्षेत्र के समीप उनके लिए एक सुव्यवस्थित, बेहद साफ-सुथरा और सुसज्जित 'मॉडल वेंडिंग ज़ोन' तय कर दिया जाए, तो यह शहर के लिए वरदान साबित होगा। इससे एक तरफ जहाँ हमारा शहर अव्यवस्था और अतिक्रमण से मुक्त होकर बेहद स्वच्छ, सुंदर और भव्य दिखेगा, वहीं दूसरी तरफ इन गरीब परिवारों के चूल्हे भी बिना किसी भय या संकोच के स्वाभिमानपूर्वक जलते रहेंगे।

एक आदर्श, महान और जीवंत शहर वही होता है जहाँ बड़े उद्योगपति के निवेश की चमक के साथ-साथ, हमारे पुलिस व सरकारी रक्षकों का सम्मान, एक मध्यम वर्गीय परिवार के अपने घर का सपना और एक छोटे सेवादार का स्वाभिमान—सब एक साथ सुरक्षित और पल्लवित होते हैं। जब शहर का हर नागरिक और सेवक मुस्कुराएगा, तभी हमारा नोएडा स्वच्छता और आधुनिकता के साथ-साथ आत्मीयता, सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदना की भी पूरे देश में श्रेष्ठ मिसाल बनेगा।

दिव्य कृष्णात्रेय व्यक्त करते हैं कि उन्हें नोएडा प्राधिकरण के दूरदर्शी उच्चाधिकारियों, शासन-प्रशासन के विशाल हृदय और संवेदनशीलता पर अटूट विश्वास है। उन्हें पूरा भरोसा है कि प्राधिकरण इस दिल को छू लेने वाले भावपूर्ण आग्रह को अपनेपन के साथ स्वीकार करेगा और निकट भविष्य में ऐसी नीतियां लाएगा, जिससे 'सबका नोएडा, सबसे सुंदर, सुरक्षित और समृद्ध नोएडा' का संकल्प हम सभी के दिलों में हमेशा-हमेशा के लिए जीवंत हो उठे।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी के धरना प्रदर्शन को लेकर पुलिस अलर्ट, बॉर्डर एरिया पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

नोएडा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के एलान को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट है और नोएडा दिल्ली बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही विपक्षी पार्टियों के कई नेताओं को पुलिस ने नजर बंद किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी की तरफ से 10 अक्तूबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन का एलान किया गया है। इसको लेकर दिल्ली से सटे नोएडा में भी चहल-पहल बढ़ गई है और विपक्ष के कई नेताओं के नोएडा से दिल्ली जाकर प्रदर्शन में शामिल होने की जानकारी सामने आ रही है। वहीं, नोएडा से होकर दिल्ली जाने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पुलिस की टीम अलर्ट है और बॉर्डर पर चेकिंग की जा रही है।

27 को होने वाली स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया

नोएडा। सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 27 अक्तूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के अच्छेजा गांव में आयोजित गुर्जर महासभा के अभिनंदन समारोह में रैली को लेकर रणनीति बनाई गई। समारोह में वक्ताओं ने शिक्षा, संस्कार, व्यवसाय और राजनीति में समाज की भागीदारी और प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। लोगों ने रैली को समाज की प्रतिष्ठा और एकजुटता से जुड़ा आयोजन बताते हुए इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का संकल्प लिया।

अच्छेजा गांव के केसर सिंह नागर को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता चौधरी वेदपाल मुखिया ने की, जबकि संचालन चमन नागर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी मौजूद रहे। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, केपी सिंह कसाना, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, सुनील भाटी, अशोक भाटी, शशांक भाटी, मनवीर नागर और अरुण भाटी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ओखला पक्षी विहार में पर्यटकों के लिए दो गोल्फ कार्ट की सुविधा

नोएडा। ओखला पक्षी विहार में वर्तमान समय में दो गोल्फ कार्ट संचालित हो रहे हैं। वन विभाग के अनुसार पर्यटकों की संख्या कम होने के और कुछ गोल्फ कार्ट के रखरखाव-मरम्मत में होने की वजह से अभी दो ही कार्ट संचालित किए जा रहे हैं। जल्द ही इनकी संख्या में इजाफा किया जाएगा। ओखला पक्षी विहार में कुल छह ई-कार्ट थे, जिनमें से दो सूरजपुर वेटलैंड भेज दिए गए थे और चार यहां रखे गए थे। पक्षी विहार के एक गेट से दूसरे गेट तक जाने और फिर उन्हें वापस लाने के लिए इनका इस्तेमाल होता है। फॉरेस्ट रेंजर शशांक गुप्ता ने बताया कि वर्तमान समय में दो गोल्फ कार्ट संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पक्षी विहार में प्रवासी पक्षी पहुंचने शुरू हो गए हैं। इनमें नॉर्दन शेवलर, नॉर्दन पिटेंल, बार हेडेड गीज समेत अन्य प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। इनकी गणना अभी नहीं की गई है। जनवरी 2027 में इनकी संख्या अधिक होने पर गणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि पक्षियों के प्रवास के लिए जलकुंभी के माउंट बनाने समेत अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि अभी पक्षी विहार सुबह सात बजे से शाम 5.30 बजे तक खुला रहता है। सर्दियों में समय में बदलाव किया जाएगा। पक्षी विहार सुबह 7.30 बजे खुलेगा और शाम पांच बजे बंद होगा।

अवैध खनन से ग्रामीण परेशान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रामपुर खादर गांव में अवैध मिट्टी खनन से ग्रामीण नाराज हैं। शुक्रवार शाम 3 बजे दर्जनों ग्रामीणों ने डीसीपी रवि शंकर निम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि रामपुर खादर में कई दिनों से आधा दर्जन जेसीबी और दर्जनों डंपरों से दिन-रात खनन हो रहा है। इन भारी वाहनों से गांव के रास्ते खराब हो गए हैं। मिट्टी से लदे एक वाहन ने बिजली का खंभा तोड़ दिया, जिससे दो दिन बिजली संकट रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि कई डंपरों पर नंबर प्लेट नहीं हैं और वे तेज रफ्तार में दौड़ते हैं, जिससे हादसे का खतरा रहता है। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस चौकी के कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच मांगी है। डीसीपी रवि शंकर निम ने बताया कि शिकायत पर खनन विभाग के साथ जांच होगी और अवैध खनन पर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर से लाखों का सामान चोरी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में चोरों ने बिजली विभाग को लाखों का नुकसान पहुंचाया है। गुरुवार रात 12 बजे अज्ञात चोरों ने बिजली के पोल को कटर से काटकर 11 केवी की मुख्य लाइन खराब कर दी। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे इस संबंध में दनकौर कोतवाली पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ बिजली विभाग के अधिकारियों ने शिकायत की है।

इसके बाद पास की एक कॉलोनी में लगे 250 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर को खोलकर उसका तेल, लोहे की कोर और तांबे की कॉयल चोरी कर ली। इस घटना से कई घरों की बिजली सप्लाई ठप हो गई। सुबह ग्रामीणों ने खराब पोल और खुला हुआ ट्रांसफार्मर देखा, तो बिजली विभाग को जानकारी दी। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, ट्रांसफार्मर के जरूरी सामान चोरी होने से विभाग को लाखों का नुकसान हुआ है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 26 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की नाबालिग को दी अनुमति, माता-पिता ने छोड़ा बेटी का साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न का शिकार हुई एक ऐसी नाबालिग को अपने 26 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने की अनुमति दे दी, जिसके माता-पिता ने उसे छोड़ दिया था। 16 साल की नाबालिग के मामा द्वारा याचिका पर न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने मंजूरी देते हुए कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है और इसमें सम्मान के साथ जीने, निर्णय लेने की आजादी और प्रजनन संबंधी चुनाव का अधिकार शामिल है।

लगभग 25 सप्ताह और एक दिन की गर्भवती: कोर्ट ने नोट किया कि 2022 में माता-पिता द्वारा छोड़े जाने के बाद से वह अपने मामा और नानी की देखरेख में रह रही थी। अदालत ने लोक नायक अस्पताल को निर्देश दिया कि वह जरूरी सावधानियों, मेडिकल प्रोटोकाल और कानून द्वारा तय सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए जल्द से जल्द गर्भावस्था खत्म करने की प्रक्रिया पूरी करे। कोर्ट के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड ने पीठ को सूचित किया कि , नाबालिग मानसिक रूप से अक्षम है और यौन उत्पीड़न या अपनी गर्भावस्था की बात को समझने में असमर्थ है। 28 सितंबर को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में जांच के दौरान लगभग 25 सप्ताह और एक

दिन की गर्भवती पाई गई थी।

फेफड़ों की जांच नहीं हो पा रही: इसके बाद अस्पताल में गठित मेडिकल बोर्ड ने राय दी कि गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि, यह प्रक्रिया अधिक जोखिम वाली होगी।

बोर्ड ने बताया कि गर्भावस्था जारी रखने से नाबालिग के लिए अधिक जोखिम है क्योंकि वह कम उम्र में गर्भवती हुई थी। उसे रीढ़ की हड्डी में लार्डोटिक असामान्यता थी और फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच नहीं हो पा रही थी।

पिता की तलाश का इतजार करना सही नहीं कोर्ट ने नोट किया कि भले ही गर्भावस्था मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत तय 24 सप्ताह के बाद भ्रूण को समाप्त करने पर कानूनी रोक है, लेकिन नाबालिग के मामले में हाई कोर्ट को अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। पीठ ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय देखने से पता चलता है कि यह मामला जरूरी है और इसलिए इस पर फैसला करने के लिए नाबालिग पीड़िता के पिता की तलाश का इतजार करना सही नहीं लगता।

दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिए गए 10 हजार से ज्यादा लोग', अभिजीत दीपके का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी ये एलान कर चुकी है कि 10 अक्टूबर को वे दिल्ली के जंतर-मंतर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर प्रोटेस्ट करने जा रहे हैं। प्रवक्ता आशुतोष रंका ने इस प्रदर्शन से पहले आज शुक्रवार को दावा किया है कि प्रोटेस्ट से पहले देशभर में कम से कम 10,000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने प्रस्तावित प्रदर्शन पर लगाई गई पाबंदियों पर सवाल उठाए। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने के एक वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिजीत दीपके ने कहा, 'क्यों न सीधे इमरजेंसी ही घोषित कर दी जाए?'

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दीपके ने राष्ट्रीय राजधानी में सार्वजनिक सभाओं पर लगाई गई पाबंदियों की आलोचना की।

दीपके ने कहा, 'जंतर-मंतर भारत के लोगों का है, यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नहीं है। अगर मुंबई और बेंगलुरु में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं, तो अमित शाह दिल्ली में इसकी इजाजत क्यों नहीं दे रहे हैं?'

प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दिल्ली समेत कई राज्यों में पार्टी के सदस्यों और आंदोलन में शामिल युवाओं को बड़े पैमाने पर हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हममें से कोई भी गिरफ्तारी या हिरासत से नहीं डरता। हमारे बिना भी यह विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।'

हिरासत में लिए गए लोगों में पुणे के वे छात्र भी शामिल थे जो विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली आ रहे थे। पार्टी के अनुसार, छात्रों को बस में बिठाकर किसी अज्ञात जगह ले जाया जा रहा था। पार्टी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक बालियान

भी शामिल थे, जिन्हें गुरुवार को पुलिस हिरासत में लिया गया और उसी रात बाद में रिहा कर दिया गया।

दिल्ली पुलिस या किसी और सोर्स ने हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

एसआईआर को लेकर बवाल: दीपके ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। वहीं उन्होंने राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से वोटिंग के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। दीपके ने कहा, (सिस्टमैटिक इलेक्टोरल रोल अपडेशन) सबसे बड़ा घोटाला है जिसे केंद्र सरकार यानी सरकार भारत में लोकतंत्र को खत्म करने के लिए अंजाम दे रही है।' संस्थापक ने कहा, '10 अक्टूबर को होने वाले मार्च का मकसद वोट हटाने के मामले के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना होगा।'

संक्षिप्त समाचार

साकेत कोर्ट ने तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाई, सीडीआर खंगाल रही पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आस्था कुंज पार्क सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस आरोपियों के

मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कर रही है। जांच के लिए अतिरिक्त समय की मांग पर साकेत कोर्ट ने तीनों आरोपियों हेमंत, मुकेश और आसिफ की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। विशेष पोक्सो न्यायाधीश स्वाति शर्मा ने पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किए गए आरोपियों की हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने अदालत में आवेदन देकर सीडीआर की आगे जांच के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग की है। राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ लोक अभियोजक वसी उर रहमान चौधरी ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है, इसलिए हिरासत बढ़ाना जरूरी है। इसके बाद अदालत ने तीनों आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। दिल्ली पुलिस ने तीनों को पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। तीनों हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले हैं। इनमें से एक कानून की पढ़ाई कर रहा है। वहीं, आसिफ के खिलाफ पुलिस टीम के सदस्यों की हत्या के प्रयास का एक अन्य मामला भी दर्ज है। उसे दिल्ली पुलिस की टीम के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था।

63 मिनट की दूरी और धड़कता आया दिल... हरियाणा से दिल्ली तक बना 'ग्रीन कॉरिडोर'

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा से डोनर हार्ट को महज 63 मिनट में दिल्ली लाकर फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग में 47 वर्षीय मरीज

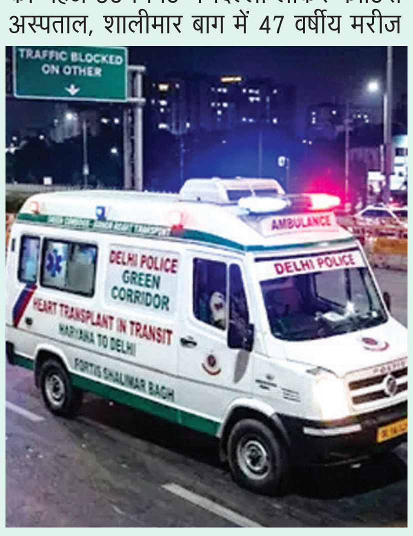

का सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया। मरीज एडवांस्ड हार्ट फेल्योर से पीड़ित था और उसकी स्थिति गंभीर थी। समय पर डोनर हार्ट अस्पताल पहुंचाने के लिए हरियाणा से दिल्ली तक 63 मिनट का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, जिससे प्रत्यारोपण की प्रक्रिया समय पर पूरी करने में मदद मिली। अस्पताल के अनुसार, यह उत्तर और पश्चिमी दिल्ली में किया गया पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण है। डोनर हार्ट को निर्धारित समय में अस्पताल पहुंचाना प्रत्यारोपण की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। ग्रीन कॉरिडोर के कारण अंग को तेजी से अस्पताल तक पहुंचाया जा सका। अस्पताल के कॉर्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के वरिष्ठ निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार मित्तल के नेतृत्व में मरीज का उपचार किया गया। अस्पताल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय निदेशक (ऑपरेशंस) महिपाल भनोट और उपाध्यक्ष एवं फैसिलिटी निदेशक नवीन शर्मा भी इस उपलब्धि से जुड़ी टीम का हिस्सा रहे।

मेरे सम्मान को ठेस पहुंची है...हमारे अधिकारों का क्या', प्रदर्शनों में हिंसा पर दिल्ली पुलिसकर्मियों ने पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी नई दिल्ली में हाल ही में हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और बदसलूकी को लेकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने अपनी सुरक्षा और मानवाधिकारों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की, मारपीट और अभद्रता के कई मामले सामने आए हैं। इसी बीच हिंसा के शिकार हुए एक पुलिसकर्मी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने सम्मान को ठेस पहुंचने की बात कह रहे हैं।

प्रदर्शन स्थल पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा, 'लोग कहते हैं कि विरोध करना उनका मौलिक अधिकार है, लेकिन एक पुलिसकर्मी के मानवाधिकारों का क्या?' सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में अशोक रोड पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान दो पुलिसकर्मियों को जमीन पर घसीटते और लातों से मारते हुए देखा गया। गुरुवार को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में मोएट्स रेस्तरां के बाहर

तैनात कड़ी सुरक्षा के बीच एक महिला पुलिसकर्मी बेहोश हो गई। एएनआई उन्होंने एएनआई से कहा, 'वायरल वीडियो को रिश्तेदारों और घरवालों ने भी देखा है। वे चिंतित हैं। ऐसे में मेरे सम्मान को ठेस पहुंची है।' जब उन्होंने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, तो भीड़ ने पीछे से उन पर हमला कर दिया, उनकी टोपी फेंक दी और नेमप्लेट तोड़ दी। विंडसर प्लेस इलाके में तैनात एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रदर्शनों में महिलाकर्मियों को और भी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। जब वे किसी महिला प्रदर्शनकारी को हिरासत में लेने की कोशिश करती हैं, तो पुरुष प्रदर्शनकारी बीच में आकर उनके साथ बदसलूकी और हाथापाई करते हैं। कई महिला पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया कि उन पर थूका गया, बैज और नेमप्लेट फाड़ दी गई तथा शारीरिक रूप से चोट पहुंचाई गई। यह पूछे जाने पर कि पुलिसकर्मियों के पास दंगा-रोधी उपकरण या लाठियां क्यों नहीं थीं, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआती तैनाती शांतिपूर्ण प्रदर्शन के आकलन के आधार पर की गई थी। आमतौर पर दंगा-रोधी गियर का इस्तेमाल पत्थरबाजी या हिंसक स्थिति की आशंका पर ही किया जाता है।

विजय एन्क्लेव में 24 करोड़ रुपये से बनेगी सड़क, पश्चिमी दिल्ली के लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के पालम विधानसभा क्षेत्र के विजय एन्क्लेव में विकास कार्यों को गति देते हुए करीब 24 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के नव-निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, महिलाएं, युवा, आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी और भाजपा के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजधानी में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ दिल्ली के अलग-अलग इलाकों को मिल रहा है। सभा को संबोधित करते हुए पालम विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलदीप सोलंकी ने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान पालम में करीब 209 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, ड्रेन, पार्क और स्कूल सहित बुनियादी ढांचे के अनेक विकास कार्य कराए गए हैं। इनमें से कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि कई पर काम तेजी से चल रहा है।

दिल्ली में पार्किंग की समस्या होगी दूर, 79 नए पार्किंग स्थल बनाने की तैयारी; शुल्क भी होंगे एक समान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में पार्किंग की समस्या और सड़कों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए अब मौजूदा पार्किंग स्थलों के बेहतर इस्तेमाल के साथ नई पार्किंग सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

स्मार्ट पार्किंग, बहुमंजिला एवं स्टैक पार्किंग के साथ मेट्रो के पार्क एंड राइड केंद्रों का भी विस्तार किया जाएगा।

पार्किंग स्थलों का अधिकतम उपयोग: एलजी टीएस संधू ने बृहस्पतिवार को संबंधित एजेंसियों की उच्च स्तरीय बैठक में एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए और ट्रैफिक पुलिस को अवैध पार्किंग के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एजेंसियों के पार्किंग शुल्क को एक समान करने पर भी जोर दिया।

बैठक में सामने आया कि कई मौजूदा पार्किंग स्थल पूरी क्षमता से इस्तेमाल नहीं हो रहे हैं। एलजी ने एमसीडी, एनडीएमसी और डीडीए को सभी मौजूदा पार्किंग स्थलों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। पार्किंग व्यवस्था में फास्टैग, रियल टाइम स्लाट ट्रैकिंग, सेंसर आधारित टिकटिंग और एप के जरिये खाली जगह की जानकारी देने की व्यवस्था पर भी विचार किया गया। सभी पार्किंग स्थलों पर ईवी चार्जिंग सुविधा विकसित करने की संभावना भी तलाशी जाएगी। एलजी ने दिल्ली के लिए एक एकीकृत पार्किंग प्राधिकरण बनाने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए।

एमसीडी ने 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक पार्किंग हाटस्पाट और प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष प्रवर्तन अभियान की योजना पेश की है। इसे ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर चलाया जाएगा। मल्टीलेवल पार्किंग के बाहर अवैध पार्किंग रोकने के लिए संयुक्त टीमें बनाई जाएंगी। आरडब्ल्यूए और बाजार संगठनों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार इस वर्ष पांच अक्टूबर तक अवैध पार्किंग के मामले में 13.34 लाख चालान और 5.54 लाख नोटिस जारी किए गए। इस दौरान 1.24 लाख वाहन टो किए गए जबकि 76 क्रेन तैनात रहीं।

463 पार्किंग स्थल, 79 नए प्रस्तावित: एमसीडी के पास फिलहाल 463 पार्किंग स्थल हैं। इनमें 433 सतही और 30 मल्टीलेवल या स्टैक पार्किंग हैं, जिनकी कुल क्षमता 94,831 कारों के बराबर है। दिसंबर तक 79 नए स्थल जोड़ने की योजना है, जिससे संख्या 542 हो जाएगी।

इसके अलावा 6,052 कारों की क्षमता वाली 14 मल्टीलेवल और स्टैक पार्किंग परियोजनाएं विचाराधीन हैं। एनडीएमसी के पास 126 पार्किंग स्थल हैं और इन्हें जल्द इंटेलिजेंट इंटीग्रेटेड पार्किंग सिस्टम से जोड़ने की तैयारी है।

242 में से 127 मेट्रो स्टेशनों पर पार्क एंड राइड: डीएमआरसी को मेट्रो स्टेशनों पर पार्क एंड राइड सुविधा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल दिल्ली और एनसीआर के 242 में से 127 मेट्रो स्टेशनों पर यह सुविधा है। इनकी कुल क्षमता 1,34,985 वाहनों की है। इनमें 14,426 कार, 1,09,250 दोपहिया और 11,309 साइकिल शामिल हैं।

यमुना में गंदा पानी रोकने की तैयारी, दिल्ली में बनेंगे 35 डीएसटीपी और 13 एसटीपी; दोगुनी करेंगे क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना में गिरने वाले गंदे पानी को पूरी तरह रोकने के लिए दिल्ली में सीवेज प्रबंधन की व्यवस्था को बड़े स्तर पर बदलने की तैयारी है। अगले ढाई वर्षों में सीवेज शोधन क्षमता दोगुनी करने की योजना है। इसके लिए 35 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र (डीएसटीपी) स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही] 13 नए सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) भी स्थापित किए जाएंगे।

परियोजना पर करीब 7,373 करोड़ रुपये खर्च होंगे

'नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा' (एनएमसीजी) की वित्तीय मदद से प्रस्तावित इस परियोजना पर करीब 7,373 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दिल्ली जल बोर्ड ने इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है और जल्द ही इसके लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन संयंत्रों की कुल क्षमता 328 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) होगी। दिल्ली में इस समय 37 एसटीपी हैं, जिनकी कुल क्षमता लगभग 814 एमजीडी सीवेज शोधन की है।

8 एसटीपी का उन्नयन कार्य पूरा हुआ: राजधानी में प्रतिदिन लगभग इतनी ही मात्रा में सीवेज उत्पन्न होता है। इसके बावजूद यमुना में प्रदूषण का एक बड़ा कारण कई इलाकों में सीवर नेटवर्क का अभाव और कुछ एसटीपी का निर्धारित मानकों के अनुरूप काम न करना है।

ऐसे में एसटीपी की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उनका उन्नयन भी किया जा रहा है। 28 एसटीपी का उन्नयन कार्य पूरा हो गया है और अगले वर्ष दिसंबर तक शेष नौ एसटीपी का उन्नयन कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2028 तक दिल्ली की कुल सीवेज शोधन क्षमता बढ़ाकर 1,500 एमजीडी करने की योजना है।

जागृति, कोंडली, रोहिणी, पप्पनकलां, रिठाला, केशवपुर, कोरोनेशन पिलर, आईएसपी बुराड़ी कैंपस, निलोठी, कैलाश नगर, शास्त्री पार्क, आरएमई-180 ड्रेन इंटरसेप्शन और दिल्ली गेट में बनने वाले एसटीपी इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इसके साथ ही पुराने एसटीपी के उन्नयन से दिसंबर 2027 तक करीब 56 एमजीडी अतिरिक्त क्षमता बढ़ेगी, वहीं 35 डीएसटीपी से लगभग 170 एमजीडी क्षमता में वृद्धि होगी।

सीमापुरी जैसे हादसे का खतरा, दिल्ली में नाले के किनारे बसे 40 साल पुराने 700 मकान बेहद जर्जर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीमापुरी में 30 साल पुरानी अवैध बहुमंजिला इमारत ढहने से दो बच्चों और एक गर्भवती की मौत की घटना ने दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

उत्तम नगर के हस्तसाल स्थित करीब 40 साल पुरानी कालोनी में भी ऐसी ही अनहोनी का खतरा मंडरा रहा है। करीब डेढ़ से दो किलोमीटर तक पंखारोड नाले के मुहाने पर बसी इस बस्ती में करीब 700 झुग्गी और पक्के मकान हैं। जानकारी के अनुसार, कई मकान बिना पिलर के बेहद छोटे भूखंडों पर दो से तीन मंजिल तक बनाए गए हैं। नाले के लगातार कटाव

से इनके कमजोर होने का खतरा बना हुआ है। कभी सरकारी जमीन पर झुग्गियों के रूप में बसी इस बस्ती को कुछ समय टी-कैंप कृष्णा कॉलोनी के नाम दिया गया है। घनी आबादी के कारण कई मकानों में आने-जाने के लिए मुख्य मार्ग की तरफ से लोहे की सीढ़ियां लगाई गई हैं, जबकि पीछे दो से तीन फुट चौड़ी गलियां का ही रास्ता है। वहीं, मुख्य मार्ग पर लोगों ने मीट, वाहन मरम्मत और परचून समेत कई दुकानें भी खोल रखी हैं। कॉलोनी के कई मकानों में शौचालय की सुविधा नहीं है।

लोगों को डूसिब और एमसीडी के सार्वजनिक शौचालयों का इस्तेमाल करना पड़ता है। कुछ पुराने शौचालयों पर ताले लगे हैं। पेयजल की आपूर्ति टैंकरों से होती है, जबकि कई घरों में बिजली के मीटर लगे हैं और बीएसईएस की ओर से नियमित बिजली बिल भेजे जाते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नाले के किनारे सुरक्षा दीवार नहीं होने से बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। वहीं, मकानों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली की तारें भी चिंता का कारण हैं। लोगों का कहना है कि तारें कई स्थानों पर इतनी नीचे हैं कि अनहोनी की आशंका बनी रहती है।

दिल्ली में ड्रग्स सप्लाई की साजिश नाकाम, पुलिस ने दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजय विहार थाना पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 34.4 ग्राम स्मैक बरामद की है। दोनों महिलाएं कथित तौर पर स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचने की तैयारी कर रही थीं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए रोहिणी जिले में लगातार गश्त और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 5 अक्टूबर 2026 को विजय विहार थाना पुलिस की टीम लाल क्वार्टर के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक रिहायशी इमारत के पास दो महिलाएं संदिग्ध अवस्था में दिखाई दीं। पुलिस को देखकर दोनों महिलाओं ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से 34.4 ग्राम स्मैक बरामद हुई। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान संगीता (24) और शिवानी (25) के रूप में हुई है। संगीता विजय विहार फेज-2 की रहने वाली है और उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट का एक मामला दर्ज है। शिवानी पटेल नगर की रहने वाली है। यह कार्रवाई विजय विहार थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोहर लाल मीणा के नेतृत्व में और एसीपी रोहिणी बृज मोहन मीणा की देखरेख में की गई। टीम में एसआई उद्देश्य, हेड कांस्टेबल प्रदीप और महिला हेड कांस्टेबल शकुंतला शामिल रहीं।

संक्षिप्त समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका

बाहर हुए चैपमैन और फॉल्क्स

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से

परेशान हैं। इन दोनों का सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्क्स की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्क्स की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

शुभंकर ने कपिल देव इनविटेशनल टूर

चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा। शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 2 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक ईगल, सात बर्डी और दो बोगी के

साथ 11-अंडर 133 का स्कोर हासिल किया। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार जीत हासिल कर चुके शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई के बोल्डर्स क्लासिक में जीत हासिल की थी, जिससे उनका प्रोफेशनल खिताब जीतने का आठ साल का इंतजार खत्म हुआ था। चंडीगढ़ के ब्रशवरपाल सिंह (72-65) ने शुभंकर के बराबर दिन का सबसे कम स्कोर बनाया। उनके सात-अंडर 65 के स्कोर में आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी, जिससे वे पिछले दिन संयुक्त 11वें स्थान से ऊपर उठकर सात-अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा'

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से वहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाईं और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कमान संभाली और कहां छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कमान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं

ज्यादा मजबूत, ज्यादा ऊर्जावान, स्किलफुल और अनुभवी है। अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह इंडियन टीम सही रास्ते पर है।' अंजुम ने कहा, 'बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत कौर एक इंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के लिए उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है–जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना–तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है।' ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, 'यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देखना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो गुयाना में 2018 वर्ल्ड कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।

अंजुम ने कहा-

'मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूं कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेप्थ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गौड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।'

हरमनप्रीत के इस्तीफे वाले पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, 'सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपको टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है – ये छोटी-छोटी बातें हैं।

फ्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा। याना शेइना ने 40वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी किरा पेटुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में दो गोल दागे। याना स्विस्तुनोवा ने 81वें मिनट में गोल करके स्कोर पूरा किया। भारत के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने इस मैच का इस्तेमाल कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए किया; बेबीसाना देवी थिंगबैजम, मालती मुंडा, सिंडी कोल्नी, शुभांगी सिंह, धुर्गा पेरुमल और सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइरांगथेम ने अपना तीसरा इंटरनेशनल मैच भी खेला।

यह कोलकाता में भारत का पहला महिला इंटरनेशनल मैच था और वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े अंतर के बावजूद मेजबान टीम ने अनुशासित शुरुआत की। रूस का बॉल पर कब्जा और मैदान पर दबदबा ज्यादा था, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया और रूसी खिलाड़ियों के पासिंग के रास्ते बंद करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोनालिसा ने भी रूसी खिलाड़ियों को गोल करने से रोकने के लिए कई अहम बचाव किए।

मैच के आधे घंटे के आसपास भारत बढ़त बनाने के करीब था, जब बॉक्स के अंदर गेंद मालविका पी. के पास आई, लेकिन रूसी गोलकीपर नतालिया सिलिना ने तेजी से अपनी लाइन से बाहर आकर उस मौके को खत्म कर दिया। हाफ के आखिर में लिंडा कॉम सर्टो को भी मौका मिला, लेकिन भारत मिले मौकों को गोल में नहीं बदल सका।

रणजी ट्रॉफी | **जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली**

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी

2026/27 के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथ में है। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे सीरीज जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने दो मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। रणजी ट्रॉफी में खेलने से जडेजा को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दो मैचों के टेस्ट दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैंपेन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं।

सौराष्ट्र टीम

जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांकड़, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पंवार, समर गज्जर, पार्थ भुट, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्थ यादव, तरंग गोहेल।

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्पिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता। भारत महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में रूस से 0-4 से हारने के बाद भी अपनी युवा टीम का समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच की पॉजिटिव बात यह है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने कैरेक्टर दिखाया। हम दबाव बनाने से नहीं डरते, हम भागने से नहीं डरते। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में होता है।' हेड कोच ने टीम के 25-दिन के कैंप के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए कमिटमेंट पर भी जोर दिया और रूस की फिजिकल मौजूदगी और सेट-पीस से निपटने की उनकी कोशिशों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि हमने कैरेक्टर दिखाया, हमने हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।'

छेत्री ने माना कि जून से कॉम्पिटिटिव फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं।

11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी इंटेंसिटी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी। साथ ही, पहले मैच के आखिरी स्टेज में खेलने वाले युवाओं को ज्यादा मौके भी देगी।

आर्कटिक ओपन | **तन्वी को मिली हार**

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

वंटा (फिनलैंड)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को 21-15, 21-15 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई हैं। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने यह मुकाबला 49 मिनट में अपने नाम किया। अब क्वार्टर-फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रत्चानोक इंतानोन से होगा। इस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से विमेंस बैडमिंटन सर्किट की एक पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी, हालांकि दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना साल 2022 के बाद से नहीं हुआ है। 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड में इंतानोन 9-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। दोनों की पिछली भिड़ंत साल 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जिसमें थाई खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की। सिंधु को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके तहत उन्होंने 'जापान ओपन सुपर 750' का खिताब जीता है। उन्होंने जुलाई में फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर अपने हालिया करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इंतानोन को भी इस सीजन में सफलता मिली है; उन्होंने मई में फाइनल में चीन की चेन युफेई को मात देकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का खिताब जीता। थाई खिलाड़ी ने तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। तन्वी पहले गेम में ज्यादातर समय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के बराबर बनी रहीं, उन्होंने 17-17 से बराबरी भी की, लेकिन इंतानोन ने गेम के आखिर में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम जीत लिया।

लैंडो नॉरिस का विश्वास कायम

मैकलारेन की मेहनत पर जताया भरोसा

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडो नॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान हंगेरियन जीपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और वह चैंपियनशिप लीडर किमी एंटोनेली से 132 प्वाइंट्स पीछे हैं। मरीना बे स्ट्रीट सर्किट पर सिंगापुर जीपी से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूदा चैंपियन ने उम्मीद जताई कि टीम ने समस्याओं को हल करने के लिए काम किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पहले कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना चाहते हैं।

नॉरिस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'कुछ स्पष्ट चीजें थीं, जैसे स्ट्रेट-लाइन स्पीड और कार के साथ मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं। यह भी कि हम कार से और बेहतर परफॉर्मेंस कैसे निकाल सकते हैं, ताकि वापस उसी स्थिति में आ सकें, जो कि एक मुश्किल काम है। बाकू में भी हम बहुत तेज नहीं थे, इसलिए यह सिर्फ मलेशिया की बात नहीं थी। मुझे उम्मीद है, बस कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना है कि वह कैसी है।